RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 60
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीता
स्पोर्ट्स-12

इंडिया गठबंधन में बेचैनी

हर दिन किसी न किसी न मुद्दे पर टकराव की स्थिति

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडिया पूरी तरह से अव्यवस्था के संकेत दे रहा है। गठबंधन में प्रमुख घटकों में से एक शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार, राजद सुप्रीमो लालू यादव, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और राकांपा प्रमुख शरद से संपर्क कर कहा कि बेहतर समन्वय के लिए पवार को जल्द ही इंडिया गठबंधन का संयोजक नियुक्त करने पर विचार करना चाहिए क्योंकि लोकसभा चुनावों की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर पार्टी नेता राहुल गांधी और अन्य की मौजूदगी में गठबंधन समन्वय बैठक के लिए बैठक की गई। इसके बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने कहा कि खड़गे और अन्य के सामने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जहां सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर तेजी से काम करने का संकल्प लिया गया।

कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक में राज्य के नेताओं के साथ उनके अधिकार क्षेत्र वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की लोकसभा सीटों को लेकर कई दौर की बैठकें हुईं। वासनिक ने कहा, सीट बंटवारे पर बातचीत को मजबूत करने के लिए जल्द ही इसके पहलुओं पर इंडिया गठबंधन के अन्य हितधारकों के साथ चर्चा की जाएगी क्योंकि आम सहमति मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के कुशासन को हटाकर केंद्र में एक इंडिया सरकार स्थापित करने पर है।

दूसरी ओर कांग्रेस ने अपने इंडिया गठबंधन सहयोगियों पश्चिम बंगाल में टीएमसी और पंजाब तथा दिल्ली में आप के प्रति अपनी 'नाराजगी' व्यक्त की। सूत्रों ने कहा कि ठाकरे ने सभी नेताओं को फोन किया और माना जाता है कि उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश का नाम प्रस्तावित किया है। कुमार सबसे बड़े विपक्षी गठबंधन के संयोजक हैं। सूत्रों ने कहा कि फैसले का समर्थन करने के लिए इस सप्ताह विपक्षी दलों की एक आभासी बैठक होगी। संयोजक पद को लेकर उद्धव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल के साथ भी चर्चा की है और जल्द ही गठबंधन के अन्य सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे। पिछले दिनों पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एक त्वरित फैसले में नीतीश कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) का अध्यक्ष चुना गया था। इसी हफ्ते निवर्तमान ललन सिंह ने राजद और कांग्रेस के साथ साठगांठ का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था और जब ममता और केजरीवाल ने गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित किया तो नीतीश भी खुश नहीं थे। सूत्रों ने बताया कि ईडी समन विवाद में फंसे केजरीवाल ने उद्धव से बातचीत के बाद संयोजक के रूप में नीतीश कुमार के प्रति अपना समर्थन जताया है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा, 'नीतीश कुमार भारत गठबंधन बनाने में बहुत महत्वपूर्ण थे। कांग्रेस को इस फैसले से कोई समस्या नहीं होगी क्योंकि गठबंधन में दो शीर्ष पद होंगे - अध्यक्ष और संयोजक।' शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट की नेता सुप्रिया सुले ने भी इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें संयोजक के रूप में नीतीश कुमार की नियुक्ति पर कोई पुष्टि नहीं मिली है। 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन पार्टियों ने दिल्ली में अपनी चौथी बैठक की, जहां ममता बनर्जी ने खड़गे को पीएम उम्मीदवार के तौर पर प्रस्तावित किया था। एक बयान जो घटकों दलों को परेशान कर सकता है, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने को कहा कि एआईसीसी ने राज्य इकाई को सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए कहा है। राजा ने कहा, 'आज की बैठक में पंजाब के बारे में सीट बंटवारे या गठबंधन पर कोई चर्चा नहीं हुई। हमने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है। हम कुछ महीनों में उम्मीदवारों और चुनाव लड़ने की रणनीति पर चर्चा करेंगे।' आप के नेतृत्व वाली सरकार के पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पिछले हफ्ते कांग्रेस और आप के बीच वाकयुद्ध छेड़ दिया था। (शेष पेज 9)

ईडी के बुलावे के बीच अरविन्द केजरीवाल जाएंगे गुजरात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पेश होने से बार-बार इनकार करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा संभावित गिरफ्तारी की अटकलों के बीच आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कथित शराब घोटाले में ईडी द्वारा बार-बार समन भेजा जा रहा है। यह उनके चुनाव प्रचार में बाधा डालने का एक प्रयास है। दो साल से चल रही जांच के बावजूद यह कदम उठाया जा रहा है। दिल्ली के सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी ईमानदारी उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है और भाजपा फर्जी मामलों से उनकी ईमानदारी को ठेस पहुंचाना चाहती है। आप संयोजक ने एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, 'पिछले दो सालों से आपने शराब घोटाला शब्द कई बार सुना होगा। सिलसिले में कई बार छापेमारी हो चुकी है। एजेंसियों को एक भी रुपया नहीं मिला। धन कहां चला गया? क्या यह यूं ही हवा में गायब हो गया? सच्चाई यह है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है।'

फोटोः रंजन डिमरी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के सामने जुटे मीडिया कर्मी।

इस बीच, आप ने यह भी घोषणा की कि केजरीवाल आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शनिवार को गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे। आप सूत्रों ने कहा कि केजरीवाल का गुजरात दौरा आगामी लोकसभा चुनाव से संबंधित दौरे का हिस्सा है। सूत्रों ने बताया कि जन सभाएं और पार्टी कार्यक्रम आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक के एजेंडे में हैं। आप संयोजक अपने चुनावी दौरे के दौरान सार्वजनिक बैठकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। यह घोषणा केजरीवाल द्वारा कथित आबकारी शुल्क घोटाले से संबंधित पूछताछ के लिए ईडी द्वारा जारी किए गए तीसरे समन में शामिल नहीं होने के एक दिन बाद आई है। विशेष रूप से दिल्ली के मंत्री आतिशी, सौरभ भारद्वाज और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक सहित कई नेताओं ने बुधवार देर रात सूत्रों का हवाला दिया और कहा कि ईडी द्वारा उनके प्रमुख पर छापा मारने और गिरफ्तार करने की संभावना है। ईडी की कार्रवाई की आशंका में आज सुबह कई आप कार्यकर्ता भी केजरीवाल के आवास के बाहर एकत्र हुए। दूसरी ओर, ईडी ने दावे को खारिज कर दिया है और अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापेमारी की खबरों को 'अफवाहों के अलावा कुछ नहीं' करार दिया है। अधिकारियों ने कहा कि वे पत्र की जांच कर रहे हैं। (शेष पेज 9)

सीएम जगन की बहन शर्मिला पार्टी समेत कांग्रेस में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी और युवजन श्रमिक रायथू तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की संस्थापक वाई. एस. शर्मिला बृहस्पतिवार को यहां कांग्रेस में शामिल हो गईं। शर्मिला ने अपनी वाईएसआर तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के कांग्रेस में विलय की भी घोषणा की और कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी वह उसे निभाएंगी। शर्मिला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं। कांग्रेस की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है क्योंकि यह प्रतिबद्धता के साथ सभी समुदायों की सेवा करती है और सभी वर्गों के लोगों को एकजुट करती है। बाद में उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की, जिन्होंने पार्टी में उनका स्वागत किया। शर्मिला ने कहा, मैं वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के कांग्रेस में विलय से बहुत खुश हूं। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि वाईएसआरतेलंगाना पार्टी आज से कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रही है। अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएसआर रेड्डी को तेलुगू लोगों का एक महान नेता बताते हुए शर्मिला ने कहा कि उनके पिता ने न केवल जीवन भर कांग्रेस की सेवा की बल्कि पार्टी की सेवा में अपना जीवन भी कुर्बान कर दिया। शर्मिला ने कहा, आज उन्हें (वाईएसआर रेड्डी) बहुत खुशी होगी कि उनकी बेटी उनके नक्शेकदम पर चल रही है। (शेष पेज 9)

आप की मुसीबत बढ़ी, मोहल्ला क्लीनिक की होगी सीबीआई जांच

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों में फर्जी मरीजों से जुड़े एक कथित घोटाले की सीबीआई जांच की सिफारिश की है। आरोप के अनुसार कथित घोटाले के हिस्से के रूप में रेफरल के नाम पर निजी प्रयोगशालाओं को अवैध भुगतान करने के लिए मोहल्ला क्लीनिक में नामौजूद मरीजों पर लाखों फर्जी पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी परीक्षण किए गए थे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिनों पहले ही सक्सेना ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दवाओं की कथित आपूर्ति की सीबीआई जांच का आदेश दिया था, जो 'गुणवत्ता मानक परीक्षणों' में विफल रही थीं।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट ने परेशान करने वाले निष्कर्षों का खुलासा किया है। इन सात मोहल्ला क्लीनिकों के 11,657 रिकॉर्ड में, मरीजों के मोबाइल नंबर 'शून्य' के रूप में सूचीबद्ध थे। इसके अतिरिक्त, 8,251 मामलों में मोबाइल नंबर कॉलम को खाली छोड़ दिया गया था और 3,092 मामलों में, मोबाइल नंबर 9999999999 के रूप में दर्ज किए गए थे। अधिकारियों ने 1-5 से शुरू होने वाले

गैर-मौजूद मोबाइल नंबरों वाली 400 प्रविष्टियाँ भी नोट कीं और 999 मामले ऐसे थे जहाँ एक ही मोबाइल नंबर 15 या अधिक रोगियों से जुड़ा था। रिपोर्ट में नुस्खे की वैधता पर सवाल उठाए गए, क्योंकि डॉक्टरों ने पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से उपस्थिति दर्ज की। एक अधिकारी ने सवाल किया, 'मरीजों - गैर-चिकित्सा कर्मचारियों को ये परीक्षण और दवाएं किसने लिखीं? निजी डायग्नोस्टिक कंपनियों को आउटसोर्स की जा रही लैब जांच की जांच के लिए सतर्कता और दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा मोहल्ला क्लीनिक में एक जांच की गई थी। उपराज्यपाल कार्यालय द्वारा साझा की गई जांच रिपोर्ट के अनुसार, फर्जी और गैर-मौजूद मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल मरीजों के पंजीकरण और उसके बाद उन पर किए गए प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए किया गया था। (शेष पेज 9)

पीएम ने साझा किया लक्षद्वीप यात्रा का रोमांचक अनुभव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को लक्षद्वीप की बुधवार की यात्रा के दौरान उनके आतिथ्य के लिए वहां के लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर समुद्र के भीतर अपने अन्वेषण की तस्वीरें भी पोस्ट कीं और अरब सागर में स्थित द्वीपों में प्रवास के अपने 'रोमांचक अनुभव' को साझा किया। उन्होंने लिखा वह वहां समुद्र के नीचे के जीवन का पता लगाने के लिए स्नॉर्कलिंग गए और कहा, 'जो लोग अपने अंदर के रोमांच को अपनाना चाहते हैं, उनके लिए लक्षद्वीप को उनकी सूची में होना चाहिए। अपने प्रवास के दौरान, मैंने स्नॉर्कलिंग की भी कोशिश की, यह कितना रोमांचक अनुभव था।' मोदी ने लक्षद्वीप के प्राचीन समुद्र तटों पर सुबह की सैर और समुद्र तट के किनारे एक कुर्सी पर बैठे फुरसत के कुछ पलों की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा, प्राकृतिक सुंदरता के अलावा लक्षद्वीप की शांति भी मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। इससे मुझे यह सोचने का मौका मिला कि 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण के लिए और भी अधिक मेहनत कैसे की जाए।'

पीएम मोदी ने लक्षद्वीप में स्नार्कलिंग का भी उठाया लुत्फ।

मोदी कोच्चि-लक्षद्वीप द्वीप समूह सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर कनेक्शन का उद्घाटन करने और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पांच मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों के नवीनीकरण की आधारशिला रखने के लिए 2 और 3 जनवरी को लक्षद्वीप में थे। उन्होंने कई परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। मोदी ने एक्स पर कहा, 'हाल ही में मुझे लक्षद्वीप के लोगों के बीच रहने का अवसर मिला। मैं अभी भी इसके द्वीपों की अद्भुत सुंदरता और यहां के लोगों की अविश्वसनीय गर्मजोशी से आश्चर्यचकित हूं। मुझे अगत्ती, बंगाराम और कावारत्ती में लोगों से बातचीत करने का अवसर मिला। मैं द्वीप के लोगों को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं। यहां कुछ झलकियां हैं, जिनमें लक्षद्वीप की हवाई झलकियां भी शामिल हैं।' लक्षद्वीप में सरकार का ध्यान उन्नत विकास के माध्यम से लोगों के जीवन का उत्थान करना है। मोदी ने कहा, 'भविष्य के बुनियादी ढांचे के निर्माण के अलावा, यह बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, तेज इंटरनेट और पीने के पानी के अवसर पैदा करने के साथ-साथ जीवंत स्थानीय संस्कृति का जश्न मनाने के बारे में भी है। (शेष पेज 9)

बर्फीली हवाओं से कांप रही दिल्ली को अभी राहत नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में नए साल की पूर्वसंध्या के बाद से सुबह और रात में सर्द हवाएं देखी जा रही हैं, जिससे लोग घरों और कार्यस्थलों पर ठिठुर रहे हैं। बर्फीली हवाएं और ऊंचे इलाकों में घने कोहरे का असर शहर पर भी दिखाई दे रहा है। मौसम का सबसे कम दिन का तापमान दर्ज करने के एक दिन बाद, दिल्लीवासियों को एक और ठंडी और धुंधली सुबह का सामना करना पड़ा। बृहस्पतिवार को सफदरजंग वेधशाला स्टेशन पर अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से सात डिग्री कम है। इस मौसम में कोहरे वाले ठंडे दिन जैसे हालात बन रहे हैं। न्यूनतम तापमान लगभग 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। आने वाले दिनों में ठंड की स्थिति की भविष्यवाणी के साथ, मौसम कार्यालय ने पूर्वानुमान लगाया है कि शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 13 और 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में सुबह 8.30 बजे दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई, जबकि न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से एक डिग्री अधिक है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चला है कि पालम में अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग सात डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। रिज में अधिकतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग पांच डिग्री कम है। आया नगर में अधिकतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया।

क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के वैज्ञानिक और प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, 'जनवरी के पहले 10 दिन सबसे ठंडे माने जाते हैं, लेकिन इस साल यह पिछले साल की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक गर्म है।'

अधिकतम तापमान में गिरावट के कारण दिल्ली में कड़ाके की ठंड पड़ रही है क्योंकि न्यूनतम तापमान पहले से ही 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम संबंधी 'ठंडे दिन' की घोषणा तब की जाती है जब अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री कम हो और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे हो। अधिकतम तापमान आमतौर पर दोपहर 3 बजे से 4 बजे के बीच कहा आता है। आईएमडी द्वारा दर्ज की गई तीन घंटे की रीडिंग से पता चलता है कि कुछ घंटों को छोड़कर, सुबह 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच दिन के अधिकांश हिस्सों में परिवेश का तापमान कम दोहरे अंक (10-11 डिग्री सेल्सियस) में रहता है।

मौसम विभाग ने मध्यम कोहरे के साथ कुछ क्षेत्रों में 'ठंडे दिन' की स्थिति के लिए पीला अलर्ट जारी किया है। कोहरे की स्थिति के बीच कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर कई उड़ान संचालन में देरी हुई, जबकि 26 ट्रेनों के आगमन में तीन से आठ घंटे की देरी हुई। मौजूदा ठंड के मौसम की स्थिति के मद्देनजर, उत्तर प्रदेश के नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रशासन ने 6 जनवरी तक कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है।

बृहस्पतिवार शाम 4 बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 377 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक 377 दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार सुबह आरके पुरम में, लोधी रोड में 312, आईटीओ क्षेत्र में 377 और आईजीआई हवाईअड्डा क्षेत्र में 387 रहा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार में हवा की गुणवत्ता पीएम2.5 के साथ 428 और पीएम10 के 433 के साथ 'गंभीर' श्रेणी में चली गई। आईटीओ पर भी एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में रहा। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि कोहरे की घनी चादर ने पाकिस्तान से पश्चिम बंगाल तक फैले विशाल भारत-गंगा के मैदानी इलाकों पर छाई है, जिससे उत्तर भारत बर्फीली हवाओं की चपेट में आ गया है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और यहां तक ??कि बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा छाया हुआ है। यह निरंतर धुंध न केवल दृश्यता को बाधित करती है, बल्कि पूरे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड और यहां तक ??कि गंभीर ठंड के दिन की स्थिति को भी बढ़ा देती है। जबकि न्यूनतम तापमान आश्चर्यजनक रूप से सामान्य से ऊपर बना हुआ है, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में दिन का तापमान औसत से काफी नीचे चला गया है। यह स्पष्ट विरोधाभास असामान्य रूप से ठंडे उत्तर भारत की तस्वीर पेश करता है, जहां निवासी अपेक्षाकृत गर्म रातों के बावजूद कांपते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों में पूर्वी भारत में मौसम में कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। (शेष पेज 9)

भारत के आर्थिक विकास की चीन ने जमकर की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक दुर्लभ प्रशंसा में बीजिंग स्थित एक प्रमुख चीनी मीडिया आउटलेट ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक विकास, सामाजिक शासन और विदेश नीति में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति की प्रशंसा करते हुए एक लेख प्रकाशित किया है। ग्लोबल टाइम्स द्वारा भारत की प्रगति और प्रधानमंत्री मोदी की रणनीतिक दृष्टि की यह दुर्लभ स्वीकृति भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर इसके मुखर रुख के निहितार्थ की बढ़ती मान्यता का प्रतीक है। फुडन विश्वविद्यालय, शंघाई में दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र के निदेशक झांग जियाडोंग द्वारा लिखा गया लेख पिछले चार वर्षों में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालता है। यह भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, शहरी शासन में सुधार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों, विशेष रूप से चीन के साथ दृष्टिकोण में बदलाव को स्वीकार करता है।

लेखक लिखते हैं, 'उदाहरण के लिए, चीन और भारत के बीच व्यापार असंतुलन पर चर्चा करते समय भारतीय प्रतिनिधि पहले मुख्य रूप से व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए चीन के उपायों पर ध्यान केंद्रित करते थे। लेकिन अब वे भारत की निर्यात क्षमता पर अधिक जोर दे रहे हैं।' लेख में कहा गया है कि भारत अपने तीव्र आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ रणनीति तौर पर खुद को विकसित करने के प्रति अधिक आश्वस्त हो गया है। इसके अलावा भारत राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में लगातार पश्चिमी देशों में अपना दबदबा बढ़ा रहा है। लेखक ने जोर देकर कहा कि यह बदलाव भारत की ऐतिहासिक औपनिवेशिक छाया से बचने और राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से 'विश्व गुरु' के तौर पर काम करने की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। (शेष पेज 9)

सुपर एरिया के नाम से फ्लैट बेचना अवैध : यूपी रेरा

सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन नहीं करने वाले बिल्डरों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई

- प्रदेश में हैं तीन हजार से अधिक बिल्डर प्रोजेक्ट, जानकारी के अनुसार सुपर एरिया के नाम पर बिल्डर कॉमन एरिया को भी बेच रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

निर्माणाधीन फ्लैटों को देखता ग्राहक। (सांकेतिक फोटो)

उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण यूपी रेरा ने कारपेट एरिया से फ्लैटों की बिक्री के नए नियमों का आदेश जारी कर दिए हैं। अब प्रदेश में सुपर एरिया के नाम से फ्लैट बेचना अवैध हो गया है। प्रदेश में पंजीकृत सभी बिल्डरों को इसकी सूचना भेज दी गई है।

आदेश में कहा गया है कि नियमों का पालन नहीं करने वाले बिल्डरों के खिलाफ यूपी रेरा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश में तीन हजार से अधिक बिल्डर प्रोजेक्ट हैं। इनमें से कई परियोजनाओं में सुपर एरिया के नाम पर फ्लैट बेचे जा रहे हैं। सुपर एरिया में बिल्डर कॉमन एरिया को भी बेच रहा हैं। काफी शिकायत आने के बाद यूपी रेरा ने फ्लैटों की बिक्री के संबंध में नए नियम तैयार किए हैं। बुधवार को यूपी रेरा ने प्रदेश में नए नियमों का लागू कर दिया है। यूपी रेरा के अधिकारियों के अनुसार सुपर एरिया के नाम पर फ्लैटों की बिक्री को अवैध माना जाएगा। यूपी रेरा के चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने बताया कि फ्लैट या अपार्टमेंट के वास्तविक क्षेत्रफल को ही कारपेट एरिया माना जाएगा। उसी के हिसाब से धनराशि ली जाएगी। बिल्डर और खरीदार के बीच होने वाले करार का प्रारुप यूपी रेरा की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अब उसी के हिसाब से बिल्डर को करार करना होगा।

सुपरटेक के मालिक ने बीमारी के नाम पर मांगी जमानत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के हजारों फ्लैट बॉयर्स को ठग कर अरबपति बने सुपरटेक बिल्डर के मालिक आरके अरोड़ा ने कोर्ट से अंतरिम जमानत मांगी है। आरके अरोड़ा की तरफ से दायर एक अपील में बीमार होने के कारण 90 दिन के लिए अंतरिम जमानत की मांग की गई हैं 5 जनवरी को सुनवाई की जाएगी।

सुपरटेक बिल्डर्स के नाम से कंपनी चलाने वाला आरके अरोडा मनी लांड्रिंग के मामले में पिछले 6 महीनों से जेल में बंद है। 27 जून 2023 को प्रवर्तन निदेशालय ने उसे गिरफ्तार किया था। सुपरटेक कंपनी के मालिक आरके अरोड़ा ने कोर्ट में अर्जी देकर अंतरिम जमानत की मांग की है। अपनी याचिका में उसने कहा है कि वह गंभीर रुप से बीमार है। जेल प्रशासन उसका इलाज सरकारी अस्पताल में करा रहा है किंतु उसकी बीमारी ठीक होने के बजाय बढ़ती ही जा रही है।

इस कारण उसे प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने के लिए अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। इस मुद्दे पर कानून के जानकारों की अलग अलग राय है। कुछ जानकारों का कहना है कि आरके अरोड़ा वास्तव में बीमार है। कुछ जानकार आरके अरोड़ा की बीमारी को जमानत प्राप्त करने के लिए एक बहाना बता रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी ने विधायक धीरेंद्र सिंह से कहा कि प्राधिकरण जेवर विधानसभा में खेल के चार मैदान बनवाएगी।

चीनी नागरिक की मौत, अस्पताल पहुंचाने वाला फरार

नोएडा। नोएडा के थाना फेस.दो क्षेत्र के सेक्टर.92 में रहने वाले एक चीनी नागरिक की संदिग्ध मौत हो गई है। आशंका जताई जा रही है कि चीनी नागरिक के साथियों ने ही उसकी गला दबाकर हत्या की है। पुलिस व फॉरेंसिक टीम मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मूल रूप से चीन निवासी सिया ओ हू अपने तीन अन्य साथियों के साथ सेक्टर.92 के ए ब्लॉक में रह रहा था। वह और उसके साथी किसी कंपनी में काम करते हैं। बुधवार की रात उसके साथी उसे गंभीर हालत में सेक्टर.137 स्थित फैलिक्स अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सको ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से जानकारी मिलने पर थाना फेस दो पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के गले पर निशान मिले हैं, आशंका जताई जा रही है कि उसके साथियों ने ही उसकी गला दबाकर हत्या की है। मामला चीनी नागरिक से जुडा होने के कारण पुलिस की फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर साक्ष्य इकट्ठा किया। चीनी नागरिक को अस्पताल लाने वाले उसके साथी फरार हैं।

वारदात को अंजाम देने से पहले तीन बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे तीन बदमाशों को पुलिस ने अलग.अलग स्थान से गिरफ्तार किया है। ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर सेक्टर 3 में फ्लोरेंस स्कूल के पास खड़े एक युवक को दबोच कर तलाशी ली तो उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। आरोपी का नाम अशफाक निवासी खगड़िया बिहार बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इसके अलावा थाना सेक्टर 49 पुलिस ने बरोला गांव स्थित हनुमान मंदिर की सर्विस रोड से आलोक उर्फपियूष को चाकू सहित गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन की सर्विस रोड से जितेंद्र उर्फटुंडा को भी एक चाकू सहित बंदी बनाया है।

2 किलो गांजा के साथ मोबाइल झपटमार गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 49 पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के पास से चोरी के 5 मोबाइल फोन व 2 किलो गांजा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी रामकुमार गौतम ने बताया कि पुलिस टीम मानव रचना टी पॉइंट के पास बैरिकेटिंग लगाकर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को देखकर एक युवक भाग निकला। संदेह के आधार पर पुलिस ने युवक को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से पांच मोबाइल फोन व गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम रोहित पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम मोरना बताया। रोहित ने बताया कि वह राह चलते लोगों के मोबाइल फोन चोरी करने के साथ.साथ छीन लेता है। रोहित ने मोबाइल लूटपाट की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी ने बताया कि वह चोरी व लूटपाट की घटनाओं के अलावा दिल्ली से गांजा लाकर बेचता है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

ऑटो की भिड़ंत में 8 साल के बच्चे की मौत, कई घायल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर क्षेत्र के चीती गांव के पास दो थ्री व्हीलर की भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हुए 8 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। ग्रेटर नोएडा के कस्बा बिलासपुर निवासी नाजिम ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि 2 जनवरी को उनका बड़ा भाई सलमान अपनी पत्नी रूबी तथा बच्चे सारिक, सारा व शावेज के साथ थ्री व्हीलर में सवार होकर बिलासपुर से बुलंदशहर जा रहे थे। चीती गांव के पास सिकंदराबाद की तरफसे तेज गति में आ रहे थ्री व्हीलर के चालक ने उसके भाई के थ्री व्हीलर में सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में उसके भतीजे सारिक तथा दूसरे थ्री व्हीलर के ड्राइवर को गंभीर चोटें आई।

चोरी की स्कूटी से करता था गांजे की तस्करी

नोएडा। नोएडा सेक्टर 24 के वीडियोकॉन चौराहा से पुलिस ने एक युवक को गाँजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया है। युवक लंबे समय से गांजे की तस्करी कर रहा था। पुलिस प्रशासन ने युवक के पास से 1 किलो 500 ग्राम अवैध गाँजा बरामद किया है।

युवक लंबे समय से गाँजा की तस्करी कर रहा था। जिसकी भनक पुलिस प्रशासन को बिल्कुल भी नहीं थी। पुलिस ने युवक को गाँजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार करके धारा 414 लगाकर उसे हिरासत में ले लिया है। और पूरे मामले की जांच कर रही है। नोएडा में 20 वर्षीय बबलू कुमार पुत्र संदीप कुमार काले रंग की स्कूटी से ग्राहको को गाँजा सप्लाई करने जा रहा था। जैसे ही वो नोएडा सेक्टर 11 के वीडियोकॉन चौराहे पर पँहुचा, तो पुलिस प्रशासन को चेकिंग करता देख स्कूटी की दिशा दूसरी तरफमोड ली और भागने की कोशिश करने लगा।

दबंगों ने पुलिस के सामने ही मजदूर नेता को जमकर पीटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट का डर अब दबंगों में नहीं दिखता है। नोएडा में दबंगों ने पुलिस के अधिकारियों के सामने मजदूरों के एक नेता को जमीन पर गिराकर पीटा। दबंगों को पुलिस ने रोकने की भी कोशिश नहीं की।

नोएडा में सुरक्षा व्यवस्था के बड़े.बड़े दावे करने वाली नोएडा पुलिस कमिश्नरेट पुलिस की ऐसी तस्वीर सामने आयी है जिस पर सब सवाल उठा रहे हैं। नोएडा में मजदूरों की समस्याओं को उठाने वाले संगठन सीटू के जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा को दबंगों ने गुरूवार दोपहर हमला बोल दिया। दरअसल सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में उद्योग विहार स्थित मैताऊ इक्यूमेंट इंडिया प्रा0लि0 के खिलाफ धरना दे रहे थे। इसी दौरान दबंगों का सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा से विवाद हो गया। दबंगों ने सीटू नेता पर हमला कर जमीन पर गिराकर पीटने लगे। जब दबंगों ने हमला किया तो वहां पुलिसकर्मी व एलआईयू के कर्मचारी भी मौजूद थे।

आठ महीनों में बढ़े सवा लाख पासपोर्ट धारक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय द्वारा साल दर साल पासपोर्ट धारकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। गत आठ महीनों के आंकडों अगर नजर डालें तो पिछले आठ महीनों में सवा लाख पासपोर्ट धारकों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्ष 2023 में सबसे अधिक तीन लाख 19हजार 676 पासपोर्ट बने हैं जबकि वर्ष 2016 में एक लाख 98 हजार 392 पासपोर्ट बने हैं।

साल दर साल पासपोर्ट बनवाने वालों का आंकडा बढ़ रहा है। इन आठ सालों में विदेश जानों वालों की संख्या में भी खासा इजाफा हुआ है। पढाई से लेकर वहां जॉब करने वालों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है जिसकी वजह से पासपोर्ट धारकों की संख्या में बढोत्तरी हो रही है। कोरोना काल में पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या में जरूर कमी आई थी लेकिन वह भी दो साल तक रही। वर्ष 2019 में कोरोना काल की शुरुआत रही लेकिन उस दौरान भी दो लाख 88 हजार 39 लोगों ने पासपोर्ट बनवाए थे। लेकिन कोविड काल का पीक होने के कारण विदेश यात्राओं पर रोक लग गई थी, उस दौरान यानि वर्ष 2020 में एक लाख 90 हजार नौ लोगों के पासपोर्ट बने थे तो अगले साल वर्ष 2021 में एक लाख 46 हजार 570 लोगों के पासपोर्ट बन सके थे।

विदेश यात्रा पर रोक हटने और कोरोना कम होने पर एक बार फिर पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या बढी और 2022 में दो लाख 41 हजर 168 लोगों ने पासपोर्ट बनवाएं। लेकिन वर्ष 2023 में इस संख्या में इजाफा हुआ है 3 लाख 19 हजार 676 लोगों ने पासपोर्ट बनवाएं।

हरिद्वार में व्यापारी से रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

नोएडा। हरिद्वार में व्यापारी से रंगदारी मांगने के आरोप में वांछित चल रहे शातिर बदमाश को एसटीएफ और थाना सेक्टर.39 पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश पर 50 हजार रूपये का इनाम घोषित था। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एसटीएफ और थाना पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अजय उर्फविजय पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम देदपुरा कोतवाली नकुड़, जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया। इसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है।

छात्रा को टक्कर मारने वाली फॉर्च्यूनर बरामद

- महर्षि विश्वविद्यालय में हिट एंड रन के मामले में पुलिस को मिली सफलता, ड्राइवर अभी भी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर.110 में स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में हिट एंड रन के मामले में पुलिस ने फॉर्च्यूनर कार को बरामद कर लिया है। हालांकि पुलिस अभी फॉर्च्यूनर कार चलाने वाले ड्राईवर को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। कार बरामदगी के बाद पुलिस आरोपी ड्राईवर की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। इस हादसे में बीकॉम की तीन छात्राओं का टक्कर मारी गई थी। कार की टक्कर से दो छात्राएं गिर गई थी और उन्हें चोटे आई और इलाज के लिए निजी अस्पताल भर्ती भी कराया गया।

नोएडा के थाना सेक्टर.39 क्षेत्र के महर्षि विश्वविद्यालय में एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने बी कॉम की तीन छात्राओं को टक्कर मार दी थी। यह घटना 5 दिन पुरानी है। सोशल मीडिया पर उसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार के नंबर के आधार पर कार को ढूंढा। पुलिस ने फॉर्च्यूनर कार को बिसरख में लावारिश हालत में खड़ी हुई पाई। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि अभी चालक की पहचान नहीं हो पाई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा 45 सेकंड का यह वीडियो 30 दिसंबर का है। जब श्रुति त्रिपाठी नाम की बीकॉम की छात्रा अपनी दो सहेलियों के साथ खड़ी थी, इसी दौरान सफेद रंग की फॉर्च्यूनर आती है और उन्हे टक्कर मारकर फरार हो जाती हैं। अन्य छात्राएं भी झटके से दूसरी तरफगिर जाती हैं। श्रुति को चोट आती है जबकि अन्य छात्राओं को चोट नहीं लगती है।

यूनिवर्सिटी के छात्रों के दो गुटों में मारपीट का वीडियो वायरल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में स्थित एक यूनिवर्सिटी में दो छात्रों के गुटों में मारपीट हो गई। इस मारपीट में एक छात्रा और दो छात्र घायल हो गए। वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रेटर नोएडा की कोतवाली दनकौर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में यूनिवर्सिटी से जानकारी मांगी है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा और नोएडा में छात्रों के दो गुटों में मारपीट का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो ग्रेटर नोएडा की एक यूनिवर्सिटी कैंपस का बताया जा रहा है। वीडियों में छात्रों के दो गुटों में मारपीट होती दिख रही है। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर यूनिवर्सिटी कैंपस में दो छात्र में गाली.गलौज हो गई थी, जिसके बाद दोनों गुट आमने सामने आ गए और हाथापाई करने लगे। यूनिवर्सिटी की सुरक्षाकर्मियों ने बीच बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन उसके बावजूद मारपीट जारी रही। एक छात्रा बीच बचाव करती भी नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद दनकौर थाना पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लिया और यूनिवर्सिटी प्रशासन से मामले की जानकारी मांगी।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

- ससुराल वालों ने आत्महत्या बताया, मायके वालों का दहेज के लिए हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि गैस एजेंसी के एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक महिला के ससुराल वालों का कहना है कि महिला ने आत्महत्या की है, जबकि मायके वाले दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। मामला ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के चिटहेड़ा गांव का है।

दादरी थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बुधवार को सूचना मिली कि एक महिला नवीन अस्पताल में मृत अवस्था में लाई गई है। चिटहेड़ा गांव निवासी मोनू ने पुलिस को बताया कि बुधवार की सुबह पत्नी नीलम घर में फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। उसने उसे नवीन अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिल्ली के घड़ौली निवासी नीलम की शादी करीब 8 वर्ष पूर्व मोनू से हुई थी। नीलम के परिजनों ने आरोप लगाया कि दहेज के लिए उनकी बेटी की हत्या की गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि संबंध में परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है।

गैस एजेंसी के कर्मी ने की आत्महत्या

नोएडा के थाना सेक्टर.113 क्षेत्र के पर्थला गांव में किराये पर रहने वाले एक युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में युवक के मानसिक रूप से परेशान होने के बाद सामने आ रही है। मूल रूप से नरसेना बुलंदशहर निवासी नरेंद्र पुत्र सुखबीर सिंह अपने परिजनों के साथ पृथला गांव में किराये पर रह रहा था। वह भारत गैस एजेंसी में काम करता था। बुधवार की शाम उसकी पत्नी और बच्चे किसी काम से बाहर गए हुए थे जब वापस लौटे तो उन्हें नरेंद्र कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला।

नोएडा के 10 लाख घरों को श्रीराम का बुलावा, संगठनों ने झोंकी ताकत

- राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े तमाम संगठनों ने लगाई ताकत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

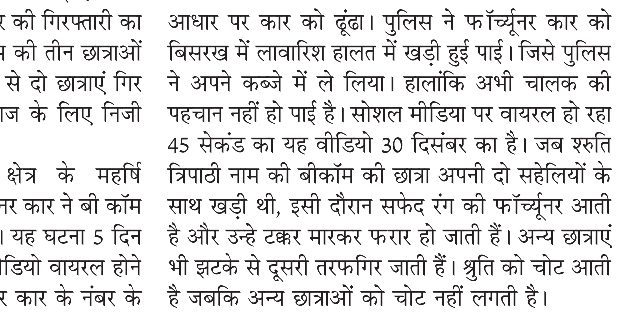
अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर। (फाइल फोटो)

अयोध्या के श्रीराम मंदिर की चर्चा के बीच नोएडा में 22 जनवरी को लेकर तैयारी जोरों पर है। ज्ञात रहे कि 22 तारीख को भगवान श्रीराम के भव्य प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर घर–घर होने वाले उत्सव में शामिल होने के लिए अयोध्या से भेजे गए अक्षत घर–घर बांटने का काम चल रहा है। बताया गया है कि नोएडा के 10 लाख घरों में अक्षत के रूप में उत्सव का निमंत्रण पहुंचाया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े तमाम संगठनों ने इस काम में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। आपको बता दें कि विश्व हिन्दु परिषद ने 22 जनवरी को पूरे देश में आन्दोत्सव मनाने की घोषणा की है। इस घोषणा का पूरा असर नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में भी नजर आ रहा है। कार्यकर्ताओं का दावा है कि नोएडा के 10 लाख घरों में अयोध्या से आए पीले चावल वाले निमंत्रण अक्षत को पहुंचाया जाएगा। इस काम को पूरा करने के लिए विश्व हिन्दू परिषद के पूरे नोएडा शहर को 10 भागों में बांटकर उन्हें प्रखंडों का नाम दिया गया है। सभी प्रखंडों के लिए नोएडा में सक्रिय विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं की डयूटी लगाई गई है।

विश्व हिन्दू परिषद के नेता राजीव वर्मा ने बताया कि नोएडा के हर घर अयोध्या से आए हुए अक्षत पहुंचाने का काम पूरे उत्साह के साथ चल रहा है। 15 जनवरी तक नोएडा के घर.घर में भगवान श्रीराम के निमंत्रण के तौर पर पीले चावल अक्षत पहुंचा दिए जाएंगे। आपको बता दें कि पूरे देश की तरह ही नोएडा शहर के मंदिरों को भी अयोध्या में होने वाले प्राण.प्रतिष्ठा समारोह के लिए सजाया जा रहा है। साथ ही मंदिरों के आसपास के सेक्टरों में प्रचार करके 22 जनवरी को मंदिर में विशेष पूजा तथा समारोह में शामिल होने के लिए बुलावा भेजा जा रहा है।

नोएडा शहर में 60 से अधिक छोटे.बड़े मंदिर मौजूद हैं। इन मंदिरों को 22 जनवरी के उत्सव के लिए अलग.अलग ढंग से सजाया जा रहा हैं नोएडा के सेक्टर.19 में स्थित सनातन धर्म मंदिर में विशेष समारोह की तैयारी चल रही है। सनातन धर्म मंदिर समिति के ट्रस्टी व नोएडा से भाजपा के सांसद डॉ महेश शर्मा के प्रतिनिधि संजय बाली ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम का भव्य प्राण.प्रतिष्ठा के दिन नोएडा के सनातन धर्म मंदिर में उत्सव मनाया जाएगा।

आन्दोत्सव के नाम से मनाए जाने वाले उत्सव में पूरे नोएडा शहर के नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। मंदिर में बड़ी.बड़ी स्क्रीन लगाकर अयोध्या में होने वाले प्राण.प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव दिखाया जाएगा।

संजय बाली ने बताया कि नोएडा के जो नागरिक मंदिर में नहीं आ पाएंगे वे सब अपने .अपने घरों में त्यौहार की तरह आनंदपूर्वक भगवान श्रीराम की आराधना करने का काम करेंगे। आपको बता दें कि सनातन धर्म में लम्बे अर्से से पीले चावल तथा पीली चिट्ठी के द्वारा निमंत्रण देने की परम्परा रही है।

सूचना

एतद्द्वारा सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 29 के साथ पठित विनियम 47 के अनुसरण में सूचना दी जाती है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक शुक्रवार, 12 जनवरी, 2024 को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य के साथ, 31 दिसम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही हेतु कम्पनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम विचारित और अनुमोदित किए जाएंगे।

इस सूचना में दी गई जानकारी कम्पनी की वेबसाइट www.cubical90.com पर तथा स्टॉक एक्सचेंज नामतः बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध है।

वास्ते क्यूबिकल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
हस्ता./–
स्थान : नई दिल्ली — अश्वनी कुमार गुप्ता
तिथि : 04–01–2024 — प्रबंध निदेशक

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that I Anindya Roy S/o late Mrs Bithi Roy am filing application in L&DO for substitution of the property no. C-545, Chittaranjan Park, New Delhi-110019 in the name of Anindya Roy, on the grounds of Death Certificate/ only Legal Heir. If there are any objections / claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO with supporting documents through registered post or by visiting L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at ldo@nic.in, within 30 days of publication of this notice.

Name : Anindya Roy
Address : C-545, Chittaranjan Park, New Delhi-110019
Phone : 9354789447

Public Notice

This is to inform the general public that **Mrs. Rekha as GPA Holder of Mr. Om Prakash** the unequivocal owner of House No. 2313-AC/LIG/FF, area measuring 14.68 sq. meters, Situated at Sector-55, Housing Board Colony, Faridabad, Haryana. This legal ownership was established through Conveyance Deed dated 12.06.2012 vide doc. No.3493 executed by Housing Board Haryana. **Mrs. Rekha as GPA Holder of Mr. Om Prakash** intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of the aforementioned property to. Subsequently, **Mr. Rahul Kumar Jha** is in the process of mortgaging the said property with **PNB Housing Finance**. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline (s):+910120-3101683 /4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Umesh Kumar is in process to purchase the Plot of land Area Measuring 150 sq. Yards, Out of Khasra No. 349/9, Situated at Baba Bhim Nagar, Distt. Ghaziabad U.P (availing loan from Piramal Capital & Housing Finance Limited) from Om Pal Singh & Mr. Fateh Singh ss/o Late Mr. Khajan Singh, they inherited the same vide Reg. Will dated 03.04.2008 executed by Khajan Singh, whereas khajan singh acquired the same vide Sale Deed dated 24.10.1991 (Doc. No. 5238) executed by Mr. Devender Nath Bhardwaj S/o Mr. Karan Singh as attorney Mr. Mangal S/o Mr. Teza, they confirmed that they are not having the below documents pertaining to the property in question :

- Original and Copy of Agreement to Sell dated 03.04.2008 executed by **Mr. Khajan Singh S/o Mr. Kaley Singh in favour of Mr. Om Pal Singh & Mr. Fateh Singh S/o Mr. Khajan Singh**
- Original Sale Deed dated 24.10.1991 executed by Mr. Devender Nath Bhardwaj as attonry Mr. Mangal S/o Mr. Teza in favour of **Mr. Khajan Singh**

All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

MODI RUBBER LIMITED
CIN: L25199UP1971PLC003392
Registered Office: Modinagar - 201204; Dist. Ghaziabad, (U.P.)
Corporate Office: 4-7C, DDA Shopping Centre, New Friends Colony, New Delhi-110025; Website: www.modirubberlimited.com
Email: investors@modigroup.net; Phone: +91-11-47107398

NOTICE

Pursuant to regulation 29 of SEBI (LODR) 2015, Notice is hereby given that 304th Meeting of the Board of Directors of the Company is scheduled to be held on Monday, 15th January, 2024 at 11.30 AM at Corporate Office: 4-7/C, DDA Shopping Centre, 4th Floor, New Friends Colony, New Delhi-110 025 to inter-alia approve the following:

(1) To consider and approve of notice through postal ballot for appointment of Ms. Nadira Hamid (DIN: 00252987) as Independent Director for a period of 5 (five) years.

For Modi Rubber Limited
Sd/-
(S K Bajpai)
Head - Legal & Co. Secretary

Place : New Delhi
Date : 04.01.2024

CORRIGENDUM

ICICI Bank — **Branch Office:** ICICI Bank Ltd, 3rd Floor, Plot No- 23, New Rohtak Road, Karol Bagh, Delhi- 110005

Demand notice publication under SARFAESI Act for Loan Account No. 159005002868 Name of the Borrower M/s SHRI TRADING COMPANY, BABITA, NEERAJ YADAV, JITENDER YADAV, & were the Demand notice dated December 06, 2022, it's publication dated March 28, 2023 at Dainik Uttam Hindu (Hindi) & Pioneer (English) & Symbolic possession notice dated **June 20, 2023** & it's publication dated **June 24, 2023, Dainik Uttam Hindu (Hindi) & Pioneer (English) & Pioneer (Hindi) & Physical possession notice dated December 13, 2023 & It's publication dated December 16, 2023 Dainik Uttam Hindu (Hindi) & Pioneer (English) & Pioneer (Hindi)** under the securitization, reconstruction of financial asset and enforcement of Security interest Act 2002 and in exercise of the power conferred under section 13(2) the property address mention in the entire sarfaesi proceedings is **Commercial Property located at KHEWAT NO.91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99 KITA 15 TOTAL MEASURING AREA 45 KANALS 7 MARLAS HAVING ITS 104/863 SHARE I.E 11 MARLA 5 SARSAI SITUATED AT NOONI KALAN, TEHSIL NARNAUL DISTT MAHENDRAGARH VIDE REGISTERED TRANSFER OF IMMOVABLE PROPERTY WITHIN BLOOD RELATION DEED NO 2163 DATED 30-10-2020 IMMOVABLE PROPERTY ISSUED BY SUB REGISTRAR OFFICE NARNAUL MUTATION NUMBER 1544 DATED 9-11-2020 ISSUED BY REVENUE ATHORITY NOONI KALAN** respectively. We wish to mention that inadvertently and unintentionally a typographical error has occurred in the said the Property address mention in above mention notice and it's publication is **COMMERCIAL PROPERTY LOCATED AT KHEWAT NO. 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99 KITA 15 TOTAL MEASURING AREA 45 KANALS 7 MARLAS HAVING ITS 104/863 SHARE I.E 11 MARLA 5 SARSAI SITUATED AT NOONI KALAN, TEHSIL NARNAUL DISTT MAHENDRAGARH VIDE REGISTERED TRANSFER OF IMMOVABLE PROPERTY WITHIN BLOOD RELATION DEED NO 2163 DATED 30-10-2020 IMMOVABLE PROPERTY ISSUED BY SUB REGISTRAR OFFICE NARNAUL MUTATION NUMBER 1544 DATED 9-11-2020 ISSUED BY REVENUE ATHORITY NOONI KALAN** instead of **COMMERCIAL PROPERTY LOCATED AT KHEWAT NO-70, NEW KHEWAT NO-100 & LATEST KHEWAT NO-113//100, KHATONI NO-91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99 & NEW KHATONI NO-117 TO 125 & LATEST KHATONI NO-128, KITA 15 TOTAL MEASURING AREA 45 KANALS 7 MARLAS HAVING ITS 104/863 SHARE I.E 11 MARLA 5 SARSAI SITUATED AT NOONI KALAN, TEHSIL NARNAUL DISTT MAHENDRAGARH VIDE REGISTERED TRANSFER OF IMMOVABLE PROPERTY WITHIN BLOOD RELATION DEED NO 2163 DATED 30-10-2020 IMMOVABLE PROPERTY ISSUED BY SUB REGISTRAR OFFICE NARNAUL MUTATION NUMBER 1544 DATED 9-11-2020 ISSUED BY REVENUE AUTHORITY NOONI KALAN.** We therefore, request you to please read the same as **COMMERCIAL PROPERTY LOCATED AT KHEWAT NO-70, NEW KHEWAT NO-100 & LATEST KHEWAT NO-113//100, KHATONI NO-91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99 & NEW KHATONI NO-117 TO 125 & LATEST KHATONI NO-128, KITA 15 TOTAL MEASURING AREA 45 KANALS 7 MARLAS HAVING ITS 104/863 SHARE I.E 11 MARLA 5 SARSAI SITUATED AT NOONI KALAN, TEHSIL NARNAUL DISTT MAHENDRAGARH VIDE REGISTERED TRANSFER OF IMMOVABLE PROPERTY WITHIN BLOOD RELATION DEED NO 2163 DATED 30-10-2020 IMMOVABLE PROPERTY ISSUED BY SUB REGISTRAR OFFICE NARNAUL MUTATION NUMBER 1544 DATED 9-11-2020 ISSUED BY REVENUE AUTHORITY NOONI KALAN**

Date : January 05, 2024 — Authorized Officer
Place : Delhi/ NCR — ICICI Bank Limited

आप सरकार ने घोटाले का ठीकरा अफसरों पर फोड़ा

स्वास्थ्य सचिव एसबी दीपक कुमार, डीजीएचएस की जवाबदेही सीधे उपराज्यपाल के प्रति है : सौरभ भारद्वाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संवददाता सम्मेलन को संबोधित करते स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज।

- एलजी के मोहल्ला क्लीनिक की सीबीआई जांच की सिफारिश और भाजपा के भ्रष्टाचार के आरोप पर स्वास्थ्य मंत्री ने दी सफाई

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के मोहल्ला क्लीनिक की सीबीआई जांच की सिफारिश करने और भाजपा द्वारा करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाने पर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इसका ठीकरा अफसरों पर फोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा नियुक्त इन अफसरों को लगाए हैं, तो इस गड़बड़ के लिए भी तो सीधे तौर पर केंद्र में बैठी भाजपा सरकार जिम्मेदार होगी। अब वही अधिकारी गड़बड़ी कर रहे हैं।

भाजपा द्वारा मोहल्ला क्लिनिकों में भ्रष्टाचार के आरोप का जवाब देते हुए सौरव भारद्वाज ने कहा कि उपराज्यपाल कार्यालय से यह खबर जारी कराई गई है। उनके द्वारा मोहल्ला क्लिनिकों की सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश की गई है। यह बहुत ही हास्यास्पद है। भारद्वाज ने कहा कि यह गौर करने वाल बात है कि दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य सचिव और डीजीएचएस की नियुक्ति आप सरकार ने नहीं की है। ये सभी अधिकारी उपराज्यपाल या केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए हैं। ये बहुत ही अजीब जाँच है , जिसमें खुद के द्वारा लगाए गए अफसरों को भ्रष्ट बताया जा रहा है और सीबीआई को जाँच भेजी जा रही है। मगर दिलचस्प बात ये है कि इन अफसरों के ऊपर उपराज्यपाल द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है । अगर ये अफसर भ्रष्ट हैं और करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हो रहा है, तो अधिकारियों के ऊपर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। अफसरों को उनके पद से क्यों नहीं हटाया जा रहा है। सौरभ भारद्वाज ने सिलसिले वार तरीके से पूर्व में, उनके द्वारा इस पूरे प्रकरण के संबंध में दिए गए आदेशों की जानकारी देते हुए बताया, कि 20 सितंबर 2023 को उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि एक जाँच में पता चला था कि करीब सात मोहल्ली क्लिनिकों में काम कर रहे डॉक्टर और उनके सहयोगी स्टाफ गलत तरीके से हाजिरी लगा रहे थे। वीडियो द्वारा ऐप में डाक्टरों की अटेंडेंस लगाई जा रही थी । इस गड़बड़ी करने के लिए उन सभी 26 कर्मचारियों को तुरंत नौकरी से निकालने के आदेश दिए गए थे । इन 26 लोगों में सात डॉक्टर व अन्य कर्मचारियों को मोहल्ला क्लिनिक से तुरंत निकाला गया था । इसके साथ इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश भी दिए गए थे । आज एलजी इस मामले को इस तरह उठा रहे हैं जैसे कि उन्होंने कोई नया मामला उठाया है।

भाजपा के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी द्वारा लगाए गए आरोपी पर पलटवार करते हुए भारद्वाज ने कहा, कि सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कांफ्रेंस करके सरासर झूठ कहा है कि मोहल्ली क्लिनिक में रोज 500-550 मरीज देखे जाते हैं। यह बात पूरी तरह से झूठ है और सरकार को बदनाम करने की साजिश है। भारद्वाज ने मोहल्ला क्लिनिकों में देखे जा रहे हैं मरीजों के संबंध में कुछ आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि दिसंबर 2023 के अकड़ों के अनुसार, पूरी दिल्ली में मात्र दो मोहल्ला क्लिनिक ऐसे थे जिनमें 250-301 मरीज आए और बाकी सभी मोहल्ला क्लिनिक में औसतन 76-180 मरीज प्रतिदिन देखे जाते हैं।

फर्जी मरीजों के नाम पर जांच चिंताजनक : एलजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एलजी वीके सक्सेना।

- उपराज्यपाल ने कहा इस तरह की धोखाधड़ी की अनुमति नहीं दी जा सकती है

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नकली दवाओं का मामला उजागर होने के कुछ ही दिन बाद, फर्जी मरीजों के फर्जी लैब टेस्ट के मामले सामने आने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बहुत परेशान करने वाली बात है कि इस तरह की धोखाधड़ी की अनुमति दी गई है।

एलजी ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा विभिन्न मंचों पर राजधानी में विश्व स्तरीय बुनियादी स्वास्थ्य ढांचा उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। पहले नकली दवाओं और अब फर्जी लैब टेस्ट के संबंध में हालिया निष्कर्ष, उस वास्तविकता को सामने लाते हैं, जो सरकार द्वारा किए गए दावों को झुठलाते हैं।

यह बताने को विवश है कि निजी कंपनियों को डायग्नोस्टिक सेवाओं की आउटसोर्सिंग में तथ्यात्मक डेटा के हेरफेर के माध्यम से वित्तीय अनियमितता, फिजूलखर्ची और सबसे गरीब लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े कदाचार की संभावना के बारे में मेरी जो आशंकाएं थीं, वह सच निकली हैं। कुछ ही दिने पहले उनके समक्ष, सरकारी अस्पतालों और मोहल्ली क्लीनिकों में आपर्ति की जाने वाली निम्न मानक गुणवत्ता दवाओं से संबंधित फाइल प्रस्तुत की गई थी और अब एक और फाइल प्रस्तुत की गई है, जिसमें मोहल्ला क्लीनिक में निजी एजेंसियों द्वारा किए जा रहे लैब टेस्ट में भारी गड़बड़ियों का मामला सामने आया है।

पैथालॉजी टेस्ट घोटाला सामने आने से जनता शर्मसार : वीरेंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- बोले, केजरीवाल सरकार टेस्ट एवं एक्स रे निजी कम्पनियों को देकर करोड़ों रुपये अपने खजाने में किक बैक ले रही

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि कुछ दिन पहले केजरीवाल सरकार के अस्पतालों में नकली एवं घटिया दवाई वितरण का स्कैम सामने आने से दिल्ली वाले स्तब्ध हुए थे। आज फिर स्वास्थ्य विभाग एक और सैंकड़ों करोड़ रूपए का पैथोलॉजी टेस्ट घोटाला सामने आने से जनता शर्मसार है।

सचदेवा ने दावा किया कि इस पैथोलॉजी घोटाले में केजरीवाल सरकार की भूमिका और अधिक स्पष्ट करने वाली बात यह है की खुद सीएम केजरीवाल, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री मनीष सिसोदिया एवं वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज की जानकारी में अगस्त 2022 से है पर इस पर चुप्पी साधे बैठे रहे। केजरीवाल सरकार की पैथोलॉजी टेस्ट घोटाले की जानकारी होने पर भी चुप रहना साफ दर्शाता है की यह पूरा घोटाला खुद मुख्य मंत्री केजरीवाल के इशारे पर हुआ और इसलिए केजरीवाल ने मोहल्ला क्लीनिक ही नहीं सरकारी अस्पतालों की भी अधिकांश टेस्ट एवं एक्स रे आदि सेवाएं निजी कम्पनियों को सौंप दी हैं। इससे साफ है केजरीवाल सरकार टेस्ट एवं एक्स रे आदि का काम निजी कम्पनियों को देकर करोड़ रुपए आम आदमी पार्टी के खजाने में जमा करवाकर क बैक ले रही है जिसकी सीबीआई जांच आवश्यक है।

सीएम आवास जाने वाले मार्ग पर नहीं लगाए बैरिकेड : पुलिस

मुख्यमंत्री आवास के बाहर तैनात पुलिस बल।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मीडियाकर्मियों को रोकने के लिए बढ़ाई गई थी सुरक्षा

प्रवर्तन निदेशालय के समन पर दिल्ली आबकारी घोटाले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के तीसरी बार भी कल बुधवार को पेश नहीं हुए। इसके बाद आधी रात को बड़ा घटनाक्रम तब सामने आया, जब आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने अचानक दावा किया कि केजरीवाल को ईडी गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर सकती है इसलिए उनके आवास की ओर जाने वाली सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया है और सभी द्वारों पर पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। हालांकि दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाले मार्गों को अवरुद्ध करने के दावे को खारिज कर दिया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर संभावित छापे को लेकर आप के दावे के बाद मीडियाकर्मियों को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ाई दी गई है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने पुलिसकर्मियों की संख्या में वृद्धि को सामान्य तैनाती बताते हुए कहा मुख्यमंत्री आवास में तैनात किसी भी कर्मचारी को रोका नहीं गया है।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने कहा कि आप पार्टी के नेताओं के केजरीवाल के आवास पर छापा मारे जाने और गिरफ्तार किए जाने के दावे के बाद बुधवार से ही मीडियाकर्मी मुख्यमंत्री आवास पर पहुंच गए हैं, ऐसे में उन्हें संभालने के लिए मुख्यमंत्री आवास के आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आप के एक सूत्र ने कहा, मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाली सड़कें अवरुद्ध कर दी गई हैं और सभी प्रवेश निकास द्वारों पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री आवास में तैनात कर्मचारियों को भी अंदर जाने से रोक दिया गया है। पार्टी के एक अन्य सूत्र ने कहा, ईडी केजरीवाल पर छापा मारने और उन्हें गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है। कैबिनेट मंत्री और आप नेता आतिशी ने बुधवार रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, खबर आ रही है कि ईडी कल सुबह अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापा मारने जा रही है। गिरफ्तारी की संभावना है।

एम्स डायरेक्टर बिल्डिंग में आग, कोई हताहत नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- रेफ्रिजरेटर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी, फर्नीचर और रिकार्ड हए क्षतिग्रस्त

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की बिल्डिंग में आग की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। आसपास के फायर स्टेशनों से सात दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

यह आग एम्स डायरेक्टर बिल्डिंग में टीचिंग ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर लगी थी, जिस पर समय रहते दमकल कर्मियों ने काबू कर लिया। आग की चपेट में आने से फ्रिज फर्नीचर के साथ वहां रखे कुछ ऑफिस रिकॉर्ड्स भी क्षतिग्रस्त हो गए। शुरूआती जांच में पता चला कि आग कॉरिडोर में रखे हुए फ्रिज से लगी, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर दवाइयांके सैंपल और ब्लड लेने में इस्तेमाल किए जाने वाले ट्यूब को स्टोर करने के लिए किया जाता है।

दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी बृहस्पतिवार सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर मिली, जिसके बाद दमकल की सात गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे में आग को काबू किया। आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अस्पताल ने बताया कि सुबह करीब पांच बजकर 25 मिनट पर दूसरी मंजिल के रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी डिपार्टमेंट के कमरा नंबर 2090 में आग लगने की सूचना मिली।

सुरक्षा और अग्निशमन नियंत्रण कक्ष को सूचित किया गया और फ्रिज में शॉर्ट सर्किट की पुष्टि के बाद दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी गई। अस्पताल ने बताया, एम्स दमकल सेवा द्वारा आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। तब तक दिल्ली दमकल सेवा के कर्मचारी भी पहुंच चुके थे।

सीएम केजरीवाल बचने के लिए गढ़ रहे मनगढ़त कहानियां : सचदेवा

- कहा- शराब घोटाले के बाद प्रदेश सरकार का स्वास्थ्य घोटाला सामने आ चुका है जिसका जवाब उनके पास नहीं है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के डिजिटल संवाददाता सम्मेलन को लेकर प्रदेश भाजपा आम आदमी पार्टी के संयोजक पर हमला बोला है। पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जिस तरह के घोटाले अरविंद केजरीवाल के सामने आ रहे हैं वह अब मीडिया के सामने आने से भी बच रहे हैं। नवम्बर 2023 से अब तक केजरीवाल को ईडी 3 बार समन भेजा जा चुका है लेकिन तीनों बार केजरीवाल नए बहाने बनानकर बचते रहे हैं और मीडिया उनसे सवाल ना करें इसलिए वह डिजिटल कांफ्रेंस का सहारा लेकर मनगढ़त कहानियां गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि शराब घोटाले के मुख्य आरोपी अरविंद केजरीवाल की सरकार का एक और स्वास्थ्य घोटाला सामने आ चुका है जिसका जवाब उनके पास नहीं है। इसलिए वह बचने का प्रयास कर रहे हैं। यूपीए 2 के समय कांग्रेस सरकार के लगातार उजागर हुए घोटालों का जवाब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पास नहीं था और वह मीडिया से बचते थे, आज ठीक वही स्थिति केजरीवाल की हो चुकी है। सचदेवा ने कहा कि आप नेता इस जांच से कब तक बचेंगे। उन्हें इस जांच के लिए ईडी के सामने आना ही पड़ेगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि क्या अब केजरीवाल तय करेंगे कि जांच की क्या प्रक्रिया होनी चाहिए क्या वह तय करेंगे कि समन कैसा होना चाहिए। यह समन भाजपा से नहीं आया बल्कि केजरीवाल के कर्मों का नतीजा है जो उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजकर ही काम पूरा करेगा।

ईडी वैध समन भेजेगा तो केजरीवाल करेंगे सहयोग : जैस्मिन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा कि शराब घोटाला फर्जी है। अगर प्रवर्तन निदेशालय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को वैध समन भेजेगा तो वह उसके साथ सहयोग करेंगे। आप नेता जैस्मिन शाह ने कहा कि कथित शराब घोटाले की जांच पिछले दो साल से जारी है लेकिन अब तक ईडी ने सबूत के तौर पर कुछ बरामद नहीं किया है।

जैस्मिन शाह ने कहा इस मामले में जांच पिछले दो वर्षों से जारी है और ईडी ने 500 से अधिक गवाहों से पूछताछ की है और 1000 से अधिक छापे मारे हैं लेकिन अब तक सबूत के तौर पर एक रुपया भी बरामद नहीं हुआ है। यह विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाने और चुनाव प्रचार करने से रोकने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश है। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल समन वैध होने की शर्त पर किसी भी जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अदालत में नए सिरे से बहस शुरू

पयनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- पुलिस ने कहा, केस चलाने के लिए पर्याप्त हैं प्रथम दृष्टया सबूत

दिल्ली पुलिस ने कथित यौन उत्पीड़न मामले में एक स्थानीय अदालत में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर बृहस्पतिवार को नए सिरे से बहस शुरू की। सिंह के खिलाफ यह मामला महिला पहलवानों ने दर्ज कराया है।

दिल्ली पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत के समक्ष दलीलें दीं। उन्होंने हाल में मामले की सुनवाई शुरू की थी क्योंकि जो न्यायाधीश पहले सुनवाई कर रह थे उनका तबादला हो गया था। बहस के दौरान, पुलिस ने अदालत को बताया कि सिंह और सह-आरोपी डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त प्रथम दृष्टया सबूत हैं।

न्यायाधीश ने भाजपा सांसद के वकील द्वारा दायर आवेदन पर उन्हें आज के लिए व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट भी दे दी।

पेंशन योजनाओं को सुव्यवस्थित करने के निर्देश

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने दिल्ली सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी पेंशन योजनाओं के कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने संबंधित बैंकों को पेंशन के बेहतर वितरण और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एनपीसीआई और केवाईसी प्रक्रियाओं के एकीकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को सर्कुलर जारी करने को कहा है। साथ ही लाभार्थियों का घर-घर जाकर सत्यापन करने का भी आदेश दिया है। समाज कल्याण विभाग ने गुरुवार को दो दिवसीय मेगा शिविर का उद्घाटन किया गया।

जामिया से इजराइल दूतावास विस्फोट की मांगी फुटेज

नई दिल्ली। इजराइली दूतावास के पास विस्फोट के कुछ दिन बाद दिल्ली पुलिस ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय की दीवारों पर लगे कैमरों की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने को कहा है। पुलिस को संदेह है कि घटना से दो घंटे पहले पृथ्वीराज रोड पर विस्फोट स्थल जाने वाले लोगों में से एक व्यक्ति दक्षिण-पूर्व दिल्ली के जामिया नगर से आया था और वह जामिया मिल्लिया इस्लामिया मेट्रो स्टेशन के पास ऑटो-रिक्शा में सवार हुआ था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, विश्वविद्यालय की दीवारों पर कई सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। इन कैमरों का मुख ओखला रोड की ओर है, जहां से विस्फोट का एक संदिग्ध ऑटो-रिक्शा में सवार हुआ था।

सर्दी का सितम : बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

राजधानी में बर्फीली हवाओं के चलते ठिठुरन और गलन बढ़ गई। तापमान में गिरावट और गलन के कारण दिन में भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली। राजधानी में बृहस्पतिवार को सुबह के समय कोहरे व धुंध का अधिक प्रभाव रहा, जबकि धूप नहीं निकलने से हालात और भी विकट हो गए। वहीं सर्दी से बचने के लिए लोग जगह जगह अलाव जलाकर आग तापते नजर आए। वहीं मौसम के चलते ट्रेनों के देरी से चलने के कारण यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर अधिक देर तक इंतजार करना पड़ा। सभी फोटो: रंजन डिमरी

हिज्बुल का आतंकवादी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को गणतंत्र दिवस से पहले मिली बड़ी सफलता, कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े कई मामलों में वांछित था जावेद मट्टू

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हिज्बुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गणतंत्र दिवस से पहले गिरफ्तार किया है। जावेद अहमद मट्टू हिज्बुल मुजाहिदीन का मोस्ट वांटेड आतंकवादी है। इसके ऊपर 10 लाख रुपए का इनाम भी घोषित था। जम्मू कश्मीर में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के बाद छिप गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को भी इसकी तलाश थी।

आतंकी मट्टू की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी। शाह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों को मजबूत करने और आतंकी इको-सिस्टम को खत्म करने के निर्देश दिए थे।

विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि जावेद अहमद मट्टू पर जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है। वह जम्मू कश्मीर के सोपोर का रहने वाला है। जावेद मट्टू वर्ष 2009 में हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़ा हुआ था। वह सुरक्षा एजेंसियों की टॉप 10 लिस्ट में शामिल था। मट्टू काफी समय से फरार था और लंबे समय तक पाकिस्तान में रहा था। वह जम्मू-कश्मीर में 5 ग्रेनेड हमलों में भी शामिल था। इसके अलावा वह अलग-अलग घटनाओं में 5 पुलिसकर्मियों की हत्या में भी शामिल था। वह जम्मू कश्मीर ए श्रेणी का आतंकवादी है।

पिछले साल स्वतंत्रता दिवस से पहले उसके भाई रईस मट्टू का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उसके भाई को अपने घर पर तिरंगा फहराते हुए देखा गया था। इस दौरान रईस मट्टू अपने भाई से अपील की थी कि अगर वह जिंदा है तो वह सुरक्षा एजेंसियों के समक्ष आत्मसमर्पण करे। उसकी गिरफ्तारी के धालीवाल ने कहा कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से जावेद मट्टू को गिरफ्तार कर लिया गया।

येलो लाइन पर मेट्रो सेवा प्रभावित, यात्री परेशान

नई दिल्ली। मेट्रो की येलो लाइन पर तकनीकी खराबी के चलते गुरुवार को कुछ समय के लिए ट्रेन सेवाएं बाधित रही। इस दौरान यात्रियों को खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यलो लाइन समयपुर बादली से मिलेनियम सिटी सेंटर को जोड़ती है और दिल्ली मेट्रो की सबसे व्यस्त लाइन हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने कहा कि लोक कल्याण मार्ग से उद्योग भवन के बीच हुई थी।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एक्स पर यह जानकारी देते हुए कहा कि अन्य लाइन पर सेवाएं सामान्य हैं। डीएमआरसी ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, एलो लाइन अपडेट। लोक कल्याण मार्ग से उद्योग भवन तक तकनीकी खामी के कारण परिचालन सेवाओं में विलंब हो रहा है। अन्य सभी लाइन पर सेवाएं सामान्य हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024

गुरुग्राम नगर निगम में एक तिहाई वार्डो पर महिलाओं का होगा पार्षद पद पर चयन

कुल 36 में से 12 वार्डों को महिलाओं के लिए किया गया है आरक्षित

10 वार्ड सामान्य महिला, तीन वार्ड अनुसूचित जाति व एक वार्ड पिछड़ा वर्ग-ए महिला के लिए आरक्षित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम नगर निगम के वार्डों का ड्रा निकलवाते उपायुक्त निशांत कुमार यादव।

गुरुवार को शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से गठित की गई कमेटी की बैठक में नगर निगम गुरुग्राम चुनाव के लिए विभिन्न वार्डों के लिए महिलाओं व आरक्षित वर्ग का ड्रा निकाला गया। लघु सचिवालय स्थित डीसी कार्यालय में डीसी निशांत कुमार यादव की मौजूदगी में हुई ड्रा प्रक्रिया एडीसी हितेश कुमार मीणा व नगर निगम गुरुग्राम से संयुक्त आयुक्त विजय यादव भी मौजूद रहे।

बैठक में ड्रा प्रक्रिया के तहत नगर निगम गुरुग्राम के कुल 36 वार्डों में वार्ड नंबर-34, 16 व 28 को अनुसूचित जाति वर्ग (एससी) के लिए आरक्षित किया गया। इनमें वार्ड नंबर-34 अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित रहेगा। ऐसे ही वार्ड नंबर-26 को पिछड़ा वर्ग (बीसी-ए) महिला के लिए आरक्षित किया गया। वार्ड नंबर-2, 12, 15, 18, 20, 21, 24, 29, 30, व 33 को सामान्य महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया। सामान्य वर्ग के लिए वार्ड नंबर-1, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 13, 14, 17, 19, 22, 23, 25, 27, 31, 32, 35 व 36 को रखा गया है। ड्रा के दौरान सबसे पहले परिवार पहचान पत्र की आबादी के लिहाज से अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग (बीसी-ए) महिला के वार्डो का ड्रा निकाला गया। इसके उपरांत सामान्य महिला का ड्रा निकाला गया।

पारदर्शिता से की गई ड्रा प्रक्रिया : निशांत यादव

डीसी निशांत यादव ने बताया कि जिला प्रशासन का उद्देश्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ नगर निगम चुनाव से संबंधित गतिविधियों को संपन्न करवाना है। बैठक में ड्रा निकालने से पहले बॉक्स को अच्छी तरह से उपस्थित एडहॉक कमेटी के सदस्यों व अधिकारियों को दिखाया गया। खाली बॉक्स में पर्चियां डालकर बैठक में मौजूद एडहॉक कमेटी के सदस्यों से यह ड्रा निकलवाया गया। इस दौरान इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई गई, जिससे कि किसी प्रकार की शंका ना रहे। डीसी ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम के वार्ड आरक्षित कर दिए गए हैं, जिसमें से कुल 36 वार्डों में से एक तिहाई यानी 12 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं।

ठंड में ठिठुरतों को डेरा प्रेमियों ने कंबल भी दिए, चाय भी पिलाई

गुरुग्राम के सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में कम्बल व दूसरी जगह पर चाय वितरित करते डेरा प्रेमी।

गुरुग्राम। हर साल की तरह इस साल की शुरुआत में भी डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों ने ठंड में ठिठुरते लोगों को कंबल वितरित किए। साथ ही उन्हें चाय भी पिलाई। डेरा प्रेमियों की इस सेवा की सभी ने सराहना की और धन्यवाद दिया। नववर्ष 2024 के उपलक्ष्य में डेरा सच्चा सौदा के ग्रीन एस. वेलफेयर फोर्स विंग व अन्य सेवादार रात को अपनी गाड़ियों में कम्बल, चाय आदि लेकर निकले। जहां पर भी कोई ठंठ में बैठा, ठिठुरता व्यक्ति नजर आया, उसे कंबल ओढ़ाया। सोते हुए लोगों को बिना जगाए ही उनको कंबल ओढ़ाते हुए डेरा प्रेमी आगे बढ़ जाते। जो लोग सो नहीं रहे थे उन्हें कम्बल देने के साथ उन्हें चाय भी पिलाई। सेवादार नागरिक अस्पताल सेक्टर-10, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, शहर में फुटपाथ व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर डेरा प्रेमियों ने लोगों की कंबल ओढ़ाकर, चाय पिलाकर सेवा की। ठंड में ठिठुरते लोगों को जब कम्बल व चाय मिली तो वे गदगद हो गए। उन्होंने डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों के इस काम की सराहना की। डेरा प्रेमियों ने कहा कि सेवा के लिए पूज्य गुरूजी संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा ने उन्हें प्रेरणा दी है। उनकी प्रेरणा ही उनमें सेवा का जज्बा पैदा करती है। इंसानियत की ही नहीं, पशु-पक्षियों की सेवा भी वे करते रहते हैं। पूज्य गुरूजी की प्रेरणा ही यही है कि हमें सेवा के किसी भी क्षेत्र में आगे रहना है। चाहे कोई प्राकृतिक आपदा हो या कोई दुर्घटना, हम राहत और बचाव के कार्यों में आगे रहते हैं। आपदा में बचाव कार्यों के लिए तो ग्रीन एस. वेलफेयर फोर्स विंग को ट्रेनिंग भी मिली है। डेरा के सेवादारों ने कहा कि समय-समय अस्पताल में मरीजों को फल भी वितरित करते हैं, ताकि उन्हें पौष्टिकता मिले। डेरा सच्चा सौदा की ओर से शुरू की गई सभी सेवा कार्यों की मुहिम का पूरी निष्ठा के साथ पूरा निर्वहन करते हैं। हाल ही में डेरा सच्चा सौदा की ओर से 161वां सहारा-ए-इंसा सेवा कार्य शुरू किया गया है, जिसमें नशे के चलते अपनों को खोने वालों की आर्थिक मदद संगत करेगी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुवार सर्दी का सबसे ठंडा दिन, नहीं हुए सूरज के दर्शन

सोहना। गुरुवार को कड़ाके की सर्दी के चलते नहीं हुए सूर्य देवता के पूरे दिन में एक बार दर्शन नहीं हुए। मजदूर से लेकर दुकानदार और आम लोग पूरे दिन अलाप का सहारा लेकर बैठें रहे। गुरुवार को हल्के कोहरे के चलते आसमान में पूरे दिन बादल छाएं रहे। जिसके चलते पूरे दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए। धूप न निकलने के कारण सर्दी की ठिठरन हाड़ कंपा देने वाली बनी रही। सरकारी विभागों में कामकाज करने के लिए हाथ चल नहीं पा रहे थे। लेकिन कुछ कार्यालय में हिटर चलाकर गर्माहट बनाकर काम किया। जबकि आम लोगों से लेकर दुकानदार, कारोबारी, मजदूर लोग पूरे दिन अलाप के सहारे बैठकर व्यतीत किया। कड़ाके की सर्दी होने के कारण बाजार में ग्राहक कम आए, जिससे दुकानदारों का कारोबार गुरुवार को मंदा रहा। ग्राहक कम होने के कारण दुकानदार भी अलाप का सहारा लेकर पूरा दिन बिताया। पिछले एक सप्ताह से सर्दी का प्रकोप दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है। वैसे ही गर्म कपड़ों की मांग बढ़ने लगी है। पटरी दुकानदार से लेकर बड़ी और रेडिमेड दुकानों पर ग्राहक खरीददारी कर रहे है। रजाई, कंबल, गद्दा की मांग भी बढ़ गई है।

सावित्री बाई फुले का जन्मदिवस महिला शिक्षिका दिवस घोषित हो

सावित्री बाई फुले की जयंती पर कार्यक्रम में बच्चों को पुरस्कृत करते अतिथि।

गुरुग्राम। समाज उत्थान न्यास गुरुग्राम की ओर से नारी मुक्ति आंदोलन की अगवा और प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती धूमधाम से मनाई। इस दौरान महिलाओं को समाज में अहम स्थान दिलाने के साथ-साथ शिक्षा की अलख जगाने वाली सावित्री बाई फुले के जन्मदिवस को महिला शिक्षिका दिवस घोषित करने की मांग की गई। इसी मांग को लेकर नायब तहसीलदार सुशील कुमार को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। समाज उत्थान न्यास के ओर से दिये गए ज्ञापन में कहा गया। माता सावित्री बाई फुले जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में किलकारी चैरिटेबल सोसाइटी में चेयरमैन अशोक गोरे की अध्यक्षता में सावित्री बाई फुले जयंती, उपस्थित अध्यापिकाओं को सम्मानित करके मनाई गयी। समाज उत्थान न्यास गुरुग्राम संस्था के संरक्षक सूबे सिंह सैनी, बुद्धराम सैनी, चेयरमैन नरेश सैनी, महेंद्र सिंह (लीलू प्रधान), तेजिंदर सैनी प्रधान सैनी सभा जैकमपुरा, संस्था के कानूनी सलाहकार एडवोकेट मुकेश, जगदीश, गौतम भाई, महेंद्र, कुलवंत, हितेश और गगनदीप समेत समाज के अनेक लोगों ने सावित्री बाई फुले को नमन किया। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि 19वीं सदी तक नारी केवल एक भोग की वस्तु थी। नारी महागुलाम बनकर सामाजिक व्यवस्था की चक्की में पिसती रही। अज्ञानता के अंधकार, कर्मकांड, वर्णवाद, जातिवाद, बाल विवाह, विधवा विवाह न होना, मुंडन एवं सती प्रथा आदि कुप्रथाओं में नारी जाति जकड़ी हुई थी। उस समय नारी को विद्या ग्रहण कराने का अधिकार नहीं था। बुधराम सैनी ने कहा कि भारतीय नारी की शिक्षा एवं चेतना को एक दिशा देने एवं जागरुकता पैदा करने में पहला और बुनियादी काम महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले जी का ही था। गगनदीप सैनी ने बताया कि उनका स्त्री हक, नारी शिक्षा एवं मानवतावाद के लिए विषय एवं विपरीत परिस्थितियों में दिया गया योगदान आने वाली पीढ़ियां सदा याद रखेंगी।

दिव्या हत्याकांड में गुरुग्राम से निकली बीएमडब्ल्यूए गाड़ी पटियाला में मिली

गुरुग्राम पुलिस द्वारा दिव्या पाहुजा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए होटल मालिक व होटल कर्मचारी। इनसेट में दिव्या पाहुजा। फाइल फोटो।

अभी तक दिव्या पाहुजा का शव बरामद नहीं हो पाया

गुरुग्राम। गैंगस्टर संदीप गाड़ौली की गर्लफ्रेंड रह चुकी गुरुग्राम की युवती दिव्या पाहुजा का शव पुलिस अभी तक बरामद नहीं कर पाई है, लेकिन पुलिस ने वह बीएमडब्ल्यूए गाड़ी जरूर बरामद कर ली है, जिसमें दिव्या का शव डालकर ले जाया गया था। वह गाड़ी पंजाब के पटियाला से मिली है। गुरुग्राम के बस स्टैंड के निकट होटल सिटी प्वायंट से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर आरोपी अभिजीत ने दिव्या का शव अपने दोस्त बलराज को सौंपा था।

पुलिस इस मामले में गहनता से जांच व पूछताछ कर रही है। बता दें कि दो जनवरी 2024 की रात को अपने नए दोस्त गुरुग्राम में होटल सिटी प्वायंट के मालिक अभिजीत के साथ दिव्या पाहुजा पहुंची थी। इसके बाद तीन जनवरी की आधी रात के करीब उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद उसके शव को ठिकाने लगाने का काम किया गया। इस विषय पर गुरुवार को डीसीपी क्राइम विजय प्रताप सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस करके जानकारी दी कि दिव्या पाहुजा अभिजीत के संपर्क में पिछले काफी समय से थी। दो जनवरी को दिव्या पाहुजा अभिजीत के साथ ही होटल में पहुंची थी। दिव्या पाहुजा ने अभिजीत के कुछ अश्लील वीडियो बनाए हुए थे, जिसके आधार पर लगातार वह उससे पैसे की मांग कर रही थी। अभिजीत और दिव्या के बीच होटल में इसी बात को लेकर बहस हुई थी। इस दौरान अभिजीत ने नशे की हालत में दिव्या पर रिवाल्वर से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। दिव्या को अभिजीत ने उसे एक गोली माथे पर मारी, जिससे मौके पर ही दिव्या की मौत हो गई। उसके बाद अभिजीत ने होटल के दो कर्मचारी ओमप्रकाश और हेमराज की मदद से दिव्या के शव को अपनी गाड़ी में रखवाया और होटल से डेढ़ किलोमीटर आगे जाकर अपने साथी बलराज और उसके एक अन्य साथी को बीएमडब्ल्यू गाड़ी में रखवा दिया। दोनों को शव को ठिकाने लगाने के लिए जिम्मेदारी दी गई।

बलराज और उसका एक अन्य साथी शव को पंजाब के पटियाला में लेकर चले गए। पटियाला बस स्टैंड के पास बीएमडब्ल्यूए गाड़ी बरामद हो गई है। गाड़ी लॉक होने के कारण उसकी तलाशी नहीं हो पाई। पुलिस ने आरोपी अभिजीत और होटल में काम करने वाले हेमराज व ओमप्रकाश को बुधवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। शव लेकर जाने वाले बलराज वह एक अन्य व्यक्ति की पुलिस लगातार तलाश कर रही है।

नप ने अरावली अंसल में 32 अवैध फार्म हाउस मालिकों को जारी किए नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना नगर परिषद के गांव रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी में चलते निर्माण कार्यों की फाइल फोटो।

नगर परिषद प्रशासन ने रायसीना व सोहना से लगती अरावली पहाड़ी में चल रहे अवैध निर्माण कार्यों को चिंहित करने करने की कवायद शुरु कर दी है। गुरुवार को परिषद की तरफ से 32 फार्म हाउस मालिकों को अवैध निर्माण के नोटिस दिए गए है। परिषद का अवैध निर्माणों को चिंहित और नोटिस देने के बाद जल्द ही ध्वस्त करने की कार्यवाही को अंजाम दिया जाएगा।

नगर परिषद प्रशासन ने देर से ही सही, आखिर अरावली पहाड़ी में चल रहे अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की योजना बना उसे अमलीजामा पहनाने की पूरी तैयारी कर दी है। परिषद प्रशासन ने अरावली पहाड़ी में जमीन अधिकारी साजिद खान के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया है। उक्त टीम ने अरावली पहाड़ी में अवैध निर्माणों को चिंहित करने का कार्य शुरु कर दिया है। अभी तक करीब 32 फार्म हाउसों को चिंहित किया है, जिन्हें नोटिस देने के प्रक्रिया शुरु हो गई है। चिंहित किए गए फर्म हाउसों के गेट पर उक्त नोटिस चश्पाएं जा रहे है।

7 दिन में मांग नोटिस का जबाव : नगर परिषद द्वारा जारी किए गए नोटिस में फार्म हाउस मालिक को 7 दिन के अंदर जमीन की रजिस्ट्री से लेकर उसका दर्ज रिकार्ड के कागजात तथा निर्माण कार्य किस की अनुमति से किए जाने का सवाल पूछा गया है। जिसके लिए फार्म हाउस मालिक का परिषद के कार्यालय में आकर लिखित में जबाव देना होगा। तय समय पर में जबाव न देने पर आरोपी के खिलाफ परिषद एक्ट के तहत कानूनी प्रक्रिया अमल लाते हुए अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा।

> **इस** बार की कार्रवाई ठोस तरीके से होगी। एलओ के साथ-साथ जेई को भी अवैध निर्माणों को चिन्हित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। जरुरत पड़ने पर अवैध निर्माणों को ड्रोन के माध्यम से चिन्हित किया जाएगा।
> **(संदीप मलिक-कार्यकारी अधिकारी नप)**

फार्म हाउस मालिकों को में हडकंप : नगर परिषद की टीम के अरावली पहाड़ी में अवैध निर्माण कार्य किए जाने पर नोटिस चश्पाएं जाने से फार्म हाउस मालिकों में हडकंप मच गया है। फार्म हाउसों में रहने वाले मजदूरों को रोजगार छिछने का डर सताने लगा है। फार्म हाउस मालिकों ने अपने आकाओं के दरबार में पहुंच उसने दरवाजे खटखटाने शुरु कर दिए है।

शहर की सड़कों पर हो रहे गड्ढ़ों को 20 लाख रुपये में भरा जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद ने सभी 21 वार्डों की सड़क से लेकर आम रास्तों में बनें गड्ढ़ों को भरने का अभियान शुरु किया है। गड्ढ़े भरने की शुरुआत शहर के बाजारों से की गई है। परिषद ने सभी 21 वार्डों में गड्ढ़े भरने के लिए 20 लाख रुपये का बजट बनाया है।

वर्ष 2023 में हुई बरसात से आम रास्तों और सड़कों पर पानी जमा होने से बने गड्ढ़ों को नगर परिषद प्रशासन ने भरने की कवायद शुरु की हैं। सड़क व आम रास्तों में बनें गड्ढ़ों से लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी हो रही है। विशेष रुप से शहर के बाजारों की सड़क और रास्तों में गड्ढ़ें लोगों को ठोकरे खाने के लिए मजबूर कर रहे थे। इसलिए परिषद ने गड्ढ़ों को भरने की शुरुआत पहले बाजारों में से ही की हैं। धीरे-धीरे यह अभियान वार्ड और परिषद के गांवो की तरफ चला जाएगा।

सोहना में नगर परिषद द्वारा शहर की सड़कों पर बनें गड्ढ़ों को पैचवर्क के द्वारा भरते हुए।

> **गड्ढ़ें** भरने का कार्य शहरी क्षेत्र से गांवों की तरफ जाएगा। इस अभियान पर करीब 20 लाख रुपये खर्च होंगे। सभी 21 वार्ड के गड्ढ़ों को भरने में करीब एक माह का समय लगेगा।
> **(दिगम्बर सिंह-जेई नगर परिषद)**

राष्ट्रीय व वार्डों को जोड़ने वाली सड़कें शामिल : गड्ढ़ों को भरने का अभियान शहर के बीच में से जा रहा गुरुग्राम-अलवर राष्ट्रीय राजमार्ग 248ए और उससे मिलने वाले लोकल मार्ग जखोपुर, तावडू, दमदमा, बालूदा, सांप की नंगली, बेरका, सोहना ढाणी आदि सड़कें शामिल है। जिनमें भी बनें गड्ढ़ों को भरा जाएगा।

सेवा ही संकल्प के मूल मंत्र को आत्मसात करें कार्यकर्ता: जीएल शर्मा

प्रदेश भर से बधाई देने पहुंचे लोग, शर्मा ने जताया नेतृत्व का आभार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जीएल शर्मा को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर बधाई देते समर्थक।

करीब एक दशक से देश और प्रदेश की सत्ता पर काबिज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा ने हरियाणा प्रदेश में सामाजिक समरसता के पुरोधा एवं सर्व समाज के नेता जीएल शर्मा की संगठन सेवा पर भरोसा जताते हुए फिर से हरियाणा प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। जीएल शर्मा को फिर से बीजेपी हरियाणा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर उनके समर्थकों और पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई।

जीएल शर्मा ने बधाई देने वालों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, हरियाणा प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब, प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी, पूर्व सांसद एवं भाजपा संसदीय बोर्ड एवं केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य डॉ. सुधा यादव सहित प्रदेश और केंद्र के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें संगठन की सेवा का जो अवसर दिया है उसे वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे। इससे पूर्व भी पार्टी ने उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपी है, उसे ईमानदारी से निभाने का उन्होंने पूरा प्रयास किया है। आगे भी संगठन की सेवा की जिम्मेदारी को वह पूरी गंभीरता से निभाएंगे। जीएल शर्मा को बधाई देने वालों में भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, महामंत्री मुकेश जैलदार, उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, दिनेश यादव, करमचंद यादव, राजेश ठाकरान, मनोज तंवर रामगढ़ मंडल अध्यक्ष, जयपाल राघव, सुमित कपूर, आशीष गुप्ता मौजूद रहे।

सीपी गुरनानी अपग्रैड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल हुए

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

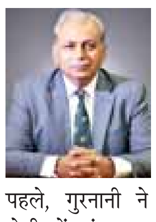

एशिया की सबसे बड़ी एकीकृत शिक्षण कौशल और कार्यबल विकास कंपनियों में से एक अपग्रैड ने सीपी गुरनानी की नियुक्ति की घोषणा की है। गुरनानी अपने निदेशक मंडल में जनवरी 2024 से प्रभावी होंगे। श्री गुरनानी एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में काम करेंगे, जबकि कौशल देने वाली दिग्गज कंपनी अपने घरेलू और वैश्विक परिचालन को बढ़ाना जारी रखेगी।

टेक महिंद्रा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक के रूप में उनके 19 वर्षों के नेतृत्व में, कंपनी ने परिचालन/नवाचार और टॉपलाइन दोनों के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की और शीर्ष पांच भारतीय आईटी मार्की खिलाड़ियों में अपनी स्थिति बरकरार रखी। वह पिछले महीने अपने पद से सेवानिवृत्त हुए और तीन दशकों से अधिक समय तक महिंद्रा एंड महिंद्रा के बोर्ड में कार्यरत रहे। टेक महिंद्रा से पहले, गुरनानी ने एचसीएल पेरोट जेवी में संस्थापक और सीईओ के रूप में नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाईं।

विकास पर टिप्पणी करते हुए सीपी गुरनानी ने कहा, 'एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में, मैं कंपनी की मजबूत साख का लाभ उठाते हुए इसके वैश्विक विस्तार को प्राथमिकता दूंगा। मेरा ध्यान बी2बी और बी2सी बाजारों में अवसरों का दोहन करते हुए अपग्रैड एक अत्यधिक निर्यात-उन्मुख उत्पाद में बदलने के लिए नेतृत्व टीमों के साथ काम करना है। यह देखना दिलचस्प है कि कैसे अपग्रैड पिरामिड को उलट रहा है, लाखों लोगों को सशक्त बना रहा है, और विशेष रूप से एआई के समय में कौशल बढ़ाने की बढ़ती मांग को संबोधित कर रहा है। यह दुनिया के लिए एक प्रतिभा पाइपलाइन तैयार कर रहा है और मैं विविध पृष्ठभूमि और भौगोलिक क्षेत्रों के शिक्षार्थियों के लिए अधिक स्मार्ट सामग्री और व्यक्तिगत सीखने के प्रक्षेप पथ के निर्माण पर उनका मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं बोर्ड के साथ काम करने का इरादा रखता हूं और प्रबंधन को साहसी लक्ष्य निर्धारित करने के लिए सलाह देता हूं जो अपग्रैड को वैश्विक स्मार्ट सामग्री फैक्ट्री के रूप में स्थापित करने के अनुरूप हो। हमने आने वाले वर्षों के लिए अपना बिजनेस रोडमैप तैयार कर लिया है और स्थिरता लाने की यात्रा पर निकलने के लिए तैयार हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं से निरंतर सीखने की बहुत मजबूत मांग आ रही है और हमने जो शिक्षाशास्त्र बनाया है।

कासन गांव को मिला बेहतरीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

आयुक्त ने गांव कासन में किया प्राइमरी हेल्थ सेंटर का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव कासन में पीएचसी के उद्घाटन अवसर पर मानेसर नगर निगम आयुक्त अशोक कुमार गर्ग सिविल सर्जन डा. वीरेंद्र यादव का स्वागत करते ग्रामीण।

नगर निगम मानेसर के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने गुरुवार को गांव कासन में प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) का रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ गुरुग्राम के सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव भी मौजूद रहे।

इस दौरान आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि इस पीएचसी के शुरू होने से गांव कासन सहित आसपास के अन्य गांवों के लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। ग्रामीणों से अपील करते हुए आयुक्त ने कहा कि इस पीएचसी को मॉडल पीएचसी के तौर पर शुमार करना आप लोगों की जिम्मेदारी है। मानेसर नगर निगम ने पीएचसी के निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करवाई है।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर लोगों में यह धारणा होती है कि प्राइवेट हॉस्पिटल और प्राइवेट स्कूल, सरकारी सुविधाओं से अच्छे होते हैं, लेकिन इस पीएचसी का अवलोकन करने उपरांत ऐसा महसूस हुआ कि यह सरकारी इमारत नहीं है। इसमें उत्तम गुणवत्ता वाले संसाधन लगे हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आमजन की भागीदारी इस पीएचसी को एक आदर्श पीएचसी बना सकती है। उन्होंने गुरुग्राम के सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव से कहा कि नगर निगम क्षेत्र में इस प्रकार की ओर पीएचसी बनाने के संभावना तलाशें। यदि जरूरत हुई तो नगर निगम के अधीन आने वाले गांवों में बनी निगम की इमारतों को पीएचसी के लिए देंगे।

इससे पूर्व सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और बोर्गवॉर्नर कंपनी ने अपना दायित्व समझते हुए सीएसआर फंड से कासन गांव के लोगों को रिकॉर्ड 4 महीनों में यह इमारत बनाकर दी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पीएचसी में 15 लोगों की नियुक्ति की गई है। इसमें तीन डॉक्टर, चार नर्स, एक हेल्थ सुपरवाइजर सहित एम्बुलेंस आदि की सुविधा दी गई है। फिलहाल यहां पर ओपीडी, डेंटल, मेडिसिन व महिला रोग संबंधी इलाज किया जाएगा। जल्द ही यहां पर डिलीवरी की सुविधा भी मिलने लगेगी। इस पीएचसी के शुरू होने से मानेसर नगर निगम क्षेत्र के अधीन आने वाले गांवों के लाखों लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। जरूरत पड़ने पर रोगी को रेफर करने के लिए एम्बुलेंस की सुविधा भी यहां होगी।

इस मौके पर कासन गांव के पूर्व सरपंच सत्यदेव, मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के विजिलेंस और सीएसआर हेड तरनजीत सिंह, बॉर्गवॉर्नर कंपनी के एमडी सुधीर कुमार चावला, नगर निगम के एसई विजय ढाका, एक्सईएन नवीन धनखड़, सेनिटरी ऑफिसर एमएस सोढ़ी, जेई अनदीप सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में एसडी कॉलेज की नेहा को मिला प्रथम स्थान

डॉ. बीआर अंबेडकर कॉलेज में भाषण व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय पलवल में प्राचार्या व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी अर्चना वर्मा के निर्देशानुसार जिला स्तरीय भाषण व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण व रंगोली प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भाषण प्रतियोगिता में का संचालन दिलबाग सिंह व राजू द्वारा किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नेहा जीजीडीएसडी महाविद्यालय पलवल, द्वितीय स्थान लक्षिता राजकीय महाविद्यालय, पलवल तथा तृतीय स्थान मीनू रावत सरस्वती महिला महाविद्यालय ने प्राप्त किया। इसी दौरान रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ललिता सैनी राजकीय महाविद्यालय पलवल, द्वितीय स्थान ज्योति जीजीडीएसडी महाविद्यालय, पलवल तथा तृतीय स्थान नेहा सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल ने प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के दौरान प्राचार्या व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी अर्चना वर्मा ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी व देश के मतदाताओं का लोकतंत्र को मजबूत करने में योगदान पर चर्चा की। मतदाताओं की शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा दिया। प्रतियोगिता के दौरान उपप्राचार्य डॉ. बाबू लाल शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी व चुनाव सुधार पर चर्चा की। इस दौरान निर्णायक मंडल की भूमिका सरिता देवी प्रवक्ता रसायन विज्ञान, डॉ. संजीव कुमार प्रवक्ता भूगोल, डॉ. अनीता मिश्रा प्रवक्ता भूगोल व पिंकी कॉमर्स ने निभाई। इस अवसर पर तरूण सैनी, निशा आदि मौजूद थे।

नागरिक अस्पताल में रिनोवेशन के बाद शुरू हुआ ऑपरेशन थियेटर

मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

किडनी के मरीजों की हो रही है डायलिसिस

प्री-मेच्योर बच्चों के लिए नर्सरी की भी सुविधा उपलब्ध

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विधायक दीपक मंगला ने गुरुवार को नागरिक अस्पताल पलवल में ऑपरेशन थियेटर के नवीनीकृत कार्य का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. नरेश गर्ग भी मौजूद रहे। विधायक दीपक मंगला ने कहा कि नागरिक अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर के रिनोवेट होने से जिला पलवल के मरीजों को इलाज के लिए दूसरे जिलों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में किडनी के मरीजों के लिए डायलिसिस की सुविधा प्रदान की गई है। नागरिक अस्पताल में पिछले महीने भी करीब 218 मरीजों की डायलिसिस की गई है। अस्पताल में प्री-मेच्योर बच्चों के लिए नर्सरी की सुविधा उपलब्ध है। सरकारी अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के लिए बेहतर सुविधाएं दी जा रही है।

इसके अलावा ओपीडी भी ठीक प्रकार से चल रही है। उन्होंने सिविल सर्जन को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यदि अस्पताल में किसी भी प्रकार की कोई समस्या है तो उसका निदान करें, ताकि मरीजों को कोई परेशानी न हो। विधायक दीपक मंगला ने कहा कि नागरिक अस्पताल पलवल में आने वाले मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़क को डी-प्लान के तहत रिपेयर करवा दिया गया है। इस मौके पर उन्होंने नागरिक अस्पताल परिसर की ओपीडी, एक्स-रे, फार्मेसी, आपातकालीन सेवाओं आदि विभिन्न भागों का दौरा कर निरीक्षण किया और अस्पताल प्रशासन को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के चिकित्सकों से मरीजों का इलाज प्राथमिकता के आधार पर करने का आह्वान किया।

सिविल सर्जन डॉ. नरेश गर्ग ने विधायक दीपक मंगला का स्वागत करते हुए कहा कि ऑपरेशन थियेटर शुरू होने से मरीजों को एक ही छत के नीचे बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी। पलवल में पहले के मुकाबले अब और अधिक ऑपरेशन किए जाएंगे। वहीं मैन पावर भी कम लेगेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में आने वाले मरीजों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इलाज के दौरान मरीजों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

इस अवसर पर नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. अजय माम, उप सिविल सर्जन डॉ. सुरेश, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नरेंद्र, नगर परिषद पलवल के वाइस चेयरमैन मनोज बंधू, पलवल ब्लॉक पंचायत समिति के चेयरमैन भगत सिंह घुघेरा, पार्षद बांके शर्मा, भक्ति, केशव देव भारद्वाज, मेघश्याम, मुकेश सिंगला सहित अस्पताल का मेडिकल स्टॉफ व अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री को पत्नी सहित जाना चाहिए मंदिर : दलाल

कहा, सांसद पद के चुनाव की घोषणा से बीजेपी तलाश रही योग्य उम्मीदवार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री को पत्नी सहित जाकर करना चाहिए। बिना पत्नी के अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया तो अनैतिक हो जाएगा। देश में आने वाला समय लोगों के हित में नहीं होगा। पूर्व मंत्री करण दलाल यहां पप्पन प्लाजा में पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस अवसर पर कांग्रेस नेता एसके शर्मा, राजेश्वर गर्ग, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन केशव देव मुंजाल, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश बघेल, पलवल अध्यक्ष निखिल भारद्वाज, महिला जिलाध्यक्ष सविता चौधरी, अनीता भारद्वाज, प्रेरणा कालड़ा, दीप करण दलाल विशेष रूप से मौजूद थे।

दलाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने कानूनों में बदलाव कर आम लोगों पर अत्याचार बढ़ाने का काम किया है। ये कानून पुलिस हित में हैं। आम लोगों पर अत्याचार तो बढ़ेगा ही साथ ही पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा। भाजपा केवल और केवल लोगों को गुलाम बनाने में लगी है। पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल बृहस्पतिवार को यहां पप्पन प्लाजा में पत्रकारों से बात कर रहे थे। दलाल ने कहा कि सात जनवरी को ब्राह्मण धर्मशाला में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उसमें भाजपा के अनैतिक कार्यों तथा पलवल की समस्याओं पर चर्चा कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

दलाल ने कहा कि भाजपा ने नौ साल में एक भी ऐसा काम नहीं किया, जिससे लोगों को फायदा हो। यहां तक कि 2014 से पहले कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू कराए गए, विकास कार्य भी आज तक पूरे नहीं किए गए हैं। आज भी पलवल में रसूलपुर रोड पर रेलवे लाइन के ऊपर बनने वाला पुल पूरा नहीं हुआ है। न ही घुघेरा में खेल स्टेडियम का निर्माण सरकार पूरा कर पाई है। सरकारी विभागों में भाजपा सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार काफी बढ़ गया है। हैं।

देश को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर होगी संकल्प यात्रा : प्रवीण डागर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विधायक प्रवीण डागर ने कहा कि देश को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने में विकसित भारत संकल्प यात्रा मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत पूरी तरह से विकसित व आत्मनिर्भर के सपने को साकार करेगा। विधायक प्रवीण डागर गुरुवार को हथीन खंड के गांव लखनाका में विकसित भारत यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश की आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2047 में देश पूरी तरह से आत्मनिर्भर और विकसित बने। इसके लिए देश के सभी नागरिकों का योगदान अत्यंत जरूरी है। उन्होंने इस अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत संकल्प शपथ भी दिलाई।

उन्होंने कहा कि योग्यता के आधार पर युवाओं को रोजगार मिल रहा है और गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं का लाभ अविलंब दिया जा रहा है। किसान को फसल का उचित दाम मिल रहा है। देश के विकास में सभी का योगदान जरूरी है। वह दिन दूर नहीं जब भारत पूरी तरह से आत्मनिर्भर होगा। सरकार का प्रयास है कि हर जरूरतमंद और पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। रथ यात्रा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की पात्र महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन भेंट किए। इसके साथ-साथ उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्कूली बच्चों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, कलाकारों, खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों ने स्वागत किया।

जिला के अल्ट्रासाउंड सेंटर पीसी पीएनडीटी की हिदायतों का करें सख्ती से पालन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला सलाहकार समिति की पी.सी. पीएनडीटी बैठक गुरूवार को सिविल सर्जन कार्यालय पलवल में की गई। इस बैठक में नोडल अधिकरी एवं उप सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार, नागरिक अस्पताल की ग्यानाकोलोजिस्ट डॉ. कृतिक तंवर, माइक्रोबॉयोलोजिस्ट डॉ. सरफराज, बाल रोग चिकित्सक डॉ. वासुदेव, सोमार्थ एंकलेव से राकेश सिंह, पलवल डोनर क्लब से अल्पना मित्तल, स्वाती सिंह मौजूद रहे।

बैठक में बाला जी नर्सिंग होम पलवल व मानव कल्याण मेडीकेयर एंड अल्ट्रासाउंड सेंटर पलवल का पीएनडीटी की हिदायतों के अंतर्गत पीएनडीटी सर्टिफिकेट का नवीनीकरण करने बारे अनुमोदन किया गया। डॉ. अनुज मित्तल नर्सिंग होम पलवल का पीएनडीटी सर्टिफिकेट का नवीनीकरण करने बारे व इको के लिए नई यूएसजी मशीन खरीदने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। श्रुति मित्तल अल्ट्रासाउंड एंड कलर डोपलर सेंटर पलवल में यूएसजी मशीन बेचने के बारे विचार-विमर्श किया। पुन्हाना चौक होडल में स्थित शर्मा नर्सिंग होम एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में यूएसजी मशीन के लिए डॉ. राहुल गाइकवाड का नाम जोडने व डॉ. प्रियंका जैन का नाम हटाने के बारे में अनुमोदन किया गया। मेडिस्कैन डायग्नोस्टिक सेंटर पलवल में नए सोनोलोजिस्ट डा. सुमित को पीएनडीटी के नियमों के अंतर्गत जोडने तथा सुखराम अस्पताल पलवल के नजदीक स्थित गुप्ता अल्ट्रासाउंड में पुरानी यूएसजी मशीन को बायबैक करके पुरानी यूएसजी मशीन खरीदने बारे विचार-विर्मश किया गया। इसके अलावा रूटीन इन्सपैक्शन में समय-समय पर सभी प्राइवेट अस्पतालों/क्लीनिक/नागरिक अस्पताल को उनकी कमियों व सभी डॉक्टर को यह हिदायत दी गई कि वे पीसी पीएनडीटी का कार्य सुचारु रूप से करें। उन्हें सख्त निर्देश दिए गए।

सर्दी बढ़ने पर बढ़ सकता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

मैरिंगो एशिया अस्पताल के सीनियर डॉक्टर से बातचीत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मैरिंगो एशिया अस्पताल से ब्रेन एंड स्पाइन सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. तरुण शर्मा ने बताया कि सर्दी बढ़ने पर अक्सर ब्रेन स्ट्रोक एवं ब्रेन हेमरेज (दिमाग की नस फटने) के मामले ज्यादा बढ़ जाते हैं। बुजुर्ग लोगों, मोटापा से ग्रस्त लोगों, शुगर और उच्च रक्तचाप के मरीजों को स्ट्रोक होने का ज्यादा खतरा होता है। अस्पताल के आपातकालीन विभाग में सप्ताह में 9-10 मरीज ब्रेन स्ट्रोक के एडमिट होते हैं, जिनमें 80 फीसदी मरीज मस्तिष्क की धमनियों में खून के थक्के और 20 प्रतिशत मरीज ब्रेन हेमरेज (मस्तिष्क की धमनियों का फट जाना) से पीड़ित पाए जाते हैं।

दरअसल मस्तिष्क में रक्त का संचार रुक जाने के कारण स्ट्रोक हो जाता है। इसके लिए दो कारण जिम्मेवार हैं- मस्तिष्क की धमनियों में क्लॉट (खून के थक्के) का जमना और धमनियों का फट जाना। व्यक्ति का एक तरफ का चेहरा टेढ़ा हो जाना, शरीर के एक तरफ के हिस्से में लकवा हो जाना, व्यक्ति को इस बीमारी के शुरूआती लक्षण जैसे कि एकाएक बोलने में दिक्कत आना, चलने में परेशानी होना और बहुत अधिक चक्कर आना आदि लक्षण दिखाई देने पर उसे तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए, क्योंकि स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है। अनियमित जीवन शैली, खराब खानपान और तनाव के कारण यह समस्या कम उम्र में भी हो सकती है, लेकिन आमतौर पर 50 वर्ष की उम्र के बाद देखी जाती है। जिन लोगों को ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल अधिक होने की शिकायत होती है और धूम्रपान एवं शराब का अधिक सेवन करते हैं, उनमें स्ट्रोक की संभावना सबसे अधिक होती है। इसका पता करने के लिए सीटी स्कैन, एमआरआई एवं दिमाग की नसों की एंजियोग्राफी आदि जांचें की जाती हैं। स्ट्रोक होने के साढ़े चार घंटे अंदर मरीज को क्लॉट घुल जाने के लिए इंजेक्शन दिया जाता है, जिससे मस्तिष्क की धमनियों में रक्त संचार फिर से शुरू हो जाता है।

अगर ब्रेन हेमरिज छोटा है तो दवाइयां दी जाती है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित किया जाता है। ब्रेन हेमरिज बड़ा होने पर ऑपरेशन किया जाता है। ब्रेन स्ट्रोक होने पर मरीज की जान बचाने के लिए पहला घंटा बहुत अहम होता है, इसलिए इसे गोल्डन टाइम माना जाता है। इस एक घंटे के अंदर उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी न्यूरोसर्जन की देखरेख में इलाज किये जाने पर मरीज को गंभीर स्थिति में जाने से बचाया जा सकता है। देर करने से मरीज की जान को जोखिम बढ़ सकता है।

ऐसे करें बचाव

- धूम्रपान व शराब के सेवन से बचें।
- संतुलित आहार लें।
- नियमित व्यायाम करते रहें व अनावश्यक तनाव से दूर रहें।
- मोटापा न बढ़ने दें।
- सर्दी के मौसम में बुजुर्ग लोग, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप रोगी सुबह-शाम
- सर्दी से बचाव करें और ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल चेक करते रहें।
- दोपहिया सवार, कामकाजी लोगों को अधिक सतर्क रहें-घर से बाहर निकलने के दौरान सिर को ढक कर रखें, ठीक तरीके से गर्म कपड़े पहनें
- नहाने के समय ठंडे पानी को पहले शरीर पर डालना चाहिए, उसके बाद सिर पर डालें।

आपसी विवाद में बाप-बेटे पर चलाई गोली

पलवल। पहलादपुर गांव में बाइक सवार युवकों ने पिता-पुत्र के साथ गाली-गलौज कर गोलियां चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। दोनों युवकों को लोगों ने देसी कट्टा सहित मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया। चांदहट थाना पुलिस ने युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चांदहट थाना प्रभारी दलवीर सिंह के अनुसार, पहलादपुर गांव निवासी राधेश्याम ने दी शिकायत में कहा है कि तीन जनवरी को दोपहर के करीब दो बजे वह और उसका बेटा पशुओं को चारा डाल रहे थे। इस दौरान दौरान बिना नंबर की बाइक पर पहलादपुर गांव निवासी संजय उर्फ संजू व गुरवाड़ी गांव मनोज उर्फ़ जोनी आए। आते ही दोनों ने गाली-गलौच करनी शुरू कर दी।

संक्षिप्त समाचार

छात्राओं को सॉफ्ट स्किल की जानकारी दी

पलवल। सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल के आईक्यूएसी सेल ने एक वक्तव्य का आयोजन किया, जिसका विषय सॉफ्ट स्किल रहा। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्तर प्रांशु अरोडा, संस्थापक रॉकर्स इंकॉरपोरेशन ने सभी छात्राओं को सॉफ्ट स्किल के बारे में विस्तार से समझाया और उन्हें जीवन में उनके होने वाले उपयोगों के बारे में भी अवगत कराया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वंदना त्यागी ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया और प्राचार्या प्रांशु अरोडा तथा डॉ. नेहा आर्या ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. नेहा आर्या ने भी सभी स्टाफ सदस्यों को इस प्रकार के वक्तव्य में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य डॉ. शुचि दीवान तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में श्वेता छाबड़ा का विशेष योगदान रहा।

राजकुमार वोहरा बने भाजपा फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष

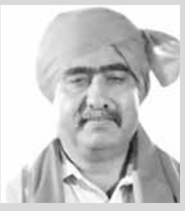

फरीदाबाद। प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने बीती रात हरियाणा प्रदेश के पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। फरीदाबाद के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता राजकुमार वोहरा को फरीदाबाद का नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। भाजपा हरियाणा द्वारा इन नियुक्तियों की जानकारी सार्वजनिक की। फरीदाबाद के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा भाजपा फरीदाबाद के बहुत पुराने व सक्रिय कार्यकर्ता हैं। वोहरा पूर्व में संगठन में युवा मोर्चा से लेकर मंडल और जिले में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। 2016 से 2020 संगठन में जिला उपाध्यक्ष के तौर पर और पूर्व में संगठन में महासंपर्क अभियान के जिला संयोजक रहे हैं। राजकुमार वोहरा का परिवार दशकों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ से जुड़ा रहा है। इनके पिता स्वर्गीय प्रेम स्वरूप वोहरा पाकिस्तान से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे और पाकिस्तान से भारत आकर जनसंघ के जिला अध्यक्ष भी रहे। अपने पिताजी से प्राप्त संस्कारों के साथ राजकुमार वोहरा भी बाल्यकाल से जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन ने मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को जिला अध्यक्ष बनाकर न केवल मुझे सम्मान दिया है, अपितु पूरी पंजाबी बिरादरी का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वह पूर्ण से जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे और पूर्ण इमानदारी, निष्ठा, मेहनत और कौशल के साथ भाजपा संगठन को आगे बढ़ायेंगे। मोदी मनोहर की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाएंगे। 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत की भूमिका तैयार करेंगे, ताकि देश और प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बने। वेहरा ने जिला अध्यक्ष मनोनीत करने पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सेनी, केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा और राष्ट्रीय व प्रदेश भाजपा संगठन का आभार व्यक्त किया।

सफलता के लिए प्रसन्नता महत्वपूर्ण : डॉ. राज नेहरू

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए प्रसन्नता का महत्व है। प्रसन्न मनुष्य समाज एवं संस्थान को अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकता है। वह बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय में लीडरशिप एवं टीम बिल्डिंग पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को खुश रह कर मिशन के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीवन के लक्ष्यों को इंगित करते हुए कहा कि लक्ष्यविहीन जीवन किसी काम का नहीं है। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने सभी को वर्ष 2024 की बधाई देते हुए नए संकल्पों के साथ काम करने का आह्वान किया। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि हम समाज को जो देते हैं, वही हमारे पास लौट कर आता है। इसलिए हमें समाज में श्रेष्ठताओं का समावेश करने के लिए दृढ़ता रखनी चाहिए। प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस वर्ष में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को नए मुकाम पर ले जाने के लिए कटिबद्ध रहने का आह्वान किया। वॉव फैक्टर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक डॉ. शंकर गोएंका ने अपने विशेष सत्र के माध्यम से शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रसन्न रह कर बेहतरीन परफॉर्मेंस के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि जीवन सरल है, लेकिन हम उसे उलझा देते हैं। हम जिस रचनात्मकता के साथ पैदा होते हैं, उसको उसी अनुपात में बरकरार रखना जरूरी है। डॉ. शंकर गोएंक ने अपने सत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के गुर सिखाए और जीवन के लक्ष्यों पर केंद्रित होने की विधि भी बताई। विश्वविद्यालय के योग शिक्षक डॉ. सोहन लाल ने योग के माध्यम से जीवन को संतुलित करने के गुर सिखाए और ध्यान की विधियों से स्वयं को संयमित रखने की विधियां बताई। शिक्षा शास्त्र के अधिष्ठाता प्रोफेसर ऋषिपाल ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपने प्रदर्शन को निखारने के लिए हमेशा सीखते रहना चाहिए। इस अवसर पर अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़, डीन प्रोफेसर ऋषिपाल, डीन प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव, डीन प्रोफेसर जॉय कुरियाकोजे, डीन प्रोफेसर सुरेश कुमार, प्रोफेसर ऊषा बत्रा, प्रोफेसर ए के वाटल, प्रोफेसर डीके गंजू, डॉ. सविता शर्मा, डॉ. संजय राठौर और डॉ. प्रीति भी मंच पर मौजूद रहे। नव्य समारोह में सांस्कृतिक तड़का भी अनोखे अंदाज में लगा। उप कुल सचिव चंचल भारद्वाज ने अंताक्षरी को होस्ट करके समां बांध दिया। मणिपुरी, भोजपुरी, राजस्थानी, कश्मीरी, जर्मन, हरियाणवी, पंजाबी और मलयालम के गीतों पर सब झूमते नजर आए। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि संगीत की कोई भाषा नहीं होती। विभिन्न भाषाओं के गानों पर सब झूमते नजर आए। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने भी कश्मीरी भजन गाकर सबको मोहित किया और कुल सचिव प्रोफेसर ज्योति राणा भी संगीतमय अंदाज में नजर आई।

तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव के लेकर लिया जायजा

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को बेहतरीन मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के सभी जूनियर और सीनियर खिलाडियों की इस खेलकूद प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित करें। डीसी विक्रम ने कहा कि यह सांसद खेल महोत्सव 26 से 28 तक जनवरी फरीदाबाद और पलवल जिला में आयोजित किया जाएगा। जिला के प्रशासनिक और खेल अधिकारियों को तीसरे सांसद खेल महोत्सव के बेहतर क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। डीसी ने कहा कि इस खेल महोत्सव को इस बार भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा और पिछले सालों की अपेक्षा दोगुने जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों को भागीदार बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार खेलों की संख्या और इनमें प्रतियोगिताओं के मद्देनजर खिलाड़ियों की संख्या 10 से 12 हजार से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए स्थान, नोडल अधिकारी व अन्य व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएगी। वहीं प्रत्येक गेम के साथ उसकी एसोसिएशन को भी जोड़ा गया है।डीसी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव को इस बार भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा और पिछले सालों की अपेक्षा दोगुने खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024

आईसीयू में भर्ती

नए दिशानिर्देश

आईसीयू में भर्ती के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं ताकि खर्च घटाते हुए नैतिक इलाज सुनिश्चित किया जा सके। यह उन लाखों लोगों के लिए स्वागत योग्य राहत की बात है जो कुछ अस्पतालों की ठगी का शिकार होते हैं। सरकार ने कुछ गड़बड़ियां दूर करने के लिए आईसीयू में भर्ती के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सभी जानते हैं कि अनेक निजी अस्पताल इंटेसिव केयर यूनिटों-आईसीयू में रोगियों की भर्ती कर उनसे बहुत अधिक पैसा लेते हैं, भले ही रोगी को इसकी आवश्यकता न हो और वह बहुत गंभीर न हो। ऐसी गड़बड़ियां रोकने और इन पर नियंत्रण के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में आईसीयू भर्ती के लिए समग्र दिशानिर्देश जारी किए हैं। 24 प्रख्यात चिकित्सकों की समिति द्वारा विकसित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य पारदर्शिता, नैतिक व्यवहार तथा प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सा है। नए दिशानिर्देशों में जोर दिया गया है कि भर्ती का आधार वस्तुनिष्ठ चिकित्सा होगी जिसमें खासकर किसी अंग के विफल होने या किसी अंग को सहायता देने की स्थिति शामिल है। रक्तचाप, श्वसन दर, सांस लेने का पैटर्न, दिल धड़कने की दर, आक्सीजन सेचुरेशन, मूत्र की मात्रा तथा तंत्रिकाओं की स्थिति आदि मानकों का नियमित परीक्षण उन रोगियों में किया जाएगा जो आईसीयू में भर्ती की प्रतीक्षा कर रहे हों। इसके साथ ही दिशानिर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि मरीज या रिश्तेदारों द्वारा मना किया जाए तो गंभीर रोगियों को आईसीयू में भर्ती नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा किसी पूर्व बीमारी से पैदा इलाज की सीमा के कारण 'लिविंग विल' या पहले से आईसीयू देखभाल से इनकार करने वाले रोगियों तथा इलाज की सीमा समाप्त होने की स्थिति वाले

अत्यन्त गंभीर रोगियों को भी आईसीयू में भर्ती से अलग रखा जाना चाहिए।

दिशानिर्देशों का विस्तार आईसीयू से डिस्चार्ज तक है। इसमें शारीरिक स्थितियों की लगभग सामान्य या आधारभूत स्तर तक वापसी शामिल है। आईसीयू में भर्ती का कारण बने तीव्र रोग की तीव्रता घटना व स्थिर स्थिति में आना डिस्चार्ज के लिए आवश्यक शर्त है। इसके साथ ही आईसीयू से डिस्चार्ज, चिकित्सा सीमित करने वाले निर्णय या 'पैलियेटिव केयर' के लिए रोगी या परिवार की सहमति महत्वपूर्ण है। सरकार का यह निर्णय कुछ ठग निजी अस्पतालों पर लगाम लगाने के लिए बहु-प्रतीक्षित कदम है। वैश्विक महामारी के दौरान अनेक ऐसे मामले सामने आए थे जब कुछ अस्पतालों ने बिना किसी देखभाल के रोगियों को आईसीयू में भर्ती कर लिया और उनसे बहुत ज्यादा पैसा लिया। हालांकि, इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य स्वास्थ्य व्यवस्था में समग्र सुधार है, पर इस पर गहराई से गौर करने की जरूरत है। कई बार ऐसे अनावश्यक परीक्षण लिख दिए जाते हैं जिनको अस्पताल या उसकी साझी प्रयोगशाला में किया जा सकता है। सरकार का यह दिशानिर्देश सही दिशा में एक कदम है। ये दिशानिर्देश अनुचित रूप से आईसीयू में भर्तियों तथा इनके लिए भारी खर्च की खबरों के बीच आए हैं। आईसीयू खर्च बढ़ा-चढ़ा कर बताना व्यापक प्रवृत्ति बन गया था जिससे निपटने के दिशानिर्देशों में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा रोगी-केन्द्रित व्यवहारों पर जोर दिया गया है। आईसीयू भर्ती पर मंत्रालय के दिशानिर्देश अस्पतालों में नैतिक व्यवहार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वस्तुनिष्ठ चिकित्सकीय आधार तथा रोगियों से पूर्व सहमति पर जोर देकर दिशानिर्देशों ने वित्तीय मामलों पर मरीजों की बेहतरी को प्राथमिकता दी है। उम्मीद है कि इन उपायों से ज्यादा पारदर्शी तथा रोगी-केन्द्रित स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था का निर्माण होगा जिससे जनता व स्वास्थ्यरक्षा प्रदाताओं के बीच विश्वास बढ़ेगा।

बेहतर भविष्य हेतु युवा शक्ति

दुनिया की आधी जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु वाली है। यह अब तक की सबसे बड़ी युवा पीढ़ी है। उसे समुचित अवसर देना भविष्य के लिए बेहतर होगा।

राजदीप पाठक

(लेखक, गांधी दर्शन एवं स्मृति समिति से संबद्ध हैं)

भारत की संसद में 13 दिसंबर, 2023 को उस समय अराजक स्थिति पैदा हो गई जब दो लोग नारे लगाते हुए घुस आए और उन्होंने एक मेज से दूसरी मेज पर कूदते हुए रंगीन गैस छोड़ी। सांसदों द्वारा पकड़े जाने के पहले उन्होंने कैनिस्टरों से पीली गैस छोड़ी। इसके साथ ही एक महिला समेत दो लोगों ने संसद परिसर में रंगीन गैस छोड़ी व नारे लगाए। इन सबको गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। भारतीय संसद की सुरक्षा में यह सेंध 2001 में संसद पर हमले की 22वीं वार्षिकी के समय पर हुई जो युवा ऊर्जा के दुरुपयोग का एक उदाहरण है। घुसपैठ करने वाले सागर, मनोरंजन, अमोल व नीलम अभी युवा हैं और उन्होंने अपने इस कृत्य द्वारा किसानों के आंदोलन, मणिपुर संकट तथा बेरोजगारी जैसे संकटों पर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। गिरफ्तार नीलम के पास अनेक डिग्रियां हैं। इस आश्चर्यजनक घटना से रचनात्मक राष्ट्र-निर्माण में युवा पीढ़ी की ऊर्जा प्रयोग की आवश्यकता स्पष्ट होती है। इसके साथ ही उनको सकारात्मक तरीकों से अपने सरोकार व्यक्त करने का महत्व भी उजागर होता है।

युवाओं का हमारे समाज में केन्द्रीय स्थान है, वे भविष्य के नेता तथा प्रगति की संचालक शक्ति हैं। ऊर्जा तथा खोजी विचारों के साथ उनकी बहुत बड़ी संख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन है। राष्ट्रीय युवा नीति में जोर दिया गया है कि युवा राष्ट्र की नीव हैं जो उसके विकास, सुरक्षा तथा सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को स्वरूप प्रदान करते हैं। अपनी रचनात्मक ऊर्जा व श्रम आर्थिक व सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। युवाओं के सपने और आकांक्षायें प्रेरणा के स्रोत की तरह काम कर राष्ट्र की जीवन्तता और लक्ष्य की सेवा करते हैं। युवाओं की गतिशील संभावनाओं और दृष्टिकोण से राष्ट्र का भविष्य सुनिश्चित होता है। लंदन विश्वविद्यालय में विकास शिक्षा के प्रोफेसर डगलस बार्न के

अनुसार, 'युवाओं के पास आदर्श कार्य परिवेश तथा अधिकारों के संबंध में अपने मूल्य, आकांक्षायें व दृष्टिकोण होते हैं। युवाओं का चरित्र नेताओं, विकास, तकनीकों तथा उनके समय की वैश्विक प्रवृत्तियों से प्रभावित होता है, लेकिन उनके व्यवहार की भिन्नता क्षेत्र पर आधारित हो सकती है जिसका कारण सामाजिक व आर्थिक स्थितियां होती हैं।' प्रबंधन के प्रोफेसर एस.पी. ईस्नर जोर देते हैं कि 'युवाओं में नैतिकता, देशभक्ति, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की इच्छा, समाज में घुलने-मिलने की प्रवृत्ति तथा घर-परिवार से मिले मूल्य समाहित होते हैं। उनकी उम्मीदें, मूल्य, दृष्टिकोण और व्यवहार अलग-अलग होते हैं।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न सार्वजनिक मंचों से बोलते हुए बार-बार समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए युवाओं की शक्ति का आह्वान किया है। उन्होंने नौजवानों की क्षमता तथा विश्व मंच पर भारत की विकास प्रक्रिया में उनके योगदान पर दृढ़ विश्वास प्रकट किया है। यह भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि भारत एक युवा देश है क्योंकि उसके आधे से अधिक नागरिकों की आयु 30 वर्ष से कम है। इसलिए भारतीय युवाओं का देश में बहुत महत्व है और उनको गंभीरता से लेते हुए राष्ट्र-निर्माण में साझीदार बनाया जाना चाहिए। स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, राजा राममोहन राय, नेल्सन मंडेला तथा मार्टिन लूथर किंग जूनियर व अनेक अन्य महापुरुषों के जीवन से युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका रेखांकित होती है। स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं का प्रभाव युवा-नीत आंदोलनों के उभार से स्पष्ट होता है जिनका उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन है। उदाहरणार्थ, स्वामी विवेकानंद के समाज की सेवा के आह्वान से प्रेरित 'यूथ फार सेवा' पहल युवा स्वयंसेवकों को देश भर की विभिन्न समाज सेवा गतिविधियों में लगाती है। इन स्वयंसेवकों ने शिक्षा, स्वास्थ्यरक्षा तथा पर्यावरणीय पहलों में स्वामी जी की निस्वार्थ सेवा की भावना से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख व्यक्तित्व महात्मा गांधी ने युवाओं को सक्रिय रूप से समाज परिवर्तन में योगदान के एि कहा था। 'डांडी मार्च' व 'भारत छोड़ो' आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने एक पीढ़ी को 'सत्याग्रह' द्वारा अहिंसक आंदोलन से जोड़ा था।

1927 में 'यंग इंडिया' में प्रकाशित एक लेख में गांधीजी ने ग्रामीण विकास पर जोर देते हुए नौजवानों का आह्वान किया था कि वे गांवों की विनम्रतापूर्वक सेवा कर अपने नेतृत्व के उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने नौजवानों की कल्पना सद्भावना पैदा करने व जीवनस्तर उठाने वाले 'ईश्वर के संदेशवाहकों' के रूप में की थी। महात्मा गांधी ने सक्रिय सहभागिता की परिवर्तकारी भूमिका पहचानी थी जो एक नियंत्रित जलधारा की तरह अत्यधिक शक्तिशाली थी। आज निस्वार्थ सेवा और जमीनी स्तर पर सहभागिता का उनका आह्वान राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण रूप से अनिवार्य हो गया है।

इसी प्रकार सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद व सुभाष चंद्र बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गतिशील भावना का प्रदर्शन किया था, हालांकि उनका रास्ता अलग था। उनके निर्भय नेतृत्व ने असंख्य नौजवानों को प्रेरित कर उनकी परिवर्तकारी भूमिका रेखांकित की। इसके उलट 13 दिसंबर को संसद में घुसपैठ करने वालों ने देश की गरिमा को चोट पहुंचाई। उनमें उस सकारात्मक प्रभाव और प्रेरणा की कमी थी जो हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं में पाई जाती थी जिन्होंने भारत का भाग्य बदल दिया।

राजा राममोहन राय ने सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया था जो 'टीच फार इंडिया' जैसी पहलों के रूप में सामने आई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवा व गतिशील लोगों ने गरीबों के स्कूलों में शिक्षा दी है, शिक्षा में ऊंचनीच को रेखांकित किया है तथा सामाजिक खाई पाटने का प्रयास किया है। विदेशों में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के 'रंगभेद-विरोधी संघर्ष' ने 1976 में 'सोवेटो विद्रोह' को जन्म दिया था जो युवा एक्टिविस्टों की परिवर्तनकारी भूमिका प्रकट करता है। आज 'नेल्सन मंडेला फाउंडेशन' उनकी इस विरासत का प्रतिनिधित्व करते हुए सामाजिक न्याय के लिए युवाओं का सशक्तीकरण कर रहा है। महात्मा गांधी से प्रेरित मार्टिन लूथर जूनियर किंग का वैश्विक प्रभाव अहिंसक प्रतिरोध के माध्यम से सामने आया। जान लेविस व डायन नैश जैसे युवा नेताओं ने इस नागरिक अधिकार आंदोलन में धुरी की तरह काम किया। उन्होंने नस्ली अन्याय का सामना करने के लिए अनेक धरने व स्वतंत्रता यात्रायें निकालीं। इनके परिणामस्वरूप विधायी परिवर्तन हुए तथा पृथकतावाद को समाप्त किया गया। भारत की स्वतंत्रता तथा अमेरिकन नागरिक अधिकार आंदोलन में युवा एक्टिविस्टों की केन्द्रीय भूमिका थी जिसने उत्पीड़क व्यवस्थाओं को चुनौती देने में सद्भावना तथा प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। इनका स्थाई प्रभाव प्रतिबद्ध युवाओं की परिवर्तनकारी क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। यह ज्यादा न्यायोचित समाज बनाने में युवा शक्ति का प्रमाण भी प्रदर्शित करता है।

भारत के युवा आज फलते-फूलते स्टार्टअप परिस्थितिकी के युग में हैं। फ्लिपकार्ट, जोमैटो व ओला जैसी कंपनियों की स्थापना युवा उद्यमियों ने की है। इससे युवाओं के खोजी विचार व ऊर्जा प्रदर्शित होती है जो उद्यमों को बदल सकती है। ये स्टार्टअप न केवल आर्थिक वृद्धि, बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम भी बन रहे हैं। दुनिया की आधी जनसंख्या आज 25 साल से कम है तथा 1.8 बिलियन की आयु 11-25 साल के बीच है। यह अब तक की सबसे बड़ी युवा पीढ़ी है। स्वीडेन, नार्वे व जर्मनी जैसे देश युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उपयुक्त अवसर देने के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़े हैं। भारत में युवा शक्ति की असीम संभावनायें हैं। युवा हमारी सफलता, प्रगति और समृद्धि का स्रोत हैं। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को भविष्य के नेता के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए अच्छी-अच्छी बातें करने के बजाय समुचित कार्रवाई की जरूरत है। यह याद रखना जरूरी है कि बिना समुचित वारिस के किसी सफलता का कोई अर्थ नहीं होगा।

बदलते दौर में सामाजिक क्रिया-कलाप

"जोड़ों के बीच अलगाव और तलाक आम हो गए हैं। बदले में, परिवार में बच्चा प्रभावित हो रहा है।"

विनयशील गौतम

(लेखक, प्रबंध परामर्शदाता हैं)

आम तौर पर यह माना जाता है कि परिवर्तन जीवन का नियम है। शरीर बदलता है, मन बदलता है, वातावरण बदलता है और इसी तरह बाकी सब कुछ भी बदलता है। यह विभिन्न संस्थाओं के परिवर्तन की विभिन्न गतियों के बीच एक तालमेल बना रहा है जो प्रबंधन कार्रवाई के लिए एक मुख्य चिंता का विषय है। इस चिंता की प्रतिक्रिया के लिए रणनीति की आवश्यकता है, रणनीति का समूह एक रणनीति बनाता है, और विभिन्न रणनीतियों को एक साथ रखने से एक नीति बनती है। इसका लंबा और छोटा होना प्रस्ताव को अपने पैरों पर खड़ा कर रहा है।

परिवर्तन के प्रबंधन में यह चक्रीय अंतर्दृष्टि प्रबंधन के मूल प्रस्तावों में से एक है। प्रबंधन क्रिया स्वयं एक वातावरण में अंतर्निहित होती है। हाल के इतिहास में भी यह वातावरण पिछली सदी में अभूतपूर्व गति से बदल रहा है। दो विश्व युद्धों ने परिवर्तन के प्रबंधन से संबंधित सिद्धांतों की आवश्यकता में योगदान दिया। द्वितीय विश्व युद्ध और उसके समापन के कारण दुनिया भर में कई युद्ध हुए। वे साम्राज्यों के विघटन और एक नए प्रकार के युद्ध को लेकर थे, जिसे शीत युद्ध कहा गया। इसका अधिकांश भाग कई क्षेत्रीय संघर्षों में परिवर्तित या विकसित हुआ। उनमें से कुछ दशकों से चले आ रहे हैं और अभी भी अनसुलझे हैं। वह एक और कहानी है. मुख्य प्रस्ताव सरल हैं, उनमें से एक है तेजी से बदलाव लाने में प्रौद्योगिकी ने जो भूमिका निभाई है, और दूसरा है आकांक्षी समुदायों की प्रकृति, जो पूरी दुनिया में अलग-अलग रूपों और आकृतियों में उभर रहे हैं, और सभी एक की तलाश कर रहे हैं। सूर्य के नीचे रखें।

धीरे-धीरे, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कुछ सामान्य मुद्दों से निपटने वाला एक वैश्विक वर्ग उभरा है। कई क्षेत्रीय मुद्दे भी हैं. परिवर्तन के वैश्विक पैटर्न की बात करते हुए, कुछ समानताएं देखी जा सकती हैं, उनमें से एक वह तरीका है जिससे लोग अपनी आकांक्षाओं को परिभाषित करते हैं। बहुत समय पहले की बात नहीं है, जब समय पर परखे गए कुछ मूल्यों के प्रति निष्ठा जैसे किसी की बात का सम्मान करना या किसी पुराने रिश्ते पर कायम रहना सामाजिक मानदंडों का स्तंभ माना जाता था। अब, जबकि कुछ लोग अभी भी उपरोक्त मूल्यों को याद रखते हैं, वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो उनसे %आगे बढ़ गए हैं%। कुल मिलाकर, यह एक अनाकार पहचान वाला एक अनाकार समूह है जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पाया जाता है और कभी-कभी प्रसारित होता है। महत्वपूर्ण लोगों के बीच इस प्रकार के मूल्य से निपटना एक मुश्किल मामला हो सकता है क्योंकि इसके लिए संगठनात्मक गतिशीलता में विभिन्न अंतर्दृष्टि की आवश्यकता होती है। बीस, तीस और चालीस वर्ष के लोग विशेष रूप से इन मूल्यों से आगे निकल जाते हैं। वे संगठनों में अधिकांश कार्यबल का गठन करते हैं। इसका मतलब यह है कि प्रबंधन कक्षाओं के माध्यम से जो कुछ सीखा गया है उसे फिर से परिभाषित और व्यवस्थित करना होगा।

पचास और साठ के दशक की पुरानी पीढ़ी के लोगों को युवा पीढ़ी से निपटने में एक चुनौती का सामना करना पड़ता है। कुल मिलाकर, इस सब पर बहुत कम किताबें लिखी गई हैं और इस सब पर सार्वजनिक रुझान अभी भी बहुत कम है। पचास, साठ और उससे अधिक की पीढ़ी ने उन मूल्यों को सीखा है और बड़े हुए हैं जिनका सीमित लाभ मिल रहा है। इसके लिए स्व-उत्पादन में काफी योग्यताओं की आवश्यकता होती है। इसके लिए अपने से बिल्कुल भिन्न मूल्यों वाले लोगों के समूहों में फैलने की क्षमता की भी आवश्यकता है। आत्मनिरीक्षण के लिए कम से कम कुछ दिनों के रिट्रीट की आवश्यकता है, जो बदलती दुनिया के प्रति उन्मुख होने के लिए पचास, साठ या उससे अधिक उम्र के लोगों पर लागू होगा। न ही यह सब है. इसके लिए महान कौशल और अज्ञात, तेज़ बदलावों और अपरिभाषित स्व-हित से निपटने की आवश्यकता होती है। इसने स्वयं कई संगठनों को अपरिभाषित परिवर्तन की भट्ठी में डाल दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि बड़ा सहारा यह है कि प्रकृति को लक्ष्य-निर्देशित गतिविधि के विपरीत अपना मार्ग अपनाने दिया जाए। नेतृत्व की स्थिति में आत्म-निर्देशन और आत्म-विकास में सक्षम लोगों द्वारा आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता होगी। न केवल कार्यस्थल बदल रहे हैं, परिवार और उनका रुझान भी बदल रहा है। सामुदायिक जीवन और संयुक्त परिवार संरचना के पुराने मानदंडों ने, अक्सर, एकात्मक परिवार के पैटर्न को समझने और स्पष्ट रूप से समझ में न आने की जगह ले ली है।

जोड़ों के बीच अलगाव और तलाक आम हो गए हैं। बदले में, परिवार में बच्चा प्रभावित हो रहा है। सभी माता-पिता बच्चे के लिए एक इकाई के रूप में सामने नहीं आते हैं, न ही बच्चे को हमेशा वह समय मिलता है जो उसके सुगठित विकास के लिए आवश्यक है। कुछ समुदायों में, राज्य ने बच्चों के विकास में अपनी भूमिका तय करने की कोशिश की है और खुद को एक अपीलीय प्राधिकारी बना लिया है, लेकिन वह भी उतने व्यापक रूप से काम नहीं कर पाया है जितनी अपेक्षा थी। इन परिस्थितियों में, लोगों को शांत रहना और आत्मनिरीक्षण करना सिखाना एक उच्च प्राथमिकता लगती है। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और किसी की निरंतरता और निष्पक्ष खेल की भावना के प्रति सम्मान जैसे कुछ प्राचीन मूल्य प्रासंगिक बने हुए हैं। अफ़सोस यह है कि इसे हमेशा कक्षाओं, पाठ्यपुस्तकों या पाठ्यक्रम के माध्यम से नहीं पढ़ाया जा सकता। इसके लिए आत्म-विश्लेषण और आत्म-विकास का एक इको-सिस्टम बनाना होगा। उभरते सीखने के सिद्धांतों को इन पर ध्यान देना होगा और एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करना होगा जहां स्व-शिक्षा मामले का केंद्र हो। इस सब में सावधानीपूर्वक पालन-पोषण जो भविष्योन्मुखी और दूरदर्शी है, महत्वपूर्ण हो सकता है।

आप की बात

ईवीएम के विरोधी

विपक्षी दलों को ईवीएम के विरुद्ध भड़काने के लिए कई शक्तियां लगी हुई हैं। कांग्रेस एमपी, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में हार को किसी तरह पचा नहीं पा रही है। बार-बार वह अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ रही है। राहुल गांधी के करीबी तथा विदेशों में उनकी यात्रायें प्रायोजित करने वाले सैम पित्रोदा ने भी ईवीएम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि तीनों राज्यों में हुई कांग्रेस की हार ईवीएम को हैक करने से हुई है। उन्होंने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ मिलकर ईवीएम की असलियत उजागर करेंगे। सैम पित्रोदा ने विपक्षी दलों से भी अपील की है कि वे ईवीएम के खिलाफ विरोध में कांग्रेस का साथ दें। पित्रोदा ने यह भी कहा कि यदि ईवीएम व्यवस्था में परिवर्तन न हुआ तो भाजपा को 400 सीटें पाने से कोई रोक नहीं सकता है। इस प्रकार लगता है कि कांग्रेस के कुछ नेता 2024 में भाजपा को 400 सीटें मिलने की संभावना स्वीकार कर रहे हैं। देश की जनता जानती है कि इसी ईवीएम से कांग्रेस तेलंगाना, कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश चुनाव जीती है। विडंबना है कि जब कांग्रेस चुनाव जीते तो ईवीएम सही और हारे तो ईवीएम हैक। यह तर्क आम जनता के साथ ही अनेक कांग्रेसियों समेत ज्यादातर विपक्षी नेताओं के गले से नहीं उतर रहा है।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

अडानी की विजय

अडानी मामले में विपक्ष बिना वजह सरकार पर आक्रामक रहा और उसने सुप्रीम कोर्ट तक को इस मामले को घसीट कर निरर्थक न्यायपालिका का समय बरबाद किया। सुप्रीम कोर्ट ने नीर-क्षीर विवेक से जो फैसला दिया वह हमारी न्याय व्यवस्था का विश्वसनीय पहलू है। गौतम अडानी ने इसे सत्य की विजय बताते हुए देश की प्रगति में अपने योगदान को निरंतर जारी रखने का वादा किया है। कायदे से सुप्रीम कोर्ट को न्यायपालिका का समय बरबाद करने वाली इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित याचिकाकर्ताओं पर भारी जुर्माना लगाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने जहां भारतीय एजेंसियों को निष्पक्ष बताया है वहीं विदेशी संगठनों द्वारा अपने हित साधने के लिए बिना सबूत मामले उछालने पर प्रश्न चिन्ह लगाया है। विडंबना है कि राहुल गांधी पानी पी-पी कर अडानी और उनके बहाने मोदी को गाली देते रहे हैं, पर कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अडानी के स्वागत में पलक-पांवड़ें बिछाते रहे हैं। कुछ महीने पहले अशोक गहलोत ने जो काम किया था, वही अब तेलगांना में कांग्रेस के नव-नियुक्त मुख्यमंत्री कर रहे हैं।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

ड्राइवरों की ट्रेनिंग

ड्राइवरों की ट्रेनिंग अब जरूरी हो गई है। नए हिट एंड रन कानून ने दुर्घटनाओं में ड्राइवरों की भूमिका को लेकर एक विमर्श शुरू कर दिया है। किसी से छिपा नहीं है कि आरटीओ ऑफिसों में भारी भ्रष्टाचार के चलते बिना किसी तरह का ड्राइविंग टेस्ट दिए ड्राइविंग लाइसेंस बनकर घर आ सकता है। ट्रैफिक की व्यवस्था करने वाली पुलिस अपनी ड्यूटी के प्रति बेहद लापरवाह है, उसकी संख्या बहुत कम है तथा अनेक खबरों के अनुसार ट्रक व निजी बसें भ्रष्ट पुलिसजनों के लिए एटीएम बन गई हैं। अधिकारियों का चेकिंग अभियान भी चलता है तो उसमें चेकिंग कम और अवैध वसूली ज्यादा होती है। सड़के दिन ब दिन अतिक्रमण के चलते सकरी होती जा रही है और लाखों वाहन प्रतिदिन देश की सड़कों पर उतर रहे हैं। इससे पैदल चलने के लिए भी रास्ते नहीं बचे हैं। युवा व किशोर वर्ग के बाइक चालक मेन रोड पर स्टंट करते हैं तथा बहुत अधिक गति से गाड़ियां चला कर निरपराध लोगों को हताहत करते हैं। भले ही सरकार को फिलहाल पीछे हटना पड़ा है, पर ड्राइवरों के प्रशिक्षण के साथ-साथ कठोर ट्रैफिक कानून समय की आवश्यकता हैं।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

महिला-विरोधी हिंसा

सामाजिक पदानुक्रम व कानूनों में परिवर्तन, कानूनी समानता तथा कानून लागू करने वालों में लैंगिक संवेदनशीलता बढ़ाए बिना महिलाओं के खिलाफ हिंसा व अपराध, खासकर घरेलू हिंसा को समाप्त नहीं किया जा सकता है। ओईसीडी रिपोर्ट से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला घरेलू हिंसा की शिकार है और इन महिलाओं का एक बड़ा प्रतिशत 30 वर्ष से कम उम्र वाली महिलाओं का है। भारत में लगभग 220 मिलियन महिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता हैए जो सांख्यिकीय रूप से वैश्विक औसत से थोड़ा अधिक है और ब्राजील की कुल आबादी के बराबर है। देश की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से दबी हुई आधी आबादी की आवाज बनना कानून निर्माताओं, कानून-व्यवस्था एजेंसियों और न्याय प्रणाली की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि, पिछले वर्षों में स्थिति बदली है, पर अधिकाधिक महिलाओं को विभिन्न स्तरों पर कामगारों में शामिल करना तथा उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करना आज महिला सशक्तीकरण के लिए सबसे जरूरी है।

–**मोहम्मद तौकीर,** पश्चिमी चंपारण

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

अयोध्या में होगा अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन

रामोत्सव 2024

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने शुरू की तैयारियां, 19 से 21 जनवरी के मध्य कराया जा सकता है आयोजन

● देश-विदेश के प्रख्यात पतंगबाज कर सकेंगे हुनर का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन अनुसार अयोध्या में इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने अयोध्या में इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। संभावित है कि 19 से 21 जनवरी के मध्य इसका आयोजन हो सकता है तथा इसमें देश-दुनिया के प्रख्यात पतंगबाजों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया को मूर्त रूप देने के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा प्राइवेट एजेंसी को संबद्ध किया जाएगा।

एडीए द्वारा अयोध्या में इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के आयोजन के लिए अस्थायी संरचनाओं और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास और इवेंट प्रबंधन की संकल्पना, डिजाइन, निष्पादन और पर्यवेक्षण के लिए एजेंसी की नियुक्ति के लिए रिक्वेस्ट फ ॉर प्रपोजल फॉरमेट माध्यम से आवेदन मांगे हैं। इसके जरिए प्राप्त होने वाले आवेदनों में से इस कार्यक्रम को निष्पादित करने के लिए एजेंसी का निर्धारण किया जाएगा। इस निर्धारण प्रक्रिया को 8 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन को भव्य स्तर पर कराने के लिए देश-विदेश में होने वाले विभिन्न काइट फेस्टिवल्स से प्रेरणा ली जा रही है। अयोध्या में होने वाले इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल को दो दिनी फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा और 19 से 20 या 20 से 21 जनवरी के मध्य इसका आयोजन फाइनल रोडमैप रोलआउट होने के बाद किया जाएगा। आयोजन में विशिष्ट आमंत्रितों को बैठाने के लिए 50 वीवीआईपी सोफा वाले लाउंज का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में 350 कुशंड चेयर्स व 350 अन्य चेयरों की व्यवस्था भी की जाएगी। प्रतियोगियों व आयोजन में शिरकत करने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए वॉलेंटियर्स व होस्टेसेस की तैनाती की जाएगी। यहां पर फू ड काउंटर पर परोसे जाने वाले खाने में भी देसी तड़के को तरजीह देते हुए मिलेट्स से बने पकवान पेश किए जाएंगे। साथ ही अवधी जायकों का भी लुत्फ उठाने का मौका लोगों को मिलेगा।

इसके साथ ही यहां होने वाले आयोजन के दौरान बंदरों से टेंटों व उपकरणों को बचाने के लिए भी एहतियातन व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वहींए आयोजन की फि ल्मिंग के लिए विभिन्न प्रकार के हाई क्वॉलिटी कैमरा सेटअप तथा साउंड सेटअप को भी लगाया जाएगा। मकर संक्रांति पर वैसे भी अयोध्या समेत देश के विभिन्न इलाकों में पतंगबाजी होती ही है, ऐसे में यह आयोजन न केवल अयोध्या बल्कि देश-विदेश में चर्चाओं के केंद्र में रहकर खूब सुर्खियां बटोरेगा।

22 जनवरी तक परिवहन की बसों में भी बजेगा राम भजन

● बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के दिए गए निर्देश, राममय होगा माहौल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरे प्रदेश में एक अलग तरह का माहौल है। चारों तरफ सिर्फ भगवान राम के भव्य मंदिर को लेकर ही चर्चा हो रही है। गांवों और शहरों में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। भजन-कीर्तन हो रहे हैं। राम चरित मानस के अखंड पाठ आयोजित किए जा रहे हैं। रामभक्तों का ये उत्साह देखते हुए योगी सरकार ने भी वृहद स्तर पर तैयारी की है।

इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन विभाग ने 22 जनवरी को होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर कार्ययोजना तैयार की है। कार्ययोजना के तहत 22 जनवरी तक सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सीएम योगी ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उन्होंने अयोध्या के मंदिरों में 14 जनवरी से 24 मार्च 2024 तक भजन कीर्तन, रामायण एवं रामचरित मानस का पाठ, सुन्दरकांड के कार्यक्रम आयोजन कराने के निर्देश दिए थे।

22 जनवरी को लेकर परिवहन विभाग ने जो कार्ययोजना तैयार की है उसके अनुसार सभी यात्री वाहनों में तथा बस स्टेशनों पर साफ-सफाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश हैं ताकि यात्रियों का सफ र राममय हो सके और वह भी भगवान राम के जीवन से प्रेरणा ले सकें। भगवान राम से जुड़े भजनों में विभिन्न कलाकारों के प्रसिद्ध भजनों को शामिल किया जाएगा जबकि आज के दौर में लोगों की जुबां पर चढ़े भजनों और गीतों को भी इसमें सम्मिलित किया जा सकता है। इसके अलावा स्थानीय गायकों के राम भजनों को भी इसमें स्थान मिल सकता है। इसके माध्यम से योगी सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में लोगों के बीच रामोत्सव को लेकर उत्सुकता पैदा करना है ताकि हर जन सामान्य इस कार्यक्रम से किसी न किसी रूप में जुड़ सके।

कार्ययोजना के अनुसार, टैक्सी एवं सभी टूरिस्ट बस वाहन स्वामियों के साथ बैठक कर इस दौरान अयोध्या में टैक्सी एवं टूरिस्ट बसों को आवश्यकतानुसार आरक्षित रखने के लिए भी कहा गया है। टैक्सी एवं बस ड्राइवरों को संवेदनशील बनाए जाने के लिए प्रशिक्षण देकर उनका अनुपालन सुनिश्चित किए जाने को भी कहा गया है। इसमें सुरक्षित वाहन चलाना एवं यातायात नियमों का पालन कराया जाना, चालकों का टूरिस्ट के प्रति व्यवहार, चालकों द्वारा अनिवार्य रूप से वर्दी धारण किया जाना, किसी प्रकार का नशा एवं पान गुटखा के सेवन से दूर रहना, वाहन की साफसफाई को सुनिश्चित किए जाने के संबध में और निर्धारित किराया से अधिक किराया किसी भी दशा में न वसूल किया जाए जैसे बिंदु शामिल होंगे। इसके अलावा, अयोध्या की परिधि के 200 किमी में सभी मार्गों पर इंटरसेप्टर वाहनों द्वारा प्रवर्तन टीमों को टूरिस्ट के सहायतार्थ लगाया जाना तथा सड़क दुर्घटना से संबधित बिंदुओं जैसे- ओवरलोडिंग, ड्रंकन ड्राइविंग, रांगसाइड ड्राइविंग, निर्धारित किराया से अधिक किराया लिए जाने, चालकों के ड्रेस कोड तथा सुरक्षा की दृष्टि से अन्य उपायों को अपनाए जाने के लिए जागरूक किए जाने के साथ-साथ आवश्यकतानुसार प्रवर्तन कार्यवाही किया जाना भी सम्मिलित है।

लखनऊ से अयोध्या, गोरखपुर से अयोध्या तथा सुल्तानपुर से अयोध्या के बीच पड़ने वाले समस्त टोल प्लाजा पर टूरिस्ट की सहायता के लिए परिवहन विभाग का हेल्पडेस्क स्थापित किया जाएगा। सुरक्षित सफर के लिए सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का होर्डिंग, समाचार पत्रों, पब्लिसिटी वैन, डिजिटल बैनर तथा समस्त सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यही नहीं, सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्गों तथा राज्य राजमार्गों पर एनएचएआई तथा पीडब्ल्यूडी के द्वारा एंबुलेंस, पेट्रोलिंग एवं क्रेन वाहनों को मार्गों पर तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

रोजगार के नए अवसर सृजित करने में कारगर बन रही पेइंग गेस्ट योजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

प्रदेश सरकार की 'नव्य अयोध्या' परियोजना साकार रूप लेने लगी है। इस नव्य अयोध्या में आने वाले आगंतुकों के लिए उप्र पर्यटन विभाग की पेइंग गेस्ट योजना वरदान साबित हो रही है। यह योजना जहां प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक योगदान दे रही है, वहीं रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर रही है। रामनगरी में इस योजना के तहत अभी तक 600 लोगों ने आवेदन किए हैं जबकि 464 लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जा चुका है। योजना के जरिए उप्र प्रदेश पर्यटन विभाग अवध की थाली के स्वाद के तड़के को साधु-संतों व देश-विदेश से आने वाले अतिथियों तक नई पहचान दिलाएगा। यही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के तहत होम स्टे में मिलेट्स के व्यंजन परोसे जाने पर भी जोर दिया जा रहा है। यात्रियों, श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों के रहने का उत्तम प्रबंध सुनिश्चित कर रही पेइंग गेस्ट योजना के जरिए रामनगरी में रोजगार के भी अवसर वृहद स्तर पर सृजित किए जा रहे हैं। योगी सरकार का प्रयास है कि अवध की थाली को देश-विदेश में नई पहचान मिले। अवध की थाली के जरिए यहां के मूल अनाज को वैश्विक पटल तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस थाली में मटर का निमोनाए चावल, फ रा, मूंग, बेसन, मसूर की दाल आदि जैसे स्वादिष्ट पकवानों का उत्तम जायका परोसा जाएगा। वहीं बाजरा, ज्वार, कोदो, रामदाना आदि मिलेट्स से बने विभिन्न प्रकार के व्यंजन भी आगंतुकों तक पहुंचें, इस बात को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस योजना के लिए स्वामित्व संबंधी अभिलेख, स्वीकृत मानचित्र, चरित्र प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली बिल की कॉपी, मकान व कमरे की फ ोटो, आवेदक की दो फोटो देनी होगी। होम स्टे की बुकिंग श्होली अयोध्या ऐप के माध्यम से की जाती है जिसे अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा विकसित कराया गया है। इस परियोजना में विभिन्न प्रकार के लोकेशंस पर उपलब्ध होम स्टे, उन होम स्टे में उपलब्ध कमरों की संख्या, मिलने वाली सुविधाएंए पर्सनल कस्टमाइजेशन तथा किराये जैसे विवरणों को अंकित किया गया है। इसे देखकर पर्यटक व श्रद्धालु अपनी सुविधानुसार होम स्टे को बुक कर सकते हैं। इन पेइंग गेस्ट बेस्ड होम स्टे का किराया 1500 से 2500 रुपये तक निर्धारित किया गया है। इन पेइंग गेस्ट बेस्ड होम स्टे के रूप में अयोध्या में नव रोजगार सृजन का माध्यम भी विकसित हो गया है। इन होम स्टे के संचालन प्रक्रिया के जरिए स्थानीय व आसपास के क्षेत्रों के लोगों को कई प्रकार के रोजगारों का भी अवसर मिल रहा है। योगी सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन, अयोध्या विकास प्राधिकरण व पर्यटन विभाग पेइंग गेस्ट योजना को लेकर काफी मुस्तैद है क्योंकि यह अयोध्या में पर्यटन का माहौल विकसित करने के साथ ही स्वरोजगार तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करने का माध्यम भी बन रहा है।

मुख्य अभियंता स्वयं निर्माणाधीन सड़कों का मौके पर जाकर निरीक्षण करें: जितिन

● ओवर इस्टीमेट प्रस्तुत करने वाले अभियंताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में संचालित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। लक्ष्य बनाकर सभी कार्यों को समयबद्ध पूरा कराया जायेगा। इसके साथ ही मुख्य अभियंता स्वयं निर्माणाधीन सड़कों का मौके पर जाकर निरीक्षण करें और कमी पाये जाने वाले संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के साथ ही सख्त कार्रवाई भी करें। उन्होंने कहा कि ओवर इस्टीमेट बनाकर प्रस्तुत करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध सख्त से सख्त दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। लोक निर्माण मंत्री ने यह निर्देश निर्माण भवन के तथागत सभागार में प्रयागराज एवं आजमगढ़ मण्डल में चल रहे एवं प्रस्तावित निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि जनपद प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती के पवित्र संगम पर प्रत्येक वर्ष माघ-मेला, प्रति 6 वर्ष के अंतराल पर कुम्भ-मेला एवं 12 वर्ष के अंतराल पर महाकुंभ मेला का आयोजन होता है। लाखों की संख्या में एक से अधिक समय तक श्रद्धालु कल्पवास एवं देश विदेश से आये करोड़ों की संख्या में तीर्थ यात्री गंगा, यमुना एवं सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान करते हैं। प्रयागराज आने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं स्थानीय जनता को सुगम और सुरक्षित आवागमन सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

डॉ. दिनेश शर्मा के त्यागपत्र से रिक्त हुई एमएलसी की सीट पर चुनाव कार्यक्रम जारी

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचित उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद इस्तीफा दिए जाने से खाली हुई एमएलसी की सीट पर चुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। डॉ. शर्मा का कार्यकाल 30 जनवरी 2027 तक था। रिणवा ने बताया कि 11 जनवरी 2024 बृहस्पतिवार को नाम निर्देशन की अधिसूचना जारी की जाएगी। 18 जनवरी 2024 बृहस्पतिवार को नाम निर्देशन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। 19 जनवरी, 2024 शुक्रवार को नाम निर्देशनों की जांच की जाएगी। 22 जनवरी, 2024 सोमवार को नाम वापसी हेतु अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

चित्रकूट में 23.32 करोड़ की लागत से होगा मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण

● प्रथम किश्त के रूप में पांच करोड़ रुपए की धनराशि जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वनवास के समय भगवान श्रीराम का अधिकांश समय चित्रकूट में ही गुजरा, जिसके कारण चित्रकूट का कण-कण राममय है। यहां पर राम, लक्ष्मण एवं माता जानकी से जुड़े दर्शनीय स्थल हैं। प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण चित्रकूट में देशी एवं विदेशी श्रद्धालु भ्रमण के लिए आते रहते हैं। पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां सीतापुर स्थित रामघाट के पास मल्टीलेबल कार पार्किंग का निर्माण किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 23.32 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है और इसके सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 5 करोड़ रुपए जारी करा दिए गए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मल्टीलेबल कार पार्किंग का निर्माण एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित हो जाने से पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने बताया कि मल्टीलेबल कार पार्किंग के साथ ही पाथवे, सीसी रोड, लैंडस्केप, बागवानी के कार्य कराए जाएंगे। इसके साथ ही यहां पर्यटन सूचना कार्यालय, एंट्रेंस लॉबी, वेटिंग एरिया, 22 बेड की डॉरमेट्री, कार लिफ्ट, पैसेंजर लिफ्ट, रूफ टॉफ रेस्टोरेंट, शौचालय आदि का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि मकर संक्रांति से लेकर 22 जनवरी राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तक पूरे प्रदेश में सफाई अभियान चलाया जायेगा। इसके साथ ही चिन्हित मंदिरों आदि में भजन कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जायेगा।

यूपी को बीते दिसंबर माह में प्राप्त हुआ 16628.18 करोड़ का राजस्व

● प्रदेश सरकार के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में 1929.99 करोड़ रुपए की वृद्धिः सुरेश खन्ना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश सरकार के मुख्य कर करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दिसम्बर माह में 16628.18 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दिसम्बर माह में कुल 14698.19 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार माह दिसम्बर 2023 में गत वर्ष इसी माह की तुलना में 1929.99 करोड़ रुपए राजस्व अधिक प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कर राजस्व की प्रमुख मदों के अंतर्गत माह दिसम्बर 2023 तक कुल 189984.74 करोड़ रुपए लक्ष्य के सापेक्ष 136969.72 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो इस अवधि के निर्धारित लक्ष्य का 72.1 प्रतिशत है। इसी प्रकार माह दिसम्बर 2023 तक राजस्व प्राप्ति के वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 52.2 प्रतिशत की प्राप्ति हुई है।

खन्ना ने बताया कि जीएसटी के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2023 में कुल 6239.81 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई है जो माह दिसम्बर के निर्धारित लक्ष्य का 68 प्रतिशत है। जबकि गत् वर्ष दिसम्बर 2022 के माह में प्राप्ति रुपए 5246.74 करोड़ थी। इसी प्रकार जीएसटी के अंतर्गत गत वर्ष की तुलना में 993.07 करोड़ रुपए अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। वैट के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2023 में 2861.37 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत् वर्ष माह दिसम्बर 2022 में प्राप्ति 2764.41 करोड़ रुपए थी। माह दिसम्बर 2023 में वैट के अंतर्गत राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 74.5 प्रतिशत की प्राप्ति हुई है। इस प्रकार गत वर्ष इस मद के अंतर्गत राजस्व प्राप्ति की तुलना में इस वर्ष 96.96 करोड़ रुपए अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है।

29 निर्यातक इकाइयां 25 विभिन्न श्रेणियों में राज्य निर्यात पुरस्कार से सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योजना भवन स्थित सभागार में आयोजित राज्य निर्यात पुरस्कार समारोह 2022-23 में औद्योगिक विकास, एनआरआई, निवेश प्रोत्साहन एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन करने वाली प्रदेश की 29 निर्यातक इकाईयों को 25 विभिन्न श्रेणियों में राज्य निर्यात पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर नंदी ने पुरस्कृत इकाइयों को बधाई के साथ ही नव वर्ष की शुभ कामनाएं देते हुए उनसे आह्वान किया कि वे प्रदेश के औद्योगिक विकास में उत्तरोत्तर वृद्धि दर सुनिश्चित करते हुए विभिन्न अन्य राज्यों, देश व वैश्विक स्तर पर प्रदेश को गौरवान्वित करें तथा प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। प्रदेश के विभिन्न जनपदों के उत्कृष्ट निर्यात वाले निर्यातक बन्धुओं को सम्मान प्रदान करने तथा उनके उत्साहवर्धन के उद्देश्य से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग द्वारा आज यहां योजना भवन स्थित सभागार में राज्य निर्यात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन अमित मोहन प्रसाद द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रदेश से आये हुए उद्यमियों, निर्यातकों, भारत सरकार के अधिकारीगणों, विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों के सदस्यगणों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए निर्यातकों को सम्बोधित करते हुए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र द्वारा निर्यात प्रोत्साहन हेतु ईको सिस्टम तैयार किए जाने सम्बन्धी प्रदेश सरकार के प्रयासों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में प्रदेश से होने वाले निर्यात को बढ़ाने के उद्देश्य से, निर्यातकों द्वारा अनुभूत समस्याओंए उनके सम्भावित समाधानों एवं आवश्यकताओं से सम्बन्धित बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा हेतु सेक्टर स्पेसिफिक निर्यात संवर्धन परिषदों के साथ विशिष्ट संवाद सत्र का आयोजन भी किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में सदैव याद किया जाएगा मौलाना अली जौहर का अभूतपूर्व योगदान

● पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष को श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, नेहरू भवन पर प्रसिद्ध पत्रकार, शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मोहम्मद अली जौहर की पुण्यतिथि मनाई गई और देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया। इस मौके पर कांग्रेसजनों ने उनके प्रतिमा चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया कि खिलाफ त आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के नेता मोहम्मद अली जौहर ने आजादी के आन्दोलन में अग्रणी भूमिका निभाई और देशवासियों में अपनी कलम से आजादी की अलख जगाने वाले जौहर साहब ने 1911 में प्रसिद्ध समाचार पत्र कामरेड निकाला। जिसके प्रभाव से अंग्रेजी हुकूमत इतना घबरा गई कि अखबार पर 1914 में प्रतिबंध लगा दिया और मोहम्मद अली जौहर को 4 साल के लिए जेल भेज दिया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान को सदैव याद किया जाता रहेगा, उनके अभूतपूर्व सामूहिक प्रयास से जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय की स्थापना अलीगढ़ में हुई, जिसे आगे चलकर दिल्ली लाया गया, जो शिक्षण संस्थान आज भी पूरे विश्व में अपनी शिक्षा की कीर्ति फैला रहा है। अली बंधुओं के नाम से प्रसिद्ध मोहम्मद अली जौहर 1923 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित मोहम्मद अली जौहर पुण्यतिथि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष शाहनवाज आलम, प्रवक्ता अंशू अवस्थी, सुशीला शर्मा, अख्तर मालिक, शिवम त्रिपाठी,अनीस अख्तर मोदी, विजय कुमार आदि कांग्रेसजन शामिल हुए।

राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा यूपी में रहेगी सबसे अधिक दिन

लखनऊ। 14 जनवरी 2024 स राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरु हो रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा, जो मणिपुर से मुम्बई तक निर्धारित है। प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने उत्तर प्रदेश में यात्रा पर जानकारी देते हुए बताया कि वह सबसे ज्यादा समय उत्तर प्रदेश में 11 दिन रहेगी और 20 जनपदों से होकर गुजरेगी।

प्रवक्ता ने कहा कि देश में सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय तथा भारतीय जनता पार्टी की सरकार में बढ़ती गैर बराबरी के खिलाफ आम आदमी के उम्मीदों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। और उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के जनमानस की आवाज़ बनकर उभरेगी। न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश में आगरा में प्रवेश कर अलीगढ़, बरेली, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी होते हुए प्रयागराज, वाराणसी, होते हुए प्रदेश के 20 जनपदों से गुजरेगी। बताते चलें कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के 15 राज्यों के 110 जिलों को 66 दिन में 6700 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर मुम्बई मे समाप्त होगी।

कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा ने राजधानी में किया प्रवेश

लखनऊ। सहारनपुर से चल रही यूपी जोड़ो यात्रा 4 जनवरी 2024 को लखनऊ जनपद की सीमा में प्रवेश कर गई, जहां पर कांग्रेस जनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं, आमजनों ने इटौंजा टोल प्लाजा पर यूपी जोड़ो यात्रा का स्वागत किया, यात्रा का पड़ाव बख्शी तालाब में होगा और 5 एवं 6 जनवरी को लखनऊ जनपद में यात्रा तय मार्ग पूरा कर 6 जनवरी 2024 को शहीद स्मारक लखनऊ पहुंचकर शहीदों को नमन करने के उपरांत राजनीतिक संकल्प के साथ विराम लेगी। प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया कि 5 जनवरी को यात्रा बख्शी तालाब से प्रारंभ होकर आईआईएम रोड तिराहा होते हुए मड़ियांव, ताड़ीखाना, हाथी मंदिर, त्रिवेणी नगर, सीतापुर रोड होते हुए खदरा, पक्का पुल, टीले वाली मस्जिद, बड़ा इमामबाड़ा, चौक, अकबरी गेट, नक्खास तिराहा से यहियागंज होते हुए रकाबगंज लखनऊ स्थित आरके पैलेस पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी 6 जनवरी को रकाबगंज लखनऊ से प्रारंभ होकर रानीगंज, नाका चौराहा, होते हुए गुरुद्वारा, बांसमंडी चौराहा, अंबेडकर तिराहा, चारबाग, केकेसी के आगे छितवापुर, महाराणा प्रताप चौराहा, बर्लिंगटन चौराहा, शुभम टॉकीज चौराहा, कैसरबाग चौराहा होते हुए परिवर्तन चौक के रास्ते से शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों को नमन कर राजनीतिक संकल्प के साथ यात्रा का विराम होगा। लखनऊ में यात्रा के जगह-जगह स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सांसद नए ठहराव से जयपुर के लिए ट्रेन को करेंगे रवाना

संवाददाता। फर्रुखाबाद

सांसद मुकेश राजपूत 6 जनवरी को गोमती नगर से जयपुर जाने वाली नए ठहराव कायमगंज स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रेल प्रशासन ने पूर्वोत्तर रेलवे इंज्जतनगर मंडल के फर्रुखाबाद –कासगंज रेलखंड में जयपुर –गोमतीनगर (लखनऊ) के मध्य सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन संख्या 19715/19716 एक्सप्रेस का कायमगंज स्टेशन पर नया ठहराव प्रयोगिक तौर पर अग्रिम आदेशों तक के लिए किया है। यह जानकारी आज गुरुवार को पूर्वोत्तर रेलवे मंडल इंज्जतनगर के सीनियर डीसीएम संजीव शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर रेलवे इंज्जत नगर मंडल में फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज स्टेशन होकर सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार, शनिवार को गुजरने वाली 19715/19716 का नया ठहराव कायमगंज स्टेशन पर आगामी 6 जनवरी 2024 से रेल यात्रियों के लाभार्थ किया गया। रेल सूत्रों के अनुसार आगामी 6 जनवरी 2024 को गोमती नगर (लखनऊ) से सायं काल 4रू55 बजे जयपुर के लिए रवाना होने वाली 19716 एक्सप्रेस ट्रेन पूर्वोत्तर रेलवे के फर्रुखाबाद-कासगंज रेलखंड के मध्य नए ठहराव कायमगंज रेलवे स्टेशन पर रात्रि 22-34 बजे पहुंचेगी। यहां फर्रुखाबाद भाजपा सांसद एवं रेलवे संसदीय स्थाई सलाहकार समिति सदस्य मुकेश राजपूत इस ट्रेन को 22- 36 बजे हरी झंडी दिखाकर अगली स्टेशन के लिए रवाना करेंगे। इस दौरान पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल वाणिज्य प्रबंधक आशीष त्रिपाठी एवं उनके अधीनस्थ अधिकारीगण एवं कर्मचारी मौजूद रहेंगे इसी क्रम में जयपुर जंक्शन से गोमती नगर जाने वाली 19715 एक्सप्रेस ट्रेन सोमवार, बुधवार, शनिवार को नए ठहराव में कायमगंज रेलवे स्टेशन पर तड़के 4-58 बजे आएगी और 5.00 बजे यहां से अगली स्टेशन के लिए रवाना हो जाएगी। इधर जयपुर- गोमती नगर के मध्य चलने वाली ट्रेन संख्या 19715/19716 एक्सप्रेस ट्रेन का फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज स्टेशन पर नया ठहराव रेल यात्रियों के लाभार्थ किए जाने की प्रशंसा पूर्वोत्तर रेलवे इंज्जतनगर मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति सदस्य विपिन बिहारी सक्सेना ने की।

संजय सिंह की याचिका पर हाईकोर्ट ने पूर्व एएमए को लगाई फटकार

फतेहपुर। याची को गलत सूचना उपलब्ध कराने व उसकी निजता को प्रॉक्सी को देने के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निदेशक पंचायती राज को निर्देश देते हुए तत्कालीन अपर मुख्य अधिकारी लालिता सिंह पर दो माह में कार्रवाई का निर्देश दिया है। याची संजय सिंह की याचिका का निस्तारण करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायलय ने अपर मुख्य अधिकारी पर दो माह के भीतर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। विदित हो कि जिला पंचायत बांदा के विरुद्ध आवास विकास निवासी संजय सेंगर याचिका दाखिल कर हिन्दू क्षत्रिय होते हुए झूटे दस्तावेज़ों के ज़रिए अल्पसंख्यक बौद्ध का दर्जा हासिल कर महाविद्यालय सन्चालन करने समेत अन्य सरकारी लाभ हासिल करने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है जोकि विचाराधीन हैं वही वर्ष 21 में तैनात तत्कालीन अपर मुख्य अधिकारी से मांगी गई सूचना को सूचना के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करते हुए याचिकाकर्ता से जुड़ी जानकारी प्रॉक्सी व्यक्ति को देने के विरुद्ध याचिकाकर्ता द्वारा उच्च न्यायालय में एक अन्य याचिका दाखिल की गई थी। याचिका का निस्तारण करते हुए न्यायालय ने निदेशक पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश को अपर मुख्य अधिकारी पर नियमो का उल्लंघन करने पर कार्रवाई का निदेश दिया गया। याचिकाकर्ता संजय सिंह ने अपने अधिवक्ता बीरेंद्र सिंह के माध्यम से निदेशक पंचायती राज को उच्च न्यायालय के निर्णय की प्रतिलिपि भेजकर कार्रवाई की मांग किया है। वही याचिकाकर्ता ने बताया कि निदेशक द्वारा कार्रवाई की नही जाती तो वह न्यायालय की अवमानना को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा एक बार खटखटाने का काम करेंगे।

डीएम ने भारत संकल्प यात्रा का किया आयोजन

फतेहपुर। जिलाधिकारी सी.इंदुमती ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से अच्छादित करने के लिए कल पूर्वाह्न दस बजे से विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन जनपद के विकास खण्ड हथगाम के ग्राम पंचायत-राजापुर कस्बा, इरादतपुर चतुर्भुजपुर, ब्लॉक विजयीपुर के ग्राम पंचायत-कुम्हीं, सूदनपुर, ब्लॉक अमौली के ग्राम दामोदरपुर, पनेरुवा, ब्लॉक देवमई के ग्राम पंचायत-सरांय लंगर, मथुरापुर, ब्लॉक खजुहा के ग्राम पंचायत जोनिहा, बिलौना, ब्लॉक मलवा के ग्राम पंचायत आशापुर, अभयपुर, ब्लॉक बहुआ के ग्राम पंचायत चुरियानी, साखा,ब्लाक भिटौरा के ग्राम पंचायत फर्सी, चौड़ा में कैम्प व प्रचार वाहन के माध्यम से केंद्र /प्रदेश सरकार की योजनाओ से जागरूक करने के साथ ही पात्रों को योजनाओं से संतृप्त भी किया जायेगा, के लिए नोडल अधिकारी भी तैनात किए गए है जिनकी देखरेख में कार्यक्रम संपन्न होंगे।

माध्यमिक विद्यालयों का समय परिवर्तन न होने से आक्रोश

● भीषण ठंड में ठिठुर रहे शिक्षक, छात्र और छात्राएं

संडीला (हरदोई)। एक सप्ताह से अधिक समय से प्रदेश में चल रही भीषण शीतलहर में भी मा.विद्यालयों के समय में परिवर्तन न होने के कारण छात्र छात्राओं को भीषण ठंड में ठिठुरकर अध्ययन करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 1 से लेकर 8 तक के विद्यालयों में तो शीत अवकाश घोषित कर दिया है लेकिन मा. विद्यालयों में नहीं। मा. विद्यालय पूर्व निर्धारित समय के अनुसार प्रात: 8:50 बजे से पूर्वाहन 2 बजे तक खुल रहे हैं। छात्र छात्राओं को विद्यालय में 8:30 बजे उपस्थित होना पड़ता है क्योंकि 20 मिनट मॉर्निंग असेंबली के लिए निर्धारित हैं।

प्रात: 8:50 मिनट पर इस भीषण ठंड में माध्यमिक विद्यालयों में सहायता प्राप्त और ग्रामीण अंचलों के ग्रामीण विद्यालयों जहां सुविधा का पूर्ण अकाल है, दर्जनों ऐसे विद्यालय मिल जाएंगे जहां कमरों में पर्याप्त रोशनी तक नहीं होती है। छात्र छात्राओं को अपनी पढ़ाई जारी रखनी पड़ती है तथा शिक्षकगण को भी इस भीषण ठंड में अध्यापन करना पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या अधिक आयु के शिक्षकों या गंभीर बीमारी से पीड़ित शिक्षकों के समक्ष उत्पन्न होती है। इस भीषण ठंड में कई शिक्षक ठंड में उत्पन्न होने वाली कई समस्याओं का शिकार भी हुए हैं लेकिन प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग की इसपर नज़र पड़ रही है और न ही जनपद स्तर पर तैनात जिम्मेदार अधिकारियों की। भीषण कोहरे में ग्रामीण अंचलों से आने वाले कई छात्र छात्राएं दुर्घटनाओं का भी शिकार हुए हैं। तहसील के ही 3 छात्रों की मृत्यु हुई है। जबकि आधा दर्जन से अधिक छात्र छात्राएं घायल हुए हैं।

हरेक सीएचसी में पचास बेड बढ़ाकर दिया जायेगा फील्ड हास्पिटल का नाम

● हरेक को मिलेगे सवा तीन करोड़ का बजट

हमीरपुर। जिले में सभी नौ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी) को पचास बेड बढ़ाकर सौ बेड करने का फैसला शासन ने किया है। इन्हे फील्ड हास्पिटल के नाम से जाना जायेगा। इसके लिये हरेक सीएचसी को सवा तीन करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया जायेगा। जिले में राठ, गोहांड, सरीला, मुस्करा, नौरंगा, छानी, इमिलिया, मौदहा, कुरारा समेत नौ पीएचसी कार्यरत है। मगर अभी भी गोहांड, इमिलिया, नौरंग को पूर्ण रुप से सीएचसी का दर्जा नही मिला है। शीघ्र ही सीएचसी का दर्जा मिल जायेगा। हरेक सीएचसी पहले से ही तीस बेड की बनी है,हरेक में शासन ने कोविड को देखते हुये बीस बेड का कोविड वार्ड बनवा दिया गया है। इस प्रकार हरेक सीएचसी पचास बेड की हो गयी है। शासन का मानना है कि बढ़ती जनसंख्या के अनुसार हरेक को बगल में भूमि लेकर पचास बेड का फील्ड हास्पिटल का निर्माण किया जायेगा। सीएमओ कार्यालय के अवर अभियंता आरके अवस्थी ने गुरुवार को बताया कि इस प्रकार सौ बेड की हर सीएचसी का निर्माण किया जायेगा। यदि किसी सीएचसी में स्थान नही होगा तो आसपास सराकारी जर्जर अस्पतालों को तोड़कर पचास बेड का फील्ड हास्पिटल का निर्माण किया जायेगा। हरेक को सवा तीन करोड रुपये बजट देने का फैसला किया गया है। शासन ने कहा है कि सीएचसी में भूमि का सर्वे किया जाये। बताया जाता है कि जिले में कई नये चिकित्सालय बनकर तैयार हो गये है मगर उनमे डाक्टर व स्वास्थ्य कर्मी नही है जिससे चमचमाती इमारते बर्वाद हो रही है। मगर शासनादेश के मुताबिक इमारतो का निर्माण किया जा रहा है।

दामाद की मौत पर सास-ससुर समेत सात पर हत्या का केस

● न्यायालय के आदेश पर 5 माह बाद दर्ज हुआ मुकदमा

फतेहपुर। महीनो पहले प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत के तीन दिन बाद पति की संदिग्ध मौत के मामले में न्यायालय के आदेश पर युवक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सास ससुर साला सरहज समेत 7 के विरुद्ध हत्या करने का केस दर्ज किया है। बांदा जनपद के देबिन का डेरा मजरे जलालपुर थाना बबेरू निवासी रामखेलावन निषाद पुत्र बुधराज ने न्यायालय में वाद दायर किया था कि मेरे भाई कल्लू की शादी नरौली मजरे गढ़ा थाना किशनपुर में सूरजभान के पुत्री गीता देवी के साथ हुई थी। कल्लू पंजाब में नौकरी करता था उसकी पत्नी गीता नरौली में पिता सूरजभान के घर रहती थी। बीते 17 जुलाई को गीता देवी को प्रसव पीड़ा हुई तो उसके परिजन अच्छे अस्पताल नहीं ले गए जिससे जच्चा बच्चा दोनों की मौत हो गई थी जिसकी सूचना पर मेरा भाई कल्लू नरौली गांव पहुंचा था जो पत्नी गीता का शव अपने गांव लाना चाहता था परंतु सास, ससुर, साला व साढ़ू नहीं लाने दिए। दबाव में भाई ने पत्नी का वहीं पर अंतिम संस्कार किया। इसके बाद हम लोग चले आए, कल्लू वहीं था फिर 19 जुलाई को खबर मिली कि कल्लू ने ससुराल में फांसी लगा लिया है परंतु जब हम लोगों ने जाकर देखा तो कल्लू ने फांसी नहीं लगाई थी बल्कि ससुर सूरजभान व उसकी पत्नी फूला देवी उसका लड़का राजकुमार रवि कुमार और कल्लू का साढ़ू मंगल और उसकी पत्नी राजरानी निवासी पिपरहा डेरा थाना मरका जनपद बांदा ने हत्या करके शव फंदे पर टांग दिया था। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर न्यायालय ने सभी आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए थे, जिसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध हत्या करने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष जेपी शाही ने बताया न्यायालय के आदेश पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

एसपी ने पैदल गश्त कर परखी कानून व्यवस्था

फ़तेहपुर। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने सदर कोतवाली क्षेत्र के तहत भीड़भाड़ वाले प्रमुख चौराहों एव मार्गो का मय फोर्स के निरीक्षण कर कानून व्यवास्था जा जायज़ा लिया। इस दौरान एसपी ने व्यापारियों एव सम्भ्रान्त नागरिकों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओ को जाना एव व्यापारियों से सुरक्षा की दृष्टिगत अपने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर सीसी कैमरे लगवाने की बात कही। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह द्वारा बुलेट चौराहा, पत्थर कटरा चौराहा, पटेल नगर चौराहा, आईटीआई रोड, वर्मा चौराहा पैदल गस्त कर चेकिंग की गई। इस दौरान सड़क के इर्द गिर्द आकारण खड़े लोगो से पूछताछ कर उन्हें जाने को कहा गया। यतायात मे बाधक बने फुटपाथ पर अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाए जाने के भी निर्देश दिए। पुलिस ने पैदल गश्त कर खाकी ने लोगो को सुरक्षा का एहसास दिलाया। वही एसपी के निर्देश पर जिले के अन्य थाना क्षेत्रों में सम्बंधित क्षेत्राधिकारी एव प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष द्वारा भारी पुलिस बल के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्र में पैदल गश्त करते हुये आमजनमानस को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।

क्विक न्यूज

बर्थडे पार्टी में गई मासूम से रेप

फतेहपुर। जिले में इंसानियत को शर्मशार करने वाला मामला सामने आया है। यहां बर्थडे पार्टी में गई मासूम के साथ एक युवक ने रेप की वारदात को अंजाम दे डाला। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश की शुरू कर दी है। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक मुहल्ले में तीस दिसम्बर की शाम एक बच्चे के जन्म दिन की पार्टी थी। कार्यक्रम में पड़ोस की रहने वाली एक महिला की 5 वर्षीय बेटी भी गई थी। इस दौरान जिस बच्चे की बर्थ डे पार्टी थी, उसी के बड़े भाई संदीप उर्फदीपू बच्ची को टॉफी देने के बहाने घर की छत पर ले गया और उसके साथ दरिंदगी की। साथ ही आरोपी ने घटना के बारे में किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। रोते बिलखते घर पहुंची बच्ची की हालत बिगड़ी देखकर मां ने पूंछा तो आपबीती दास्तां सुनाई। बच्ची की मां ने कोतवाली पुलिस को घटना का शिकायती पत्र दिया। कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि बच्ची का मेडिकल कराने के बाद आरोपी युवक के खिलाफकानून संगत धाराओं में केस दर्ज किया गया है। तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपी पुलिस हिरासत में होगा।

आज का दिन हम सबके लिये गौरव का दिन है: डा.नरेंद्र निगम

हमीरपुर। इलैक्ट्रो होम्योपैथी ने गुरुवार को अधिकारिता दिवस के अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल एसोसियेशन आफइंडिया के बुंदेलखंड प्रभारी डा. नरेंद्र भूषण निगम ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिये गौरव का दिन है।इस क्षेत्र में काम करने के लिये सारी बाधायें दूर करते हुये अधिकार प्रदान किया था। प्रभारी ने कहा कि अधिकारिता दिवस के रुप कार्यक्रम मनाये जाने की पंरपरा है। भारत सरकार ने भी इलेक्ट्रोहोम्यपैथी से चिकित्सा पद्धति अनुसंधान हेतु 21 जून 2011 को आदेश जारी किया था। बुन्देलखंड प्रभारी गणेश सिंह ने कहा कि इस पद्वति से लोगो के असाध्य रोगो को समाप्त किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि हम अपनी क्षमता का परिचय दे। डा.मानसी ने कहा कि अधिकारिता दिवस चार जनवरी से 11 जनवरी तक अधिकारिता सप्ताह मनाकर लोगो को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाये।

किशोर ने पतलून का फंदा बनाकर जान दी

मौदहा, हमीरपुर। तहसील क्षेत्र के एक गांव में बीती देर शाम एक किशोर ने बबूल के पेड़ में अपनी पतलून का फंदा बनाकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। वही सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की है। थाना सिसोलर क्षेत्र के परेहटा गांव निवासी संदीप उर्फछोटू 15 पुत्र लल्लू ने 3 जनवरी की देर शाम अपने खेत में लगे बबूल के पेड़ पर पहने हुए लोअर का फंदा बनाकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। वहीं मृतक के चाचा धरूराम ने बताया कि मृतक संदीप घर की बकरियां चराता था लेकिन 3 जनवरी को वह बकरियां चराने के लिए नहीं गया था और जब देर शाम तक वह वापस घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसको तलाशना शुरू कर दिया। हालांकि पूरे गांव में उसको खोजा गया लेकिन जब वह नहीं मिला तो बड़े सवेरे जब खेतों की तरफखोजने हेतु गये तो बबूल के पेड़ से संदीप अपनी लोअर का फंदा बनाकर फांसी पर लटका हुआ था जिसे देखकर परिजनों के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। मृतक दो भाइयों में सबसे छोटा भाई है। वहीं सिसोलर थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसमें मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया है।

अपराधी तमंचा के साथ गिरफ्तार

मौदहा हमीरपुर। हत्या के प्रयास का शातिर को अवैध तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल। बताते चले कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मौदहा पुलिस द्वारा आई पी सी की धारा 147, 148, 149, 307, 411 व धारा 307 थाना राठ से सम्बन्धित वारंटी आरोपी महेंद्र यादव पुत्र मुन्ना यादव निवासी ग्राम रमना किशनपुर मौदहा को गिरफ्तार कर आरोपी युवक के कब्जे से एक अदद अवैध तमन्चा व कारतूस बरामद करके थान धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत किया है गिरफ्तारी करने वाली टीम उनि शिवशंकर पाण्डेय, रमेश यादवए लाल सुवीर गोपाल सिंह, रजनीकान्त मिश्रा, अमरेश सिंह, गोपाल कुशवाहा, विनीत कुमार आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

पांच किलो सात सौ ग्राम गांजा के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

हमीरपुर। जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस ने छापा मारकर पांच किलोग्राम 700 ग्राम गांजा के साथ महिला समेत दो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के इंगोहटा गांव में सुमेरपुर पुलिस ने मोइन खां निवासी मौदहा व मौदहा कस्वा निवासी महिला को पांच किलोग्राम सात सौ ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि दोनो कई महीनों से गांजा विक्री करने का अवैध धंधा कर रहे थे। पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया है।

धार्मिक कार्यक्रम में जा रहे वृद्ध की बस की चपेट में आकर मौत

संडीला (हरदोई)। तेज़ गति से आ रही रोडवेज़ बस की चपेट में आकर साइकिल से जा रहा एक वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम ऊंचागांव निवासी बाबूलाल साइकिल से एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए घर से निकले। जब वे संडीला मल्लावां मार्ग गोसवां के पास पहुंचे तो तभी संडीला की ओर से जा रही रोडवेज़ बस की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कथन है कि रोडवेज़ बस तेज़ और अनियंत्रित गति से आ रही थी। यही कारण है कि बाबू लाल सड़क के किनारे होते हुए भी उसकी चपेट में आ गए तथा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उठाकर सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज करके शव को कब्ज़े में लिया है। बस चालक बस को छोड़कर फ़रार हो गया।

वाहन चेकिंग अभियान चला कर हेलमेट पहनने की हिदायत दी

वाहनों की चेकिंग करते यातायात प्रभारी।

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशानुसार व अपर पुलिस अधीक्षक संसार सिंह के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डा. प्रियंका वाजपेई के नेतृत्व में यातायात प्रभारी आफाक खान द्वारा कन्नौज शहर के विभिन्न स्थानों में वाहन चेकिंग की गई। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग ब्रेथ एनालाइजर से की गई। बैरियर चेकिंग में पाल चौराहा में चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए हिदायत देते हुए चालान किये जाने की चेतावनी दी। पाल चौराहे में ट्रैक्टर ट्रालियों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए। यातायात प्रभारी द्वारा कई वाहन चालकों को जो सवारी वाहनों में माल ढोने का काम करते हैं। और माल ढोने वाली गाड़ियों में सवारी बैठाकर ले जाने का काम करते हैं। उनको यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उचित कार्यवाही भी की जा रही है। प्रभारी द्वारा बताया गया कि सवारी वाहनों में टेंपो एवं ऑटो में जो चालक मानक से अधिक सवारियां बैठाकर ओवरलोडिंग कर रहे हैं। उनके विरुद्ध अभियान चला कर कार्रवाई की जाएगी।

अक्षत कलश यात्रा पर बरसाए फूल

फर्रुखाबाद। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर प्रांण प्रतिष्ठा सम्पर्क अभियान के तत्वावधान में श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम से आये पूजित अक्षत कलश की फतेहगढ़ नगर में शोभा यात्रा दिनांक 03 जनवरी दिन बुधवार पूर्वान्ह 11.00 बजे से गमा देवी मंदिर जेएनवी रोड फतेहगढ़ से प्रारंभ होकर पीडब्ल्यूडी तिराहे होते हुए फतेहगढ़ चौराहा कोतवाली फतेहगढ़ मुख्य मार्ग से नवदिया ठाकुर द्वारा मंदिर पर विराट शोभा यात्रा निकाली गई इस शोभायात्रा में अयोध्या से निमंत्रण स्वरूप आये पुनीत अक्षत एक कलश में रखकर आचार्य प्रदीप नारायण शुक्ला रथ पर विराजमान थे।

जेएनवी रोड से निकली यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। इसमें भारी संख्या में माता बहनों एवं सभी राम भक्तों ने हिस्सा लिया। पूजित अक्षतों को घर-घर पहुंचा जाएगा और 22 जनवरी को सभी घरों में दीपक जलाने का आवाहन किया गया। इसी के साथ-साथ समस्त मंदिरों में घंटे घड़ियाल के साथ 22 जनवरी को पूजा करने का आवाहन किया गया। शोभायात्रा में राष्ट्रीय स्वयं संघ के जिला प्रचारक प्रवीण जी, ऋषि दत्त शुक्ला गुड्डू पंडित, संजीव सोमवंशी, अनिल प्रताप सिंह, राठौर नगर के पलक श्री अनिल सिंह राठौड़ ददुआ, श्री संजय सिंह राठौर, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, पप्पू भदौरिया, जवाहर मिश्र, ऋषिदत्त, रामशंकर चित्रांश, उमेश चतुर्वेदी, शानू दुबे, प्रवनेश सक्सेना, रामकुमार सामवेदी, गोविन्द सिंह मुन्नालाल वार्ष्णेय, ओमप्रकाश त्रिपाठी, जीत बहादुर सिंह सूर्यप्रकाश दुबे आदि उपस्थित रहे ।

विधायक ने किया स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ

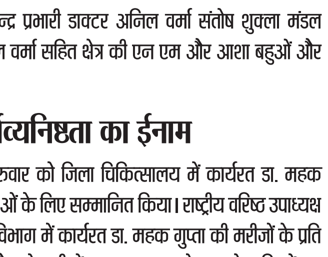

बेहजम खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहजम में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू ने फीता काट कर स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ किया। वहीं कैम्प में मनोचिकित्सक डाक्टर अखिलेश शुक्ला ने पंजीकृत मरीजों को स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरण किया गया इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डाक्टर अनिल वर्मा संतोष शुक्ला मंडल अध्यक्ष संजय दीक्षित पूर्व ब्लाक प्रमुख अनिल वर्मा सहित क्षेत्र की एन एम और आशा बहुओं और स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

डा. महक गुप्ता को मिला कर्तव्यनिष्ठता का ईनाम

फतेहपुर। भारतीय दोसर वैश्य समिति ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय में कार्यरत डा. महक गुप्ता को उनकी चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि आकस्मिक विभाग में कार्यरत डा. महक गुप्ता की मरीजों के प्रति संवेदना तथा चिकित्सीय सेवा काबिले गौर है, जो मरीजों का इलाज करके अपने दायित्वों का निर्वाहन बखूबी कर रही है। इससे प्रभावित होकर तथा उनके उत्साहवर्धन हेतु पदाधिकारियों ने उनको सम्मानित किया है। इस मौके पर महासमिति जिलाध्यक्ष नारायण बाबू गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सुशील गुप्ता फौजी, जिला संगठन मंत्री आनंद गुप्ता भी मौजूद रहे।

आज विभिन्न ग्रामों में होंगे संकल्प यात्रा कार्यक्रम

डीएम ने कलेक्ट्रेट में सुनीं जनसमस्याएँ

फतेहपुर। जिलाधिकारी श्रीमती सी. इंदुमती ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन में दूर दराज क्षेत्र से आए हुए फरियादियों की समस्याओं को सरल एवं सहज भाव से सुना और फरियादियों को आश्वस्त किया कि समयबद्धता के साथ नियमानुसार शिकायतो का निस्तारण किया जायेगा। आज जनता दर्शन के दौरान 44 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को प्रार्थना-पत्र में निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों को पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक ढंग से समय सीमा के अंतर्गत प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया जाय।

रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पर मनायें दीपोत्सव: अशोक गुप्ता

● वरिष्ठ समाजसेवी नें 22 जनवरी के गौरवशाली पल को मनानें की अपील की

गुरसहायगंज (कन्नौज)। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर में भगवान रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी जिसकी साक्षी पूरी दुनिया बनेंगी। कहा कि जो भी भक्त अयोध्या न पहुंच पायें वह अपने घर एवं मंदिर को सजाकर बडे ही हर्षोल्लास के साथ दीपोत्सव पर्व मनायें।

यह बात गुरूवार को नगर के रेलवे रोड स्थित आवास कार्यालय पर वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता नें कही। कहा कि सनातन धर्म के लोगों की 500 वर्षों की तपस्या, संघर्षों और बलिदानों के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर का सपना साकार होने जा रहा है। आने वाली 22 जनवरी का दिन हम लोगों के लिए सौभाग्यशाली होने के साथ ही गौरवशाली भी होगा। कहा कि भाजपा सरकार नें सदैव ही सनातन धर्म के लोगों के हितों व आस्था का सम्मान किया है। इस दौरान उनके साथ मनोज गुप्ता, कमल कुशवाहा, रानू गुप्ता, गंगा सिंह कुशवाहा, नवल गुप्ता, दीपक सिंह, कुलदीप बाथम आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ समाजसेवी का फाईल फोटो।

रोमाचक मैच में स्टार क्लब क्रिकेट अकादमी ने महोबा का 1 रन से हराया

घाटमपुर। नगर के मूसानगर रोड पर स्थित एक महाविद्यालय के मैदान में खेले जा रहे शोभिटल कप क्रिकेट टूर्नामेंट में आज चौथे दिन एक रोमाचित मैच में स्टार क्रिकेट क्लब अकादमी ने महोबा को मात्र एक रन से हरा दिया, पहले टास जीत कर बललेबाजी करते हुए स्टार क्रिकेट क्लब अकादमी ने निरधारित 18 ओवरों में 8 बिकेट खोकर 152 रन बनाये, जिसमें बिनीत 45 और अभिषेक पाल 33 रन बनाये, अमन व किरन पाल ने भी क्रमसा 18 व 19 रनों का योगदान किया, महोबा की तरफ से गेंन्दबाजी करते हुए साहिल, उत्कर्ष तथा अमित ने दो-दो बिकेट लिये, लक्ष्य का पीछा करते हुए महोबा की टीम ने 18 ओवरों में 151 रन ही बना पायी, महोबा की ओर से ऋतुराज पटेल ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाये जबकि यथार्थ 29 व उत्कर्ष तिवारी ने 24 रनों का योगदान किया मैन ऑफ बिनीत को घोषित किया गया।

गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर निकला जुलूस

औरंगाबादध्चपरतला खीरी। गुरु गोविंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में मैगलगंज क्षेत्र में सिख समुदाय के लोगों के द्वारा सड़कों पर जुलूस निकालकर तमाम हैरत कर देने वाले अभिनय को भी किया गया।

गुरु गोविंद सिंह जयंती के उपलक्ष्य में औरंगाबाद क्षेत्र स्थित फरिया पिपरिया के गुरुद्वारा से पंच प्यारे व हजारों की संख्या में सिख समुदाय के पुरुषए महिला व बच्चों की मौजूदगी में जुलूस का आयोजन किया गया। जो बरबर मार्ग से औरंगाबाद होते हुए मैगलगंज स्थित गुरुद्वारे पर जाकर समाप्त हुआ। जुलूस की तैयारी सिख समुदाय के द्वारा देर रात्रि से ही शुरू कर दी गई थी जिस मार्ग से जुलूस निकालना था उस मार्ग को सुबह से ही पानी से पूरी तरीके से धूल दिया गया था। साथ ही हजारों की संख्या में सिख समुदाय की महिलाएं बच्चे व पुरुषों ने जुलूस में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। वही जुलूस में ही पंच प्यारे के सम्मुख तमाम हैरत कर देने वाले अभिनय को भी प्रस्तुत किया गया। जगह.जगह लोगों के द्वारा प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई थी। मैगलगंज में सलूजा फार्म हाउस के स्वामी सैंकी सलूजा के साथ.साथ तमाम सिख समुदाय से ताल्लुक रखने वाले व्यापारियों ने जगह.जगह पंडाल आदि लगाकर जुलूस में चल रहे लोगों का मिष्ठान्न फल आदि वितरण कर स्वागत किया गया।

लाखों के जेवर और नगदी चुरा ले गए चोर

गोला गोकर्णनाथए खीरी। शहर के एक मोहल्ले से चोर लाखों के जेवरए नगदी चुराकर भाग निकले। मोहल्ला अर्जुन नगर निवासी प्रवीण कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि 3 जनवरी को उसका स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण वह परिवार सहित नगर के मोहल्ला लक्ष्मी नगर निवासी भाई दिनेश कुमार के यहां चला गया था।4 जनवरी को सुबह जब वह घर पर आया तो वहां से चालीस हजार रुपयेए हारएपायलए अंगूठी सहित सोनेए चांदी के जेवरए टैबलेट आदि को अज्ञात चोरों द्वारा चुरा लिया गया।

महादेव ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने नया आरोपपत्र दाखिल किया

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने महादेव ऑनलाइन बुक ऐप के जरिए गैरकानूनी सट्टेबाजी और गेमिंग से जुड़े कथित धनशोधन के मामले में रायपुर की विशेष अदालत में नया आरोपपत्र दाखिल किया। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी ने दूसरे अभियोजन शिकायत (आरोप) को दुबई के अधिकारियों से भी साझा किया है ताकि ऐप के दो प्रमुख प्रवर्तकों रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर का निर्वासन या प्रत्यर्पण कराया जा सके।

दोनों को हाल में ईडी की पहल पर इंटरपोल द्वारा जारी रेड नोटिस के तहत दुबई में हिरासत में लिया गया था। माना जा रहा है कि एजेंसी ने पहले आरोप पत्र की सामग्री संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों से साझा की थी जिसके आधार पर दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया और इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लगभग 1,700- l,800 पन्नों का नया आरोपपत्र एक जनवरी को दायर किया गया जिसमें पांच लोगों

●संघीय एजेंसी ने दूसरी अभियोजन शिकायत (आरोप) को दुबई के अधिकारियों से भी साझा किया है ताकि ऐप के दो प्रमुख प्रवर्तकों रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर का निर्वासन या प्रत्यर्पण कराया जा सके

को आरोपी के रूप में नामित किया गया है। इनमें कथित कैश कूरियर असीम दास, पुलिस कांस्टेबल भीम सिंह यादव, ऐप से जुड़े एक प्रमुख कार्यकारी शुभम सोनी और अन्य शामिल हैं। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत द्वारा 10 जनवरी को आरोपपत्र पर संज्ञान लेने की उम्मीद है। दिसंबर में पीटीआई-भाषा ने खबर दी थी कि संघीय एजेंसी जल्द ही मामले में दूसरा आरोपपत्र दायर करेगी और दो प्रवर्तकों के खिलाफ अपने मामले को मजबूत करने और उनकी हिरासत प्राप्त करने के लिए दुबई के अधिकारियों के साथ इसकी सामग्री साझा करेगी। ईडी ने दास और यादव को नवंबर में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले गिरफ्तार किया था। ऐप के कथित मालिक सोनी ने पहले एक वीडियो बयान जारी किया था और ईडी को एक हलफनामा भेज कर दावा किया गया था कि ऐप को बिना कानूनी कार्वाई अपना अवैध कारोबार करने की अनुमति देने के लिए नेताओं और उनसे जुड़े व्यक्तियों को दी गई रिश्वत के सबूत हैं। एजेंसी ने रायपुर में विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष दायर अपने पहले आरोप पत्र में चंद्राकर और उप्पल के साथ कुछ अन्य लोगों को भी नामित किया था। एजेंसी ने नवंबर में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले दावा किया था कि फोरेंसिक विश्लेषण और असीम दास के बयान से चौंकाने वाले आरोप लगे हैं कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तकों ने छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल को लगभग 508 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। हालांकि, ईडी ने साथ में यह भी कहा कि ए आरोप जांच का विषय है। बघेल ने इन आरोपों को उनकी छवि खराब करने का प्रयास बताया था जबकि कांग्रेस ने इसे अपने (तत्कालीन)मुख्यमंत्री के खिलाफ केंद्र की बदले की राजनीति करार दिया था।

देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,423 दर्ज की गई

नई दिल्ली(भाषा)। भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 760 नए मामले सामने आए हैं, जबकि संक्रमण से दो लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,423 दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में केरल और कर्नाटक में संक्रमण से एक-एक व्यक्ति की मृत्यु की सूचना है। कोरोना वायरस के नए स्वरूप के सामने आने और ठंड के मौसम की स्थिति के कारण पांच दिसंबर के बाद कोविड-19 के मामलों में इजाफा हुआ। वर्ष 2020 में महामारी की शुरुआत के बाद इसके चरम पर पहुंचने के दौरान संक्रमितों की दैनिक संख्या लाखों में थी। महामारी की शुरुआत के बाद से करीब चार साल में देश भर में 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और संक्रमण से 5.3 लाख लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या 4.4 करोड़ से अधिक है। संक्रमण से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है।

इस्कॉन द्वारा आयोजित नई दिल्ली से अयोध्या की श्रीराम पद यात्रा में कानपुर में भाग लेते भक्तगण

कोर्ट ने एसएनजेपीसी कार्यान्वयन के लिए सभी उच्च न्यायालयों में दो सदस्ईय समिति बनाने को कहा

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उच्च न्यायालयों में दो-न्यायाधीशों की समिति गठित करने की सिफारिश की है कि दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग के अनुसार न्यायिक अधिकारियों के लिए वेतन, पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों पर आदेशों का कार्यान्वयन किया जाए। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारियों को भी उनकी मेडिकल जांच के लिए नकदी रहित (कैशलेस) सुविधाएं मिलेंगी।

यह देखते हुए कि इस मुद्दे पर फैसला तैयार है और जल्द ही सुनाया जाएगा पीठ ने कहा कि उसने दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। एसएनजेपीसी की सिफारिशों में जिला न्यायपालिका की सेवा शर्तों के विषयों को निर्धारित करने के लिए एक स्थाई तंत्र स्थापित करने के मुद्दे से निपटने के अलावा वेतन संरचना, पेंशन और पारिवारिक पेंशन एवं भत्ते शामिल हैं।

फैसला अभी सुनाया जाना बाकी है। प्रधान न्यायाधीश ने हालांकि इनमें से कुछ का विवरण देते हुए कहा कि एसएनजेपीसी से संबंधित मुद्दों और सेवारत एवं पूर्व न्यायिक अधिकारियों की अन्य शिकायतों से निपटने के लिए प्रत्एक उच्च न्यायालय में दो व्यक्तियों की एक समिति होगी, जिसमें जिला न्यायपालिका से पदोन्नत एक न्यायाधीश सहित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के महापंजीयक समिति के पदेन सचिव होंगे, जिसके नोडल अधिकारी के रूप में एक पूर्व जिला न्यायाधीश होंगे।

ज्ञानवापी मस्जिद की एएसआई सर्वेक्षण रिपोर्ट पक्षकारों को सौंपने के मामले में फैसला आज

भाषा। वाराणसी

वाराणसी की जिला अदालत ज्ञानवापी मस्जिद की एएसआई सर्वे रिपोर्ट पक्षकारों को सौंपने के मामले में अब पांच जनवरी को फैसला सुनाएगी। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिला न्यायाधीश ए. के. विश्वेश आज महामना मदन मोहन मालवीय के जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। उन्होंने बताया कि साथ ही कचहरी परिसर में एक वकील के निधन पर शोक मनाए जाने की वजह से भी अदालत की कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी, लिहाजा जिला न्यायाधीश ने आदेश सुनाने के लिए पांच जनवरी की तारीख तय की है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बुधवार को ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट को खोलने और पक्षकारों को सौंपने के लिए जिला अदालत से चार सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया था जिसके बाद

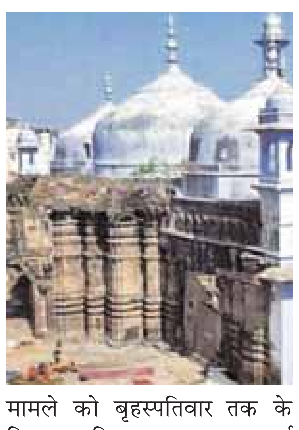

मामले को बृहस्पतिवार तक के लिए टाल दिया गया था। एएसआई ने चार सप्ताह का समय मांगते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हालिया फैसले का हवाला दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले साल 19 दिसंबर को वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद की मौजूदगी वाली जगह पर कथित मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग संबंधी मुकदमे की पोषणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्षों की कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि वर्ष 1991 का पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) किसी प्रार्थनागृह के धार्मिक चरित्र को परिभाषित नहीं करता है और इसे केवल विरोधी पक्षों द्वारा अदालत में प्रस्तुत साक्ष्य के माध्यम से निर्धारित किया जा सकता है। न्यायालय ने निचली अदालत को इस मामले को छह महीने के अंदर निपटाने के निर्देश देते हुए कहा था कि अगर जरूरी हो तो निचली अदालत एएसआई को परिसर के छूटे हुए हिस्से का सर्वेक्षण करने का निर्देश दे सकती है। जिला अदालत के 21 जुलाई 2023 के आदेश के बाद एएसआई ने काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया था। इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि 17 वीं शताब्दी में बनी ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था या नहीं।

कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यात्रा का नाम बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा रखा

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से मुंबई तक 14 जनवरी से शुरू होने वाली यात्रा का बृहस्पतिवार को नाम बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर दिया। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश सहित 15 राज्यों से होकर गुजरेगी। यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में पार्टी महासचिवों, राज्य प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों और कांग्रेस विधायक दल के नेताओं की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसकी घोषणा की। पहले इसका नाम भारत न्याय यात्रा था। रमेश ने कहा कि कांग्रेस विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के नेताओं को इस यात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रही है और बताया कि इसके लिए निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 6,713 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बसों के जरिए और पैदल तय की जाएगी। इसमें 110 जिले, लगभग 100 लोकसभा सीटें और 337 विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे।

किशोरियों पर फैसले में कुछ पैराग्राफ समस्या पैदा करने वाले : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि किशोरियों को यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की सलाह देने संबंधी कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक फैसले में कुछ पैराग्राफ समस्या पैदा करने वाले हैं और इस तरह का निर्णय लिखना बिल्कुल गलत है। पश्चिम बंगाल सरकार ने शीर्ष न्यायालय को सूचित किया कि उसने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए एक अपील दायर की है। शीर्ष न्यायालय ने इस फैसले की पिछले साल आठ दिसंबर को आलोचना की थी और उच्च न्यायालय की कुछ टिप्पणियों को अत्यधिक आपत्तिजनक और पूरी तरह से अवांछित करार दिया था। शीर्ष अदालत ने इस विषय में स्वत: संज्ञान लेते हुए एक रिट याचिका दायर की है। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि फैसले लिखते समय न्यायाधीशों से उपदेश देने की उम्मीद नहीं की जाती है। यह विषय बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने पीठ को बताया कि राज्य ने उच्च न्यायालय के 18 अक्टूबर के फैसले के खिलाफ शीर्ष न्यायालय में एक अपील दायर की है। उन्होंने कहा, अपील आज इस अदालत की दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की गई। पीठ ने कहा कि स्वत: संज्ञान वाली रिट याचिका और राज्य सरकार द्वारा दायर अपील की सुनवाई साथ में की जाएगी। न्यायालय ने कहा, यह केवल टिप्पणियों के बारे में नहीं है। किस तरह के निष्कर्ष निकाले गए हैं, उन्हें देखिए। इस तरह के फैसले बिल्कुल गलत हैं...न्यायाधीशों ने किस तरह के सिद्धांतों का अनुसरण किया है। सुनवाई के दौरान, अहमदी ने उच्च न्यायालय के फैसले के एक पैराग्राफ का उल्लेख किया।

भोजन के समय और हृदय रोग के जोखिम के बीच है संबंध

अध्ययन

नई दिल्ली (भाषा)। अगर आप सुबह आठ बजे तक नाश्ता और रात आठ बजे रात का खाना खा लेते हैं तो एक हालिया अध्ययन के मुताबिक आप हृदय रोग के जोखिम को कई गुना कम कर सकते हैं। व्यस्त और भागदौड़ भरी दिनचर्या वाले लोगों के लिए चिकित्सक इसे हृदय संबंधी बीमारियों से बचने का एक मंत्र मानते हैं। एक अध्ययन का हवाला देते हुए डॉक्टरों ने जल्दी, नियमित और सही समय पर भोजन के महत्व पर जोर दिया है।

फ्रांस में यूनिवर्सिटी सोरबोन पेरिस नॉर्ड के नेतृत्व में एक अध्ययन में भोजन के समय और हृदय रोग (सीवीडी) के जोखिम के बीच संबंध बताया गया है, जो भारत के लिए विशेष रुचि का विषय है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज-2022 अध्ययन के अनुसार, भारत में प्रति एक लाख जनसंख्या पर हृदय संबंधी मृत्यु दर 272 है, जो वैश्विक औसत 235 से बहुत अधिक है। सीवीडी हृदय और रक्त वाहिकाओं के विकारों का एक समूह है और इसमें कोरोनरी हृदय रोग, सेरेब्रोवास्कुलर रोग, रूमेटिक हृदय रोग और अन्य स्थितियां शामिल हैं।

नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित फ्रांसीसी अध्ययन में पाया गया कि दिन का पहला और आखिरी भोजन जल्दी खाने के साथ-साथ रात के समय लंबे समय तक उपवास करने से हृदय रोगों का खतरा कम हो सकता है। यह 2019 में 1.86 करोड़ वार्षिक मौतों के साथ दुनिया में मृत्यु दर का प्रमुख कारण है, जिनमें से लगभग 79 लाख मौतें आहार के कारण होती हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार, निष्कर्ष में अतिरिक्त वैज्ञानिक अध्ययनों के माध्यम से हृदय रोग को रोकने में भोजन के समय की संभावित भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। यह अध्ययन विशिष्ट रूप से भारत को ध्यान में रखकर नहीं किया गया है लेकिन उत्तर प्रदेश के कानपुर में रीजेंसी अस्पताल के कन्सलटेंट हृदय रोग विशेषज्ञ अभिनीत गुप्ता ने कहा कि देश में हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को देखते हुए इसके निष्कर्षों का आबादी पर प्रभाव पड़ सकता है। गुप्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, एक डॉक्टर के रूप में, मैं भारत में लोगों को सलाह दूंगा कि वे अपने भोजन के समय का ध्यान रखें और पोषण के प्रति संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने कहा, हालांकि अलग-अलग लोगों की आहार की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं, नियमित, दो भोजन के बीच समय अंतराल पर जोर देना और सोने से पहले भारी भोजन से बचना महत्वपूर्ण है। डॉ. गुप्ता ने कहा, यह सलाह स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने के स्थापित सिद्धांतों के अनुरूप है, जिसमें एक संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि और अन्य कारक शामिल हैं जो हृदय को स्वस्थ रखने में योगदान देते हैं।

दिल्ली के उजाला सिग्नस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ परामर्शदाता, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, विजय कुमार ने कहा, समय पर भोजन करने के ज्ञान का पालन करना, विशेष रूप से शाम को, अब हृदय संबंधी समस्याओं को रोकने में अपनी भूमिका के लिए वैज्ञानिक मान्यता प्राप्त कर चुका है। फ्रांसीसी अध्ययन में कहा गया था कि सूर्य का प्रकाश के अलावा, उपवास की अवधि के साथ भोजन सेवन (भोजन, नाश्ता, आदि) का दैनिक चक्र शरीर के विभिन्न अंगों की सर्कडीयन (शरीर की आंतरिक घड़ी) लय को लयबद्ध करता है, जो रक्तचाप विनियमन जैसे हृदय संबंधी चयापचई कार्यों को प्रभावित करता है। सर्कडीयन लय हमारे शरीर की आंतरिक घड़ी है जो पूरे दिन शारीरिक कार्यों को व्यवस्थित करती है। अध्ययन में 103,389 (एक लाख से अधिक) प्रतिभागियों के आंकड़ों का उपयोग किया गया, जिनमें से 79 प्रतिशत महिलाएं थीं।

त्रिपुरा में नौ हजार से अधिक घरों को रोशन करने के लिए लगाए जाएंगे सौर माइक्रो ग्रिड

अगरतला(भाषा)। केंद्र ने 9,000 से अधिक घरों को रोशन करने के लिए त्रिपुरा के दूरदराज के इलाकों में 274 सौर माइक्रो ग्रिड स्थापित करने के लिए राज्य को 81 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की परियोजना के तहत ए माइक्रो ग्रिड धलाई, उनाकोटी और दक्षिण, पश्चिम और उत्तरी त्रिपुरा जिलों के गांवों में स्थापित किए जाएंगे, जहां पारंपरिक ऊर्जा का लाभ नही मिल पाता है। त्रिपुरा नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा, मंत्रालय ने दूरदराज के इलाकों विशेषकर जनजातीय बस्तियों में 274 सौर माइक्रो ग्रिड स्थापित करने के लिए त्रिपुरा को 81 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जहां पारंपरिक बिजली आपूर्ति अब तक लोगों तक नहीं पहुंची है।

पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने के आरोपी निखिल के परिवार की याचिका खारिज

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के परिवार के एक सदस्य द्वारा कांसुलर संपर्क संबंधी याचिका को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। निखिल अमेरिका में सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने के आरोप में चेक गणराज्य की जेल में बंद है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा, हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। आप वियना कन्वेंशन के तहत कांसुलर एक्सेस के हकदार हैं, जो आपको पहले ही मिल चुकी है। पीठ ने गुप्ता के परिवार वालों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी.ए. सुंदरम से कहा कि इस अदालत को विदेशी अदालत के अधिकार क्षेत्र और संप्रभुता तथा उस देश के कानून का सम्मान करना चाहिए और इसलिए वह मामले के गुण-दोषों पर नहीं जा सकते। जब सुदंरम ने यह कहने का प्रयास किया कि गुप्ता को एकांत कारावास में रखा गया है और अभियोग के बाद उन्हें कोई कांसुलर संपर्क नहीं दिया गया, पीठ ने सुंदरम से कहा, हम आपको विदेशी अदालत के बारे में कुछ भी बोलने की इजाजत नहीं देंगे।

सुंदरम ने कहा कि यह पूरी तरह से मानवाधिकार का मुद्दा है और उन्होंने भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय से सहायता मांगी, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। सुंदरम ने कहा, मैं एक भारतीय नागरिक हूं...मुझे विदेश में अपनी रक्षा करने के लिए कोई सहायता नहीं मिली। कांसुलर संपर्क का मतलब यह नहीं है कि कोई व्यक्ति एक बार आकर आपसे मिल ले और फिर बात खत्म हो जाए। पीठ ने कहा कि रिट याचिका में गुप्ता के अनुरोध को देखते हुए वह इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। सुंदरम ने उनके अभ्यावेदन पर गौर करने के लिए भारत सरकार को निर्देश देने की मांग की। इस पर पीठ ने कहा कि इस पर विचार करना भारत सरकार का काम है और वह ऐसा कोई आदेश पारित नहीं कर सकती। पीठ ने कहा कि 17 सितंबर 2023 को गुप्ता को मामले में कंसुलर संपर्क मिल चुका है और उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय का भी रुख किया है। अदालत ने कुछ आदेश पारित किए थे। पिछले साल 15 दिसंबर को शीर्ष अदालत ने गुप्ता के परिवार के एक सदस्य द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई टाल दी थी। गुप्ता को 30 जून को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने एकान्त कारावास में गंभीर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। जिसमें गोमांस और सूअर का मांस खाने के लिए मजबूर किया जाना भी शामिल है।

पेज एक का शेष

इंडिया गठबंधन...

जब उन्होंने चुटकी ली थी कि जल्द ही लोग कहेंगे कि 'एक समय कांग्रेस थी' यह दर्शाता है कि सबसे पुरानी पार्टी खत्म हो रही है। दूसरी ओर, लोकसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल में सीट बंटवारे पर, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी को आड़े हाथों लिया और टिप्पणी की कि ममता बनर्जी की असली मंशा सामने आ गई है। चौधरी ने बृहस्पतिवार को कोलकाता में कहा, 'वे कह रहे हैं कि वे (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में (कांग्रेस को) दो सीटें देंगे। उन सीटों पर पहले से ही कांग्रेस के सांसद हैं। वे हमें क्या नया दे रहे हैं? हमने ममता बनर्जी और भाजपा को हराकर ये दोनों सीटें जीतीं। वे हम पर कौन सा उपकार कर रहे हैं? उन पर (ममता बनर्जी) भरोसा कौन करेगा? यह ममता ही हैं जिन्हें जीतने के लिए कांग्रेस की जरूरत है...कांग्रेस लड़ सकती है और अपने दम पर अधिक सीटें जीतने में सक्षम है। हम दिखाएंगे. हमें इन दोनों सीटों को ममता की दया पर रखने की जरूरत नहीं है।' इस बीच आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी संभालने वाले कांग्रेस पैनल ने बृहस्पतिवार को अपनी पहली बैठक की और दस्तावेज़ में शामिल किए जाने वाले विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

ईडी के...

और केजरीवाल को एक बार फिर तलब करेंगे। समन पर बोलते हुए केजरीवाल ने कहा कि उनके वकीलों ने उन्हें बताया कि समन अवैध थे। उन्होंने कहा, 'आप के कई नेताओं को इस संबंध में झूठा फंसाया गया है और वे जेल में बंद हैं जबकि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरी ईमानदारी है। वे मुझे बदनाम करना चाहते हैं, झूठे आरोप लगाकर मेरी छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।' केजरीवाल ने कहा, 'मैंने विस्तार से लिखा कि उनके समन अवैध क्यों थे। लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया क्योंकि उनके पास कोई जवाब नहीं था। क्या मुझे अवैध समन का पालन करना चाहिए? अगर मुझे कानूनी समन भेजा जाता है तो मैं सहयोग करूंगा।' केजरीवाल ने कहा, 'भाजपा के पास जांच करने के लिए कुछ भी नहीं है। वे सिर्फ मुझे लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकना चाहते हैं। अन्यथा, वे मुझे चुनाव से ठीक पहले क्यों बुलाते? जांच दो साल से चल रही है। सीबीआई ने मुझे आठ बार बुलाया महीनों पहले। क्या मैं उसमें शामिल नहीं हुआ था? सीबीआई ने जो भी पूछा, मैंने सभी जवाब दिए।

सीएम जगन...

और कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रही है। शर्मिला ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में कहा, कांग्रेस अब भी हमारे देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। कांग्रेस ने हमेशा भारत की सच्ची संस्कृति को बरकरार रखा है। कांग्रेस ने हमारे देश की नींव रखी। कांग्रेस ने भारत के लोगों के सभी वर्गों को एकजुट करते हुए सभी समुदायों की पूरे समर्पण भाव से सेवा की है। उन्होंने कहा, मैं सचमुच में कांग्रेस का सम्मान करती हूं क्योंकि यह देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। शर्मिला ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा से लोगों का विश्वास जीता और इससे कर्नाटक में पार्टी को जीत भी मिली। शर्मिला ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह तेलंगाना में कांग्रेस की जीत का हिस्सा थीं। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव नीत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के कथित भ्रष्ट और जनविरोधी शासन को समाप्त करने के लिए तेलंगाना में हालिया विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना उनके पिता का सपना था और उन्हें इसके लिए योगदान देने में खुशी होगी। शर्मिला ने कहा, राहुल गांधी को हमारे देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखना मेरे पिता का सपना था और मुझे बहुत खुशी है कि मैं इसके पूरे होने में एक हिस्सा बनने जा रही हूं। कांग्रेस मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी मैं उस जिम्मेदारी को पूरी वफादारी, सत्यनिष्ठा और परिश्रम से निभाने का वादा करती हूं। शर्मिला ने बाद में एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी से उनके पिता जुड़े हुए थे उसमें वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का विलय करके उन्हें प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा, वह पार्टी जिसमें वे जीते थे,जिसकी उन्होंने अथक सेवा की और उसी में अंतिम सांस ली। शर्मिला ने कहा, यह क्षण उन्हें काफी आनंदित करेगा और मेरे लिए इस घरवापसी के ज्यादा सुखद कुछ नहीं है।

आप की...

कथित तौर पर मोबाइल नंबरों का दोहराव भी देखा गया। उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, 'डेटा से स्पष्ट रूप से पता चला है कि इन मोहल्ला क्लीनिकों में फर्जी लैब परीक्षण किए गए थे, जिनकी आगे जांच करने की आवश्यकता है।' कथित घोटाला सितंबर 2023 में तब सामने आया जब यह देखा गया कि दक्षिण-पश्चिम, शाहदरा और उत्तर-पूर्व जिलों में सात मोहल्ला क्लीनिकों के कुछ डॉक्टर और कर्मचारी पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से धोखाधड़ी से अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे थे। दिल्ली सरकार ने पिछले साल 1 जनवरी से शहर भर के मोहल्ला क्लीनिकों में गरीब मरीजों को 450 तरह की मेडिकल जांचें मुफ्त में उपलब्ध कराने की सुविधा शुरू की थी। परीक्षण आयोजित करने के लिए दो निजी कंपनियों को काम पर रखा गया था। मूल्यांकन रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रभाव मूल्यांकन के अधीन सात मोहल्ला क्लीनिक जाफ़र कलां, उजवा, शिकारपुर, गोपाल नगर, ढांसा, जगजीत नगर और बिहारी कॉलोनी क्षेत्रों में स्थित थे। आम आदमी मोहल्ला क्लीनिकों में कथित फर्जी प्रयोगशाला परीक्षणों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की सिफारिश करते हुए, सक्सेना ने कहा, 'यह बहुत परेशान करने वाला है कि इस तरह की धोखाधड़ी को आम जनता के साथ करने की अनुमति दी गई है।'

पीएम ने...

जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, वे इस भावना को दर्शाते हैं।' उन्होंने कहा, 'विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ उत्कृष्ट बातचीत हुई। यह देखना प्रेरणादायक है कि कैसे ये पहल बेहतर स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तीकरण, बेहतर कृषि पद्धतियों और बहुत कुछ को बढ़ावा दे रही हैं। मैंने जो जीवन यात्राएं सुनीं वे वास्तव में प्रेरक थीं।' मोदी ने कहा, 'लक्षद्वीप सिर्फ द्वीपों का एक समूह नहीं है; यह परंपराओं की एक कालातीत विरासत है और यहां के लोगों की भावना का प्रमाण है। मेरी यात्रा सीखने और बढ़ने की एक समृद्ध यात्रा रही है।'

बर्फीली हवाओं...

मध्य भारत में, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है, इसके बाद कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।

भारत के...

इसके अलावा लेख में मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति की रणनीति की सराहना की गई। इसमें देश के बहु-संरेखण दृष्टिकोण और अमेरिका, जापान और रूस जैसी प्रमुख वैश्विक शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करने पर प्रकाश डाला गया, जबकि रूस-यूक्रेन संघर्ष में एक सूक्ष्म रुख प्रदर्शित किया गया।

इस साल राज्यसभा से हो जाएंगे 68 सदस्य सेवानिवृत्त

भाषा। नई दिल्ली

नौ केंद्रीय मंत्रियों सहित राज्यसभा के 68 सदस्यों का कार्यकाल इस साल पूरा हो रहा है। इसके मद्देनजर संसद के उच्च सदन में छह साल के कार्यकाल के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं में होड़ शुरू हो गई है। इन 68 रिक्तियों में से दिल्ली की तीन सीटों के लिए पहले ही चुनाव की घोषणा हो चुकी है। आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह, नारायण दास गुप्ता और सुशील कुमार गुप्ता का कार्यकाल 27 जनवरी को पूरा हो रहा है। सिक्किम में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए भी चुनाव की घोषणा की गई है जहां सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के सदस्य हिशे लाचुंगपा 23 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सहित 57 नेताओं का कार्यकाल अप्रैल महीने में पूरा हो रहा है।उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 10 सीट खाली हो रही हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और बिहार में छह-छह, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पांच-पांच, कर्नाटक और गुजरात में चार-चार, ओडिशा, तेलंगाना, केरल और आंध्र प्रदेश में तीन-तीन, झारखंड और राजस्थान में दो-दो और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट खाली होनी है। चार मनोनीत सदस्य जुलाई में सेवानिवृत्त हो रहे हैं।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा अभी हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य हैं। लेकिन फिर से नामांकन के लिए उन्हें अपने गृह राज्य से बाहर किसी सीट की तलाश करनी होगी क्योंकि अब वहां कांग्रेस सत्ता में है। कांग्रेस कर्नाटक और तेलंगाना से अपने उम्मीदवारों को संसद के उच्च सदन भेजने की उम्मीद कर सकती है, जहां वह पिछले साल सत्ता में आई थी। जिन अन्य सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें बीजू जनता दल (बीजद) के प्रशांत नंदा और अमर पटनायक (ओडिशा), भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी (उत्तराखंड) और मत्स्य पालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, कांग्रेस के नारणभाई राठवा और अमी यागनिक (सभी गुजरात) भी शामिल हैं।इनके

अलावा विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, कांग्रेस के कुमार केतकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की वंदना चव्हाण और शिवसेना (यूबीटी) के अनिल देसाई महाराष्ट्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।महाराष्ट्र में राकांपा और शिवसेना में टूट के बाद बदले घटनाक्रम के मद्देनजर वहां के राज्यसभा चुनाव पर सबकी निगाहें टिकी होंगी। मध्य प्रदेश से धर्मेंद्र प्रधान, सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन, अजय प्रताप सिंह और कैलाश सोनी (सभी भाजपा) तथा कांग्रेस के राजमणि पटेल उच्च सदन से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कर्नाटक से भाजपा के राजीव चंद्रशेखर और कांग्रेस के एल हनुमंथैया, जी सी चंद्रशेखर और सैयद नासिर हुसैन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के जोगीनिपल्ली संतोष कुमार, रविचंद्र वड्डीराजू और बी लिंगैया यादव तेलंगाना से सेवानिवृत्त हो रहे सदस्य हैं। तेलंगाना की सत्ता में काबिज कांग्रेस राज्य से अपने कम से कम दो उम्मीदवारों को राज्यसभा भेजने की उम्मीद कर सकती है।पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस के सदस्य अबीर रंजन बिस्वास, सुभाशीष चक्रवर्ती, मोहम्मद नदीमुल हक और शांतनु सेन तथा कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी सेवानिवृत्त हो रहे हैं।बिहार से राजद के मनोज कुमार झा और अहमद अशफाक करीम, जद (यू) सदस्य अनिल प्रसाद हेगड़े और बशिष्ठ नारायण सिंह, भाजपा के सुशील कुमार मोदी और कांग्रेस सदस्य अखिलेश प्रसाद सिंह का कार्यकाल पूरा हो रहा है।उत्तर प्रदेश से सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों में भाजपा के अनिल अग्रवाल, अशोक बाजपेई, अनिल जैन, कांता कर्दम, सकलदीप राजभर, जीवीएल नरसिम्हा राव, विजय पाल सिंह तोमर, सुधांशु त्रिवेदी और हरनाथ सिंह यादव एवं समाजवादी पार्टी की जया बच्चन शामिल हैं। आंध्र प्रदेश से तेदेपा के कनकमेदला रवींद्र कुमार, भाजपा के सी एम रमेश और वाईएसआर कांग्रेस के प्रभाकर रेड्डी वेमीरेड्डी राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।भाजपा की सरोज पांडे और डीपी वत्स क्रमशः छत्तीसगढ़ और हरियाणा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। झारखंड में भाजपा के समीर उरांव और कांग्रेस के धीरज प्रसाद साहू मई में संसद के उच्च सदन से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। केरल में माकपा के इलामारम करीम, भाकपा के बिनय विश्वम और केरल कांग्रेस (एम) के जोस के मणि जुलाई में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जुलाई में सेवानिवृत्त होने वाले मनोनीत सदस्यों में भाजपा के महेश जेठमलानी, सोनल मानसिंह, राम सकल और राकेश सिन्हा शामिल हैं।

अमित शाह ने तुअर दाल खरीद पोर्टल किया पेश

2027 तक दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य

भाषा। नई दिल्ली

दलहनों के मामले मे दिसंबर 2027 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को तुअर दाल खरीद पोर्टल (मंच) की शुरुआत की। इस पोर्टल के जरिए किसान खुद को पंजीकृत कराने के साथ न्यूनतम समर्थनम मूल्य (एमएसपी) अथवा बाजार मूल्य पर नेफेड और एनसीसीएफ को अपने उत्पाद बेच सकते हैं। शाह ने कहा कि भविष्य में उड़द और मसूर दाल के किसानों के साथ-साथ मक्का किसानों के लिए भी इसी तरह की सुविधा शुरू की जाएगी। मंत्री ने मंच के माध्यम से तुअर की बिक्री के भुगतान के लिए 25 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए करीब 68 लाख रुपए हस्तांतरित भी किए। सहकारी राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी

उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) जैसी दो केन्द्रीय नोडल एजेंसियां दलहन का बफर स्टॉक रखने के लिए सरकार की ओर से दलहनों की खरीद करती हैं। जब दलहन की कीमतें एमएसपी से नीचे गिर जाती हैं तो ए एजेंसियां मूल्य समर्थन योजना के तहत भी दलहनों की खरीद करती हैं। पोर्टल की पेशकश के बाद, शाह ने कहा कि बुवाई कार्य से पहले तुअर किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नेफेड और एनसीसीएफ को अपनी उपज बेचने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजीकृत तुअर किसानों के पास नेफेडाएनसीसीएफ या खुले बाजार में बेचने का विकल्प होगा। अगर तुअर दाल का खुले बाजार का मूल्य एमएसपी से अधिक होता है, तो उस स्थिति में एक विधि के जरिए औसत दर निकाली जाएगी। भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए किया जाएगा। शाह ने कहा कि अधिकतर किसान दालों की खेती नहीं कर रहे हैं क्योंकि कीमतें सुनिश्चित नहीं होतीं। मंच के जरिए खरीद के साथ यह पहल कृषि क्षेत्र में एक बड़ा सुधार लाएगी और दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, तुअर की खरीद किसानों से की जाएगी और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी है। यह ध्यान देने योग्य है कि तुअर दाल खरीद पोर्टल ऐसे समय में आया है जब दलहन खेती के रकबे में गिरावट के मद्देनजर खरीफ सत्र 2023-24 में घरेलू तुअर उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष कम होने का अनुमान है। आम चुनावों से पहले केंद्रीय नोडल एजेंसियों को पर्याप्त बफर बनाए रखने और खुदरा मुद्रास्फीति पर नियंत्रण रखने के लिए अधिकतम मात्रा में खरीद करने की उम्मीद है। वर्ष 2016-17 के ख़रीफ़ सत्र में तुअर का उत्पादन 48.7 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था और उसके बाद के वर्ष में उत्पादन गिर गया और वर्ष 2022-23 में 33.1 लाख टन के निचले स्तर पर आ गया।

कृषि मंत्रालय के शुरुआती अनुमान के अनुसार, खरीफ सत्र 2023-24 के लिए तुअर का उत्पादन 34.2 लाख टन होने का अनुमान है। मौजूदा समय में, देश के कुछ हिस्सों में अरहर - एक मुख्य ख़रीफ़ दलहन फसल - की कटाई अभी भी चल रही है। शाह ने कहा कि आगे जाकर, उड़द और मसूर किसानों के लाभ के लिए भी एक खरीद पोर्टल शुरू किया जाएगा।

कोलकाता में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के अभिषेक समारोह को लेकर अपनी दुकान पर भगवान राम के झंडे प्रदर्शित करते विक्रेता

अदालत ने सेंथिल बालाजी की हिरासत 11 जनवरी तक बढ़ाई

चेन्नई। चेन्नई की एक सत्र अदालत ने तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी की हिरासत बृहस्पतिवार को 11 जनवरी तक बढ़ा दी।प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन के मामले में 14 जून 2023 को द्रमुक नेता को गिरफ्तार किया था जो फिलहाल यहां पुझल जेल में बंद हैं। अभियोजन पक्ष ने बालाजी को जेल से वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अल्ली के समक्ष पेश किया था जिन्होंने मंत्री की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। बालाजी को ईडी ने कथित रूप से पैसे देकर नौकरी देने से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया था।

भाजपा ने कर्नाटक मे मै भी कारसेवक हूं, मुझे भी करो गिरफ्तार अभियान शुरू किया

बेंगलुरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े 31 वर्ष पुराने मामले में हाल में एक हिंदू कार्यकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर राज्य के कई हिस्सों में अपना विरोध प्रदर्शन तेज करते हुए बृहस्पतिवार को मैं भी कारसेवक हूं, मुझे भी गिरफ्तार करो अभियान शुरू किया। बेंगलुरु में अभियान का नेतृत्व करते हुए, विधायक एवं पूर्व मंत्री वी. सुनील कुमार ने भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जय श्री राम के नारों के बीच सदाशिवनगर पुलिस थाने के निकट धरना दिया। कुमार एक तख्ती पकड़े हुए थे जिस पर मैं भी कारसेवक हूं, मुझे भी गिरफ्तार करो लिखा था। कुमार ने कहा कि उन्होंने भी 1992 में राम मंदिर आंदोलन में हिस्सा लिया था, जिसके लिए उन्हें भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। बाद में पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया।भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के. एस. ईश्वरप्पा और सी. टी. रवि ने क्रमशः शिवमोगा और चिक्कमगलुरु के जिला मुख्यालय शहर में प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उत्तरी कर्नाटक के हुबली शहर में पिछले सप्ताह एक कारसेवक श्रीकांत पुजारी को दिसंबर 1992 में दर्ज दंगे के एक मामले के सिलसिले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था।भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर हिंदुओं के प्रति कड़ा रवैया अपनाने और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में शामिल होने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने पुजारी पर असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। सिद्धरमैया ने कहा कि पुजारी पर शराब की अवैध बिक्री, जुआ समेत 16 असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।कुमार ने पत्रकारों से कहा कि कांग्रेस सरकार की राम विरोधी और हिंदू विरोधी नीतियों की निंदा करने के लिए मैं भी कारसेवक हूं, मुझे भी गिरफ्तार करो अभियान शुरू किया गया है।

भाजपा ने मोर्चा प्रभारियों में किया फेरबदल

सुनील बंसल को मिला युवा मोर्चा का प्रभार

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को संगठन के विभिन्न मोर्चों के प्रभारियों की जिम्मेदारी में भारी फेरबदल किया। इसके मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वह पार्टी महासचिव तरुण चुघ की जगह लेंगे। चुघ अब अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रभार संभालेंगे। पहले, यह जिम्मेदारी भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी टी रवि के पास थी। चुघ ने इस बदलाव से जुड़ी सूची एक्स पर साझा करते हुए लिखा, भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त मोर्चा प्रभारियों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के नेतृत्व में संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का आप सभी पूरी निष्ठा और ऊर्जा से निर्वहन कर संगठन को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। अभी तक यह जिम्मेदारी पार्टी के अन्य राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह संभाल रहे थे। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी के साथ कुछ अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे सिंह को इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया। पार्टी संगठन में पिछले दिनों हुए फेरबदल में महासचिव बनाए गए राधामोहन दास अग्रवाल को अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। अग्रवाल से पहले पूर्व महासचिव दिलीप सैकिया के पास यह जिम्मेदारी थी। भाजपा की तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष और नवनियुक्त महासचिव बंडी संजय कुमार को किसान मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। अब तक इस मोर्चे के प्रभारी रहे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। महिला मोर्चा के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। अब तक इस मोर्चे का प्रभार पूर्व महासचिव डी पुरंदेश्वरी के पास था। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि पिछले साल जुलाई महीने में कुछ राष्ट्रीय महासचिव व उपाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद इन मोर्चा प्रभारियों को मोर्चों की जिम्मेदारी सौंपा जाना एक सामान्य प्रक्रिया है।

शासन के तीनों अंगों ने सर्वसम्मति से अनुच्छेद 370 हटायाः उपराष्ट्रपति धनखड़

कठुआ (जम्मू-कश्मीर)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि शासन के तीनो अंगो ने सर्वसम्मति से संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया, जिससे जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हो गया। उपराष्ट्रपति जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बायोटेक स्टार्टअप एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस एक्सपो का उद्देश्य पाकिस्तान से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित जिले को उभरते उद्यमियो के केंद्र के रूप में विकसित करना है। धनखड़ ने कहा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कार्यपालिका, विधायिका-लोकसभा और राज्यसभा- और न्यायपालिका को बधाई। तीनो ने सर्वसम्मति से हमारे संविधान से अनुच्छेद 370 को हटा दिया। उन्होने कहा कि इसके साथ ही श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हो गया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मुखर्जी ने इस भूमि पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए योगगुरू रामदेव को मिला न्यौता

हरिद्वार। योग गुरू रामदेव ने बुधवार को कहा कि 500 वर्षों के सतत संघर्ष और 25 पीढ़ियों के बलिदान के बाद 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का गौरवशाली दिन विश्व इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक तिवारी द्वारा रामजन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर में रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र सौंपे जाने के दौरान पतंजलि संस्थापक ने यह बात कही। रामदेव ने कहा कि 500 वर्षों के सतत संघर्ष और असंख्य हुतात्माओं के बलिदान के बाद यह गौरवशाली दिन विश्व इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर के गृभगृह में भगवान रामलला विराजमान होंगे और 25 पीढ़ियों के बलिदान, त्याग और समर्पण के प्रतिफल स्वरूप प्राप्त इस भव्य आयोजन की साक्षी वर्तमान पीढ़ी बनेगी, जिसने इसके वर्तमान के संघर्ष और विजय को प्रत्यक्ष देखा। उन्होंने कहा, मैं अभिभूत हूं और बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि मैं भगवान के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का साक्षी बनूंगा। स्वामी रामदेव ने बताया कि वह राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होने के लिए निजी विमान से अयोध्या पहुंचेंगे।

वाइस एडमिरल त्रिपाठी भारतीय नौसेना के उपप्रमुख बने

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को भारतीय नौसेना के उपप्रमुख का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होने वाइस एडमिरल संजय जे सिंह का स्थान लिया। उपप्रमुख के रूप मे कार्यभार ग्रहण करने से पहले वाइस एडमिरल त्रिपाठी नौसेना के पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप मे अपनी सेवाएं दे चुके है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र त्रिपाठी को एक जुलाई, 1985 को भारतीय नौसेना मे नियुक्त किया गया था। एक संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध विशेषज्ञ के रूप मे उन्होंने सिग्नल संचार अधिकारी और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अधिकारी के रूप मे नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतो पर कार्य किया। वाइस एडमिरल त्रिपाठी ने भारतीय नौसैनिक पोत विनाश, किर्च और त्रिशूल की कमान संभाली। उन्होने विभिन्न महत्वपूर्ण परिचालन और कर्मियों की नियुक्ति से जुड़े पदो पर भी काम किया, जिनमे मुंबई स्थित पश्चिमी बेड़े मे बेड़ा संचालन अधिकारी, नौसेना संचालन के निदेशक और दिल्ली स्थित नेटवर्क केंद्रित संचालन और नौसैनिक योजनाओं के प्रमुख निदेशक का पद शामिल है।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री विजयन पर साधा निशाना

सोना तस्करी से जुड़ी मोदी की टिप्पणी का मामला

भाषा। नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक दिन पहले केरल के त्रिशूर में विवादित सोना तस्करी के मामले को उठाने के बाद कांग्रेस पार्टी ने बृहस्पतिवार को राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ एक समझ के कारण कार्वाई करने में नाकाम रही है। मोदी ने बुधवार को त्रिशूर में महिलाओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि हर कोई जानता है कि किसका कार्यालय सोने की तस्करी में लिप्त था। त्रिवेंद्रम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कोच्चि के सीमा शुल्क (निवारक)आयुक्तालय द्वारा एयर कार्गो के एक राजनयिक बैग से पांच जुलाई, 2020 को 30 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था। सोने की यह खेप संयुक्त अरब अमीरात से आए एक बैग में पाई गई जिस पर राजनयिक सामान होने का संकेत करने वाला निशान था। ऐसे बैग को वियना समझौते के अनुसार जांच से छूट प्राप्त है। इस मामले के सिलसिले में विजयन के तत्कालीन प्रधान सचिव एम शिवशंकर को गिरफ्तार किया गया था। नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि अगर उन्हें यकीन है कि उस विशेष कार्यालय का कोई व्यक्ति सोने की तस्करी में शामिल था तो उन्होंने इस मुद्दे को क्यों जाने दिया। इस बीच, केपीसीसी प्रमुख के. सुधाकरन ने कहा कि सोना तस्करी मामले की जानकारी होने का दावा करने वाले प्रधानमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि दोषियों के खिलाफ क्या कार्वाई की गई है।

राकांपा विधायक के भगवान राम संबंधी बयान पर विवाद,भाजपा ने की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

शिरडी महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)- शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र अव्हाड के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि भगवान राम मांसाहारी थे और पशुओं का शिकार करते थे। अव्हाड के इस बयान के बाद भाजपा के विधायक और अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के विरोधी गुट ने उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है। अव्हाड ने कहा कि उन्होंने मामले का अध्ययन किए बिना कुछ नहीं कहा था, फिर भी अगर उन्होंने किसी की भावनाएं आहत की हैं, तो वह खेद जताते हैं। पश्चिम महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के शिरडी में बुधवार को पार्टी के एक कार्यक्रम में अव्हाड ने कहा था कि भगवान राम बहुजनों से संबंध रखते हैं। महाराष्ट्र में बहुजन शब्द का उपयोग पारंपरिक तौर पर हिंदू समाज के गैर-ब्राह्मण वर्गों, विशेष रूप से निचले तबकों के लिए किया जाता है। राकांपा विधायक ने कहा था, वह (भगवान राम) शिकार करके खाया करते थे। वह हमारे, बहुजनों के थे। आप (भाजपा) हमें शाकाहारी बना रहे हो, (लेकिन) हम राम के उदाहरण को मान रहे हैं और मटन खा रहे हैं। अव्हाड ने कहा, राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे। 14 वर्ष वनवास में रहने वाले व्यक्ति को शाकाहारी भोजन कहां मिलता होगा? कार्यक्रम में राकांपा प्रमुख शरद पवार भी मौजूद थे। बुधवार शाम को अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के कार्यकर्ताओं ने ठाणे में अव्हाड के आवास के पास विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की। अजित पवार गुट से जुड़े पूर्व सांसद आनंद परांजपे ने अव्हाड के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। अव्हाड ने बाद में कहा कि जो लोग बिना किसी तर्क के लड़ना चाहते हैं वे ऐसी मांगों का सहारा लेते हैं। उन्होंने कहा, 'इतिहास को तोड़ना-मरोड़ना मेरा काम नहीं है...मैंने मामले का अध्ययन किए बिना कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन आजकल भावनाओं को ज्ञान से कहीं अधिक महत्व दिया जाता है। अगर मेरी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं खेद व्यक्त करता हूं'।

इंडिगो ने टिकट पर ईंधन शुल्क वसूलना किया बंद, हवाई यात्रा होगी 1,000 रुपये तक सस्ती

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विमान ईंधन की कीमतों में कमी के बाद बृहस्पतिवार से ईंधन शुल्क वसूलना बंद करने की घोषणा की है। इससे कुछ लंबे मार्गों पर हवाई किराए में1,000 रुपए तक की कमी आएगी। एयरलाइन ने एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में उछाल के बाद छह अक्टूबर, 2023 से ईंधन शुल्क वसूलना शुरू किया था। दूरी के आधार पर ईंधन शुल्क की मात्रा 300 रुपए से लेकर।,000 रुपए तक तय की गई थी। अपने परिचालन का विस्तार कर रही एयरलाइन ने कहा कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में हालिया कटौती के बाद चार जनवरी से विमान टिकट पर ईंधन शुल्क हटा दिया गया है।

रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की पहली महिला पुलिस महानिदेशक नियुक्त

मुंबई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की वरिष्ठ अधिकारी रश्मि शुक्ला बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त की गईं। राज्य के गृह विभाग ने इस आशय का आदेश जारी किया। वर्ष 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी शुक्ला (59) प्रतिनियुक्ति पर सशस्त्र सीमा बल की महानिदेशक के रूप मे पदस्थ थी।

Public Notice

This is to inform the general public that **Ms. Ranjana Chopra** is the GPA Holder of Property No. F-158 area measuring 70 sq. yds. out of Khasra No. 651 & 655 situated in village Basai Darapur in the abadi of Sudershan Park New Delhi. She acquired the above property through GPA, ATS, dated 01.03.1996, executed by **Mr. Gurinder Singh.** **Ms. Ranjana Chopra** is now selling the above said property to **Ms. Rashmi Devi** and **further Ms. Rashmi Devi** is currently in the process of mortgaging the aforementioned property with **SMFG India Home Finance Co., Our Client.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

भारत व नेपाल के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर

जयशंकर और उनके नेपाली समकक्ष के बीच सार्थक बातचीत

भाषा। काठमांडू

विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके नेपाली समकक्ष एनपी सउद ने बृहस्पतिवार को व्यापक एवं सार्थक बातचीत की और इस दौरान दोनों देशों के बीच अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। वर्ष 2024 में जयशंकर की यह पहली विदेश यात्रा है। जयशंकर ने सउद के साथ भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बातचीत हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और आर्थिक संबंधों, भूमि, रेल एवं हवाई संपर्क परियोजनाओं, रक्षा और सुरक्षा में सहयोग, कृषि, ऊर्जा, बिजली, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन, पर्यटन, नागरिक उड्डयन, लोगों के बीच संपर्क पर केंद्रित रही। दोनों नेताओं ने सीमा पार तीन पारेषण लाइन का भी संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों, कनेक्टिविटी, व्यापार और पारगमन, बिजली और जल संसाधन, शिक्षा, संस्कृति और राजनीतिक मामलों पर भी चर्चा हुई। जयशंकर ने इससे पहले नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच बिजली निर्यात पर सहमति बनी थी। प्रचंड पिछले साल 31 मई से तीन जून तक भारत यात्रा पर थे। उस समय दोनों पक्षों ने कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे, जिनमें पड़ोसी देश से भारत के बिजली आयात को अगले 10 वर्ष में मौजूदा 450 मेगावाट से बढ़ाकर 10,000 मेगावाट करने का समझौता भी शामिल था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड से मुलाकात की तथा इस दौरान दोनों पक्षों ने सदियों पुराने, विशिष्ट तथा बहुआयामी नेपाल-भारत संबंधों पर व्यापक रूप से विचारों का आदान-प्रदान किया। इस साल अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत सुबह नेपाल पहुंचे जयशंकर ने प्रधानमंत्री प्रचंड से उनके कार्यालय सिंहदरबार में मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामना प्रेषित की। बैठक के बाद जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री प्रचंड से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। जून 2023 में हुई उनकी सफल भारत यात्रा का स्मरण किया जिसने हमारे संबंधों को नई गति प्रदान की है। उन्होंने कहा, भारत-नेपाल संबंध वास्तव में विशिष्ट हैं और हमारी साझेदारी क्रमिक रूप से सफलता की ओर बढ़ रही है। प्रचंड ने कहा कि आज की बैठक में दोनों नेताओं ने सदियों पुराने, विशिष्ट और बहुआयामी नेपाल-भारत संबंधों पर व्यापक रूप से विचारों का आदान-प्रदान किया। इससे पहले जयशंकर ने यहां राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में राष्ट्रपति पौडेल से शिष्टाचार भेंट की। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

ईरान में हुए धमाकों में मृतकों की संख्या 95 पहुंची

दुबई। अमेरिका की ओर से वर्ष 2020 में किए गए ड्रोन हमले में मारे गए एक प्रमुख ईरानी जनरल की स्मृति में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुए दो बम धमाकों में कम से कम 95 लोग की मौत हो गई। ईरानी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस हमले को ईरान में 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जा रहा है। अब तक इस हमले की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। ईरान के नेताओं ने धमाकों के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने का संकल्प जताया। हमले में कम से कम 211 लोग घायल हो गए।यह धमाके ईरान के करमान शहर में हुए जो राजधानी तेहरान से 820 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में है।इससे पहले हमले में कम से कम 103 लोगों के मारे जाने की सूचना दी गई थी।

अमेरिका: पेरी के हाई स्कूल में गोलीबारी

पेरी (अमेरिका)। अमेरिका में आयोवा के पेरी की पुलिस ने बृहस्पतिर को कहा कि शहर के एक हाई स्कूल में गोलीबारी की घटना हुई है। पेरी पुलिस की एक महिला ने फोन पर पेरी हाई स्कूल मे गोलीबारी की घटना की पुष्टि की लेकिन इससे अधिक जानकारी नही दी। हाई स्कूल।,785-विद्यार्थी पेरी सामुदायिक स्कूल जिले का हिस्सा है। छुट्टी के बाद बृहस्पतिवार को पहली बार स्कूल था। पेरी स्कूल बोर्ड के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होने फिलहाल कोई जवाब नही दिया है।

किम जोंग की बेटी को उत्ताधिकारी के तौर पर देखता है दक्षिण कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसका मानना है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की 10 वर्षीय बेटी उनकी उत्तराधिकारी हो सकती है। किम जोंग की 10 वर्षीय बेटी जू ऐ नवंबर 2022 में पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखी थी जब उन्होंने अपने पिता के साथ लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण देखा था। इसके बाद उन्हें लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाती रही है। इसके बाद जू ऐ अपने पिता के साथ कई सार्वजनिक कार्यक्रमो मे भी दिखी है और सरकारी मीडिया ने उन्हें अपने पिता की बेहद प्रिय या सम्मानित संतान बताया है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के उप निदेशक ने अपराध कबूल किया

सिंगापुर। फुटबॉल एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर (एफएएस) के भारतीय मूल के एक पूर्व उप निदेशक ने खेल संघ के साथ धोखाधड़ी करने के15 आरोपों को स्वीकार कर लिया है। इन आरोपो मे, उनके स्वामित्व वाली कंपनी के जरिए खेल संघ को सामग्री की आपूर्ति करना शामिल है।अदालत ने कहा कि रिक्राम जीत सिंह रणधीर सिंह (43) को सजा सुनाते समय इसी तरह के अन्य 30 आरोपो पर भी विचार किया जाएगा। सिंह पर आरोप है कि उन्होने खेल संघ को सामग्री की आपूर्ति का अनुबंध खुद की स्वामित्व वाली या अपनी पत्नी से जुड़ी कंपनी को मिलना सुनिश्चित करने के लिए पद का दुरुपयोग किया।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल देगा मौका

सिम्बायोसिस। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल डीम्ड युनिवर्सिटी एसआईयू ने अपनी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीखों की घोषणा कर दी है। ये परीक्षाएं युनिवर्सिटी के संस्थानों में विभिन्न अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए ली जाती हैं। इन परीक्षाओं में शामिल हैं एसईटी जनरल सिम्बायोसिस एंट्रेन्स टेस्ट, एसईटी. लॉ जिसे सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट कहते हैं और सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम । इन परीक्षाओं का संचालन भारत के 76 शहरों में कम्प्यूटर बेस्ट टेस्ट मोड में किया जाता है। डीम्ड युनिवर्सिटीद्ध ने 13 दिसम्बर 2023 को एसईटी 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की। इसके लिए आवेदन तकरीबन चार महीने तक जारी रहेंगे, और महत्वाकांक्षी उम्मीदवार 12 अप्रैल 2024 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। एसईटी का आयोजन रविवार 5 मई 2024 और शनिवार 11 मई 2024 को होगा।

ब्रिटेन की संस्था शरण मामलों के निपटारा संबंधी दावों पर गौर कर रही

लंदन। ब्रिटेन की सांख्यिकी निगरानी संस्था ने कहा कि वह सरकार की हालिया घोषणा पर गौर कर रही है कि उसने 2023 के अंत तक देश में शरण के लिए लंबित मामलों का निपटारा करने के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। विपक्ष ने सरकार के दावे का जोरदार खंडन किया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, ब्रिटेन के गृह कार्यालय ने कहा कि पिछले वर्ष शरण मांगने के 112,000 मामलों पर कार्वाई की गई, जो 2022 के अंत में लंबित 92,000 आवेदनों के सुनक के प्रारंभिक लक्ष्य से अधिक है।

इजराइल : मोसाद प्रमुख ने हमास के सदस्यों को चुन-चुन कर मारने का संकल्प जताया

भाषा। यरूशलम

इजराइल की मोसाद खुफिया सेवा के प्रमुख डेविड बर्निया ने बुधवार को संकल्प जताया कि एजेंसी हमास के हर उस सदस्य को चुन-चुन कर मारेगी, जो इजराइल पर सात अक्टूबर को हुए हमले में शामिल था फिर चाहे वह कहीं पर छिपा हो। बेरूत में एक संदिग्ध इजराइली हमले में फलस्तीनी चरमपंथी समूह के उपप्रमुख के मारे जाने के एक दिन बाद मोसाद प्रमुख ने यह बात कही। इजराइल ने चरमपंथी समूह के उपप्रमुख की हत्या से संबंधित खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया लेकिन डेविड बर्निया की प्रतिक्रिया से ऐसा प्रतीत होता है कि इस हमले के पीछे मोसाद का ही हाथ है। उन्होंने 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में हुई हत्याओं के बाद के घटनाक्रमों का जिक्र किया, जब मोसाद के एजेंटों ने इजराइली खिलाड़ियों की हत्या में शामिल फलस्तीनी चरमपंथियों का पता लगाया और उन्हें मार डाला। लेबनान की राजधानी में हुए हमले में हमास के सबसे वरिष्ठ सदस्य सालेह अरौरी के मारे जाने के बाद हिजबुल्ला उग्रवादियों के साथ तनाव बढ़ने की आशंका के कारण बुधवार को इजराइल में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। लगभग तीन महीने पहले गाजा में युद्ध छिड़ने के बाद अरौरी का मारा जाना हमास के लिए एक बड़ा झटका है। दक्षिणी बेरूत हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है और यहां पर हमला लेबनान सीमा पर जारी झड़प के युद्ध में तब्दील होने की आशंका को बढ़ा सकता है। हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्ला ने बुधवार शाम को एक भाषण में अरौरी की हत्या का बदला लेने का वादा किया और अपने समूह के बयान को दोहराते हुए कहा कि वह अरौरी की हत्या पर चुप नहीं बैठेगा और बिना सजा दिए नहीं छोड़ेगा। हालांकि नसरल्ला ने इस बात का बिल्कुल भी जिक्र नहीं किया कि जवाब कब और किस रूप में दिया जाएगा। नसरल्ला ने कहा, उन्हें (इजराइल) इसका पछतावा होगा। इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी होगी। वहीं बर्निया ने दक्षिणी इजराइल के क्षेत्र पर हमास के हमले का जिक्र करते हुए कहा कि मोसाद गाजा क्षेत्र पर हमला करने वाले हत्यारों का हिसाब-किताब करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस हमले के साजिशकर्ताओं और इससे जुड़े लोगों सहित हमले में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल लोगों के खात्मे का संकल्प जताया।

बांग्लादेश : राजनीतिक अराजकता से मुक्त भविष्य का सपना संजोए युवा रविवार को मतदान करेंगे

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए रविवार को मतदान होगा और करीब 11.91 करोड़ पंजीकृत मतदाता नई सरकार के लिए वोट करेंगे। इनमें पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की तादाद अच्छी खासी है जो राजनीतिक अराजकता से मुक्ति और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर मुखर हैं। बांग्लादेश सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, देश की कुल आबादी(16.9 करोड़) में से करीब एक-चौथाई 15-29 आयु वर्ग की है। वहीं देश में 11.91 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से लगभग एक तिहाई की उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच है। बांग्लादेश में दशकों से राजनीतिक लड़ाई दो शक्तिशाली महिलाओं के नेतृत्व वाली पार्टियों के इर्द गिर्द रही है, जो अक्सर सड़कों पर हिंसक रूप ले लेती है। लेकिन देश में पीढ़ीगत बदलाव के संकेत दिख रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाला मुख्य विपक्षी दल पहले ही चुनावों के बहिष्कार का ऐलान कर चुका है जबकि मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार अपनी डिजिटल बांग्लादेश परियोजना से उन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है जो पहली बार मतदान में हिस्सा लेंगे। हसीना ने 2041 तक स्मार्ट बांग्लादेश और 2030 तक युवाओं के लिए 1.5 करोड़ नई नौकरियों का वादा किया है। पिछले शनिवार को ढाका के बाहरी इलाके में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए हसीना ने युवा मतदाताओं से समर्थन मांगा ताकि बांग्लादेश की प्रगति को जारी रखा जा सके। रैली में मौजूद ढाका विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई करने वाली 26 वर्षीय शाहरिमा तंजिन अरनी ने हसीना को डिजिटल भविष्य का दृष्टिकोण रखने वाली एक साहसी नेता करार दिया। अरनी ने कहा, वह अतीत से जुड़े मूल्यों के साथ-साथ प्रगतिशील सोच भी रखती हैं, जो बांग्लादेशी समाज में बहुत आम नहीं है। ढाका विश्वविद्यालय के छात्र अब्दुर रहीम रॉनी ने कहा, मेरी इच्छा है कि बांग्लादेश के लोग स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें, उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए और न्याय प्रणाली स्वतंत्र रूप से काम करे।

अमेरिका ने हूतियों को लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करने या फिर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका और 12 सहयोगी देशों ने बुधवार को हूती विद्रोहियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करें अन्यथा संभावित सैन्य कार्वाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। गाजा में 19 दिसंबर से इजराइल-हमास युद्ध के जवाब में यमन के आतंकवादियों ने कम से कम 23 हमले किए हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हमले जारी रहने पर संभावित भागीदारी के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ईरान समर्थित हूतियों को अमेरिका और उसके सहयोगियों से एक और चेतावनी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। सहयोगी देशों की ओर से बुधवार को हमलों की निंदा करते हुए जारी किए गए एक संयुक्त बयान के तुरंत बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर इस बारे में जानकारी दी। बयान पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा अमेरिका ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हूतियों के खिलाफ कार्वाई करने का आह्वान किया और उनके वित्तपोषक ईरान को चेतावनी दी कि उसके पास विकल्प मौजूद है कि वह विद्रोहियों को समर्थन जारी रखे या नहीं। अब हमारा संदेश स्पष्ट होना चाहिए। हम इन हमलों को तत्काल समाप्त करने और गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिए गए जहाजों और चालक दल को रिहा करने का आह्वान करते हैं। अगर हूती जीवन, वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्र के महत्वपूर्ण जलमार्गों में वाणिज्य के मुक्त प्रवाह को खतरे में डालना जारी रखते हैं तो परिणाम भुगतने के लिए खुद जिम्मेदार होंगे।

जापान :भूकंप के मलबे में फंसे जीवित लोगों की तलाश कर रहे हैं बचावकर्मी

भाषा। सुजु (जापान)

जापान में इस सप्ताह की शुरुआत में आए विनाशकारी भूकंप के कारण पश्चिमी तट पर मलबे में फंसे जीवित लोगों की तलाश के लिए बचावकर्मी कड़ाके की ठंड में कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। भूकंप के कारण कई मकान पूरी तरह से ढह गए, जिसमें कम से कम 78 लोगों की मौत हो गई और 51 लोग लापता हैं।अधिकारियों के मुताबिक, भारी बारिश और संभावित बर्फबारी के मद्देनजर भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। आधिकारिक तौर पर तीन शहरों में रातोंरात जारी की गई लापता लोगों की सूची में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 15 से बढ़कर 51 हो गई, जिसमें 13 वर्षीय एक लड़का भी शामिल है।अधिकारियों ने बताया कि लापता बताए जा रहे कुछ लोगों को ढूंढ लिया गया है लेकिन अभी और लोगों के नाम सामने आ रहे हैं।इशिकावा प्रान्त और आस-पास के इलाके सोमवार को 7.6 तीव्रता के भूकंप के झटकों से दहल गए थे। भूकंप का केंद्र टोक्यो से लगभग 300 किलोमीटर दूर नोटो के पास था। भूकंप के बाद, समुद्र में तीन फुट से अधिक ऊंची लहरें उठीं, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई।विशेषज्ञों का कहना है कि बचाव अभियान के लिए शुरुआती 72 घंटे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उसके बाद, मलबे में फंसे लोगों के जीवित बचे रहने की संभावना बहुत कम हो जाती है।प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा था, 40 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। हम समय से लड़ रहे हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को बचाव कार्यों के लिए भेजे जाने वाले सैनिकों की संख्या एक हजार से बढ़ाकर 4,600 करने की घोषणा की।नोटो प्रायद्वीप के दुर्गम स्थान होने की वजह से सैनिकों के वहां पहुंचने में मुश्किलें पेश आ रही हैं। कुछ क्षेत्रों में पानी, बिजली और दूर संचार सेवाएं अभी भी ठप हैं।इशिकावा के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को मृतकों की संख्या 78 पहुंचने की घोषणा की। मृतकों में से 44 लोग वाजिमा के, 23 लोग सुजु के और शेष व्यक्ति पांच शहरों के हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप में 330 से अधिक लोग घायल हुए है।

बच्चों को बोरियत से निपटने के तरीके सिखाएं मा-बाप

बच्चे कहते हैं माँ, पिताजी, मैं ऊब गया हूँ, इन छुट्टियों में

मेलबर्न। जैसे-जैसे छुट्टियां आगे बढ़ेंगी, माता-पिता निस्संदेह अपने बच्चों से एक पंक्ति सुन रहे होंगे: मैं बोर हो गया हूं।हम सभी समय-समय पर ऊब जाते हैं और ऊब महसूस करने में कोई विशेष बुराई नहीं है। वास्तव में, यह एक उपयोगी भावना है क्योंकि यह हमें हम जो कर रहे हैं या अपने परिवेश में बदलाव करने में मदद करती है।हालाँकि, कई बच्चे अभी भी बोरियत को प्रबंधित करने का कौशल सीख रहे हैं। यदि आप सोच रहे हैं कि जब बच्चे शिकायत करें कि वे ऊब रहे हैं तो कैसे प्रतिक्रिया दें (बिना उन्हें अधिक टीवी देखने की अनुमति दिए), तो यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं जिन्हें आजमाया जा सकता है। बोरियत बच्चों को सीखने में मदद करती है। बोरियत थोड़ी अप्रिय है, लेकिन बच्चों के लिए बोरियत महसूस करना ठीक है। वास्तव में, बोरियत बच्चों को कई महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने के लिए संदर्भ प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं।बच्चे बोर होने की शिकायत क्यों करते हैं? आमतौर पर, बच्चों का जीवन उनके लिए संरचित और व्यवस्थित होता है। जब बच्चों को असंरचित समय दिया जाता है, तो उन्हें सोचने और करने योग्य चीज़ों को व्यवस्थित करने में कठिनाई हो सकती है।यदि बच्चों की बोरियत की शिकायत के कारण हमेशा वयस्क उनका मनोरंजन करते हैं, तो बच्चों को अपना मनोरंजन करना सीखने या अपने विचार उत्पन्न करने का अवसर नहीं मिल पाएगा।कभी-कभी, बच्चे हमारे द्वारा सुझाए गए हर विचार को अस्वीकार कर देते हैं। इसके बाद इस बारे में लंबी चर्चा होती है कि क्या करना है, या हम (अंततः) उनके साथ किसी गतिविधि में शामिल हो जाते हैं। दोनों ही परिस्थितियों में, बच्चे को अपनी बोरियत का प्रबंधन स्वयं नहीं करना पड़ता है।माता-पिता बच्चों को बोरियत से निपटना सीखने में कैसे मदद कर सकते हैं? बोरियत से निपटने के लिए माता-पिता बहुत कुछ कर सकते हैं और अपने बच्चे को अपनी बोरियत से निपटना सीखने में मदद कर सकते हैं। दिन के कार्यक्रम को दर्शाने के लिए चित्रों की एक श्रृंखला मदद कर सकती है। खाली समय की अवधि से पहले, दो या तीन नियमों पर चर्चा करें (उदाहरण के लिए, माँ और पिताजी का काम समाप्त होने तक चुपचाप खेलें और यदि आपको हमसे बात करने की ज़रूरत है, तो कहें, क्षमा करें और हमारे खाली होने तक प्रतीक्षा करें)।

गतिविधियों का एक मेनू बनाएं : अपने बच्चे से इस बारे मे बात करें कि उन्हे क्या करने मे आनंद आता है, उनकी रुचियाँ क्या है। अपने बच्चे के साथ गतिविधियो का एक मेनू विकसित करें जिसे वे बोर होने पर संदर्भित कर सकें। छोटे बच्चो को गतिविधियो का चित्र बनाकर समझा सकते है। उन गतिविधियो को सूचीबद्ध करने का प्रयास करें जिन्हें आपका बच्चा आपके सहयोग के बिना कर सकता है - नई चीज़ो और गतिविधियो का मिश्रण जिनका उन्होंने अतीत मे आनंद लिया है। कुछ त्वरित गतिविधियो (जैसे कि रंग भरना, ब्लाक्स का किला बनाना, या टेडी बियर पिकनिक मनाना) के साथ-साथ दीर्घकालिक परियोजनाओ (जैसे कि एक बड़ी पहेली, एक उपन्यास पढ़ना, खेल कौशल पर काम करना) को शामिल करें। मेनू को वहां रखें जहां आपका बच्चा इसे देख सकेसब कुछ तैयार कर लें- सुनिश्चित करें कि आपके पास अपने बच्चे के लिए उनकी सूची मे काम करने के लिए खिलौने, उपकरण और सामग्रियां उपलब्ध और पहुंच योग्य है। मज़ेदार होने के लिए खिलौनों और गतिविधियो का महंगा होना ज़रूरी नही है।अपने बच्चे को तैयार करें- अपने बच्चे को दिन की योजना और उनके मेनू मे गतिविधियो को करने के लिए अपेक्षित समय की अवधि के बारे मे बताएं। यह उन्हे आश्वस्त करेगा कि वे हमेशा अकेले नही रहेंगे।

मध्य बगदाद में ईरान समर्थित मिलिशिया नेता की हवाई हमले में मौत

बगदाद। मध्य बगदाद में ईरान समर्थित मिशिलिया के साजो सामान संबंधी मुख्यालय पर बृहस्पतिवार को किए गए हवाई हमले में संगठन के एक वरिष्ठ कमांडर की मौत हो गई। मिलिशिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब इज़राइल-हमास जंग को लेकर पहले ही क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है और अंदेशा जताया जा रहा है कि संघर्ष आसपास के देशों में फैल सकता है। पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (पीएमएफ) ने एक बयान में कहा कि बगदाद में उसके उप प्रमुख (अभियान) मुश्ताक तालिब अल-सईदी या अबू तकवा की अमेरिका के बर्बर हमले में मौत हो गई है। पीएमएफ मिलिशिया का एक गठबंधन है जो नाममात्र को इराकी सेना के नियंत्रण में है। यह तत्काल साफ नहीं हो सका है कि हवाई हमला किसने किया है। अमेरिकी सेना और बगदाद में अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने टिप्पणी के आग्रह पर तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी।

क्विक न्यूज

लंदन की भूमिगत ट्रेन में महिला के सामने आपत्तिजनक हरकत करने वाले भारतवंशी को नौ महीने की जेल

लंदन। ब्रिटेन में लंदन भूमिगत ट्रेन में अकेली महिला के सामने आपत्तिजनक हरकत करने के दोषी ठहराए गए भारतीय मूल के 43 वर्षीय व्यक्ति को नौ महीने जेल की सज़ा दी गई है। उत्तर लंदन के वेम्बली के रहने वाले मुकेश शाह को लंदन इनर क्रॉउन कोर्ट ने पिछले महीने आपत्तिजनक कृत्य करने का दोषी ठहाराया था और 10 साल तक उसे यौन अपराधों के रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने का आदेश दिया था। ब्रिटिश परिवहन पुलिस (बीटीपी) ने कहा कि यह घटना चार नवंबर 2022 को हुई थी और वह 10 साल तक यौन क्षति रोकथाम आदेश के अधीन रहेगा।बीटीपी के जांच अधिकारी खुफिया सिपाही मार्क लुकेर ने कहा, शाह की घिनौनी हरकत ने उसे सलाखों के पीछे पहुंचाया है। साथ ही रिहाई के बाद वह भविष्य में ऐसा कृत्य फिर न कर सके इसके लिए उसपर प्रतिबंध भी लगाए गए है। हम यौन अपराधो की रिपोर्ट को बहुत गंभीरता से लेते है और अपराधियो को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अपनी क्षमता के मुताबिक सब कुछ करेंगे। अदालत को बताया गया कि रात 11 बजकर करीब 40 मिनट पर जब पीड़ित अकेली सुडबरी टाउन और एक्टन टाउन के बीच सफर कर रही थी तब शाह ट्रेन में सवार हुआ।

पाकिस्तान: चुनाव चिह्न बचाने की आखिरी कोशिश के तहत न्यायालय पहुंची इमरान खान की पार्टी

लाहौर। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने उसके चुनाव चिह्न के संबंध में आए लाहौर उच्च न्यायालय के एक फैसले के खिलाफ बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान निर्वाचन आयोग का वह आदेश बहाल कर दिया था, जिसमें पार्टी के संगठनात्मक चुनाव को अमान्य घोषित किया गया था और इसका चुनाव चिह्न क्रिकेट का बल्ला रद्द कर दिया था। पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) ने बुधवार को पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के आदेश को बहाल कर दिया था, जिसके बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने लाहौर उच्च न्यायालय का रुख किया था। हालांकि, बृहस्पतिवार को लाहौर उच्च न्यायालय ने पार्टी की याचिका खारिज कर दी। डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार पार्टी की याचिका पर शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय मे सुनवाई होगी।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बिलावल को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया

लाहौर। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले पार्टी के चेयरमैन और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी को प्रधानमंत्री पद के लिए आधिकारिक तौर पर दल का उम्मीदवार घोषित किया है। मीडिया मे आई खबर मे यह जानकारी दी गई है। द इंटरनेशनल की खबर के मुताबिक, पीपीपी की केंद्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) ने आम चुनाव के वास्ते पार्टी के प्रचार अभियान पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र पर चर्चा की गई जिसमें युवाओं, महिला सशक्तीकरण, रोज़गार, स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता देने का फैसला किया गया है।बुधवार देर शाम बिलावल के घर हुई बैठक के थोड़ी देर बाद पीपीपी ने अपने आधिकारिक एक्स पेज पर विस्तृति पोस्ट के साथ बैठक की तस्वीरें अपलोड की और बताया कि सीईसी के सदस्यो ने पार्टी प्रेज़िडेन्ट आसिफ अली जरदारी और चेयरमैन बिलावल भुट्टो ज़रदारी के नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया। पार्टी ने एक्स पर कहा कि आसिफ अली ज़रदारी ने पीपीपी की ओर से प्रधानमंत्री पद के लिए बिलावल भुट्टो ज़रदारी का नाम पेश किया। उसने कहा कि सीईसी ने पीपीपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर बिलावल भुट्टो ज़रदारी का समर्थन किया। बैठक के बाद बिलावल ने अपने एक्स पेज पर कहा, बेहद कृतज्ञता और बड़ी विनम्रता के साथ मै पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी पार्टी की ओर से नामित किए जाने को स्वीकार करता हूं।

ऑस्कर विनिंग प्रोडक्शन हाउस में मिलेगा मौका

ग्लोबल। किशोरावस्था की इस उभरती कहानी, गुटर गु के दूसरे सीज़न के साथ वापस आ रही है जिसका निर्देशन साकिब पंडोर द्वारा किया जा रहा है और सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। गुटर गु सीज़न 1 को गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विनिंग प्रोडक्शन हाउस सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया था एजिसमें रितु और अनुज ने संवेदनशील रिश्तों को निभाया और मुश्किल परिस्थितियों के बीच किशोरों के प्यार के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हुएए प्रेम के विभिन्न रंगों की खोज की। दूसरे सीज़न में नई चुनौतियोंए जीवन, करियर और एक.दूसरे से अपेक्षाओं के प्रबंधन के बीच उनकी आगे की यात्रा पर केंद्रित होगा। हमारे दिलों की धड़कन विशेष बंसल और अश्लेषा ठाकुर अभिनीत बहुचर्चित जोड़ी रितु और अनुज के साथ मासूम रोमांस फिर से जिंदा हो गया है। आखिरकार अब इंतजार की घड़ी खत्म हुई, क्योंकि गुटर गू के कलाकारों और क्रू ने दूसरे सीज़न की शूटिंग को शुरू कर दिया हैए और स्ट्रीमिंग सेवा ने सेट से इसकी एक झलक को दिखाया है। इस नई श्रृंखला ने ना केवल इसकी मनोरंजक कहानी और अश्लेषा ठाकुर और विशेष बंसल की जोड़ी के लिए तारीफ ों प्राप्त की है, बल्कि यह एक बड़ी हिट भी रही है और साथ ही अमेज़ॅन मिनीटीवी पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली श्रृंखला में से एक होने के कारण प्रशंसकों को अनुज और रितु के बीच के जादू के छह बिल्कुल नए एपिसोड का बेसब्री से इंतजार है। दूसरे सीज़न के लिए अपने उत्साह को साझा करते हुए अमोघ दूसादए अमेज़न मिनीटीवी के कंटेंट के प्रमुख ने कहा कि गुटर गु ने शुरू से ही दर्शकों के दिलों में जगह बना ली थी और हम इस प्रसिद्ध सीरीज़ के दूसरे सीज़न को लाने के लिए खुश हैं।

बांग्लादेश: सात जनवरी के चुनाव के खिलाफ बीएनपी ने 48 घंटे की आम हड़ताल का आह्वान किया

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवैध सरकार के इस्तीफे की मांग के साथ सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव का विरोध करते हुए शनिवार से 48 घंटे की राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का बृहस्पतिवार को आह्वान किया। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी रविवार को होने वाले आम चुनाव का बहिष्कार कर रही है। बीएनपी चुनाव कराने के लिए एक अंतरिम एवं तटस्थ सरकार की मांग कर रही है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार ने इस मांग को खारिज कर दिया था। हसीना सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग का नेतृत्व कर रही है। बीएनपी के संयुक्त वरिष्ठ महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आम हड़ताल की घोषणा की। रिजवी ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन मे कहा, 6 जनवरी को सुबह छह बजे से 8 जनवरी को सुबह छह बजे तक 48 घंटे की हड़ताल की जाएगी। इस अवैध सरकार के इस्तीफे, एक तटस्थ सरकार के गठन और सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा करने की मांग को लेकर इस हड़तान का आह्वान किया गया है। हड़ताल के जरिए बीएनपी का लक्ष्य अवामी पार्टी नीत सरकार के खिलाफ अपने असहयोग आंदोलन के लिए समर्थन जुटाना है।

म्यांमा की सैन्य सरकार ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 10,000 कैदियों को माफी प्रदान की

बैंकॉक। म्यांमा की सैन्य सरकार ने देश को ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के76 वर्ष पूरे होने के मौके पर बृहस्पतिवार को करीब 10,000 कैदियो को माफी प्रदान की, लेकिन यह अभी स्पष्ट नही है कि रिहा किए जाने वाले कैदियो मे राजनीतिक बंदी शामिल है या नही। सरकार संचालित एमआरटीवी टेलीविजन की खबर के अनुसार, म्यांमा की सैन्य परिषद के प्रमुख सीनियर जनरल मिन आंग हलैंग ने 9,652 कैदियो को माफी दी है। एमआरटीवी ने एक अलग खबर मे कहा कि हलैंग ने जेल मे बंद 114 विदेशियो को भी माफी दी, जिन्हें स्वदेश भेजा जाएगा।कैदियो की रिहाई बृहस्पतिवार को शुरू हो सकती है और इसे पूरा होने मे कई दिन लग सकते है। दशकों से राजनीतिक बंदियो को कैद मे रखने के कुख्यात यंगून की इनसीन जेल के बाहर सुबह से कैदियो के रिश्तेदारो का पहुंचना शुरू हो गया। रिहा किए जाने वाले कैदियो की पहचान अभी जाहिर नही की गई है।

मधुमेह की वैश्विक दवा पूरी दुनिया में जाएगी

न्यू जर्सी। शोध आधारित वैश्विक दवा कंपनी ग्लेनमार्क ने भारत में पहली बार लोकप्रिय 10,11 मधुमेह विरोधी दवा, लिराग्लूटाइड का बायोसिमिलर लॉन्च किया है। दवा का विपणन ब्रांड के तहत किया जा रहा है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफइंडिया से अनुमोदन के बाद इसका नाम स्पर्तपिजा् रखा गया है। 1.2 मिलीग्राम प्रति दिन की मानक खुराक के लिए कीमत लगभग 100 रुपये है, इससे चिकित्सा की लागत लगभग 70 प्रतिशत कम हो जाएगी और यह केवल नुस्खे के तहत उपलब्ध होगी। लिराग्लूटाइड ग्लूकागन जैसे पेप्टाइड 1 रिसेप्टर एगोनिस्ट जीएलपी-1 आरए दवाओं के वर्ग से संबंधित हैजो ग्लूकोज पर निर्भर इंसुलिन स्राव को बढ़ाता है और उचित ग्लूकागन स्राव में कमी करता है। नैदानिक परीक्षणों से पता चला है कि यह एथेरोस्क्लोरोटिक हृदय रोगों के साथ-साथ वयस्क टाइप 2 मधुमेह रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार करने में मदद करता है। और मोटापा। 1.5 लिराग्लूटाइड ने नैदानिक परीक्षणों में रोगियों के बीच हृदय और गुर्दे की सुरक्षा परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। अलोक मलिक अध्यक्ष और बिजनेस हेड ने कहा यह टाइप 2 मधुमेह के रोगियों के लिए उपचार का एक प्रभावी विकल्प बन गया है। 4,5,7, 14, 15 इस लॉन्च के साथ हमने अब डायबिटीज थेरेपी के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंजेक्टेबल एंटी-डायबिटिक बाजार में कदम रखा है ।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे तमिलों के लिए काम करें तो उन्हें समुदाय का समर्थन मिल सकता है: विग्नेश्वरन

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति की जाफना यात्रा से पहले तमिल समुदाय के एक अहम नेता ने कहा है कि अगर रानिल विक्रमसिंघे समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम करते है तो उन्हें राष्ट्रपति पद के अगले चुनाव मे तमिल राजनीतिक दलों का निश्चित रूप से समर्थन मिलेगा। उत्तरी प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री सीवी विग्नेश्वरन ने यह भी कहा कि उत्तर मे तमिलो के सामने आने वाली सभी समस्याओ को आसानी से हल किया जा सकता है और तमिल राजनीतिक दल क्षेत्र मे राष्ट्रपति की यात्रा के परिणामो का उत्सुकता से इंतजार कर रहे है। विग्नेश्वरन ने कहा कि अगर राष्ट्रपति विक्रमसिंघे उत्तरी तमिलो की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करते है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 जनवरी 2023

दूसरा टेस्ट, दूसरे दिन जीतकर भारत ने की बराबरी

- बुमराह का जलवा, भारत ने केपटाउन में ऐतिहासिक जीत दर्ज की
- दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराया, श्रृंखला 1-1 से बराबर की

भाषा। केपटाउन

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के जादुई स्पैल से भारत ने टेस्ट इतिहास के अब तक के सबसे छोटे मैच में दक्षिण अफ्रीका पर सात विकेट की जीत से दो मैच की श्रृंखला।-। से बराबर की। भारतीय तेज गेंदबाजी के अनमोल नगीनों में शुमार बुमराह ने गुरुवार को यहां दूसरे और आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन की सुबह ऐसा खतरनाक स्पैल डाला कि दक्षिण अफ्रीका का मध्यक्रम चरमरा गया और ऐडन मार्कराम (103 गेंद में 106 रन) के जुझारू शतक के बावजूद टीम लंच से ठीक पहले दूसरी पारी में 36.5 ओवर 176 रन पर ढेर हो गई जिससे भारत को जीत के लिए 79 रन का लक्ष्य मिला। यह लक्ष्य हालांकि सबसे मुश्किल पिच पर भी बहुत बड़ा नहीं था। युवा यशस्वी जायसवाल (28 रन) हालांकि अपना विकेट गंवा बैठे लेकिन कप्तान रोहित शर्मा (नाबाद 16 रन) और श्रेयस अय्यर (छह गेंद में नाबाद चार रन) ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 80 रन बनाकर टीम को पांचवें सत्र के अंदर जीत दिलाई। भारत की न्यूलैंड्स पर सात प्रयासों में यह पहली जीत थी जिसे बुमराह और मोहम्मद सिराज के प्रदर्शन के लिए याद रखा जाएगा। सिराज ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छह विकेट के प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर समेटने में मुख्य भूमिका निभाई थी। रोहित श्रृंखला बराबर होने से महेंद्र सिंह धोनी (2010-11) के बाद दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला ड्रा कराने वाले दूसरे कप्तान बन गए। हालांकि दक्षिण अफ्रीका अब भी भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है क्योंकि वह इस देश में अब तक कोई भी टेस्ट श्रृंखला नहीं जीत सका है। फेंके गए ओवरों के मामले में यह अब तक का सबसे छोटा टेस्ट मैच रहा जिसमें कुल 106.2 ओवर डाले गए। इससे पहले 1932 में आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एमसीजी में हुआ टेस्ट सबसे छोटा मैच था जिसमें 109.2 ओवर फेंके गए थे। इसमें आस्ट्रेलिया जीता था। दिलचस्प बात है कि दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी इस मैच की तरह ही तब 23.2 ओवर तक ही चली थी। न्यूलैंड्स स्टेडियम की पिच को अगर आईसीसी मैच रैफरी क्रिस ब्रॉड औसत से नीचे की रेटिंग नहीं देते हैं तो यह हैरानी की बात होगी। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी सलाहकार और पूर्व कप्तान एशवेल प्रिंस ने जब इस पिच को देखा था तो उन्होंने इसे पहले दिन की सबसे तेज पिच करार किया था और वह इसके अनिरंतर उछाल से काफी चिंतित भी थे। न्यूलैंड्स की मेजबान संस्था वेस्ट प्रोविंस क्रिकेट एसोसिएशन वित्तीय रूप से काफी कमजोर है और डेढ़ दिन का मैच उसके लिए घाटे का सौदा ही होगा। कप्तान रोहित के लिए बतौर कप्तान क्रिकेट के चार बड़े देश दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट जीतना शानदार है लेकिन इसमें उनके द्वारा लिए गए फैसलों से उनका कप्तानी कौशल दिखाई दिया। मुकेश कुमार (चार विकेट) को शार्दुल ठाकुर के स्थान पर खिलाना अच्छा फैसला रहा। पहले टेस्ट में सेंचुरियन में मिली पारी और 32 रन की हार के बाद गेंदबाजों ने गेंदबाजी करने की आदर्श लेंथ भी जानी। बुमराह और सिराज ने पहली पारी में जिस तरह पिच के मिजाज को परखा, वह काबिलेतारीफ रहा जो इस बात का उदहारण है कि मौजूदा पीढ़ी करारी हार के बाद भी घुटने नहीं टेकती। गुरुवार को गेंद हालांकि पिच पर उतना उछाल नहीं ले रही थी जितना पहले दिन ले रही थी लेकिन फिर भी मूवमेंट हासिल करने के लिए इस पर काफी कुछ मौजूद था। बुमराह ने बैक ऑफ लेंथ के बजाय पारंपरिक रूप से फुल लेंथ गेंद फेंकी और 13.5 ओवर में 61 रन देकर छह विकेट हासिल किए।

स्कोरबोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 55 रन,भारत पहली पारी : 153 रन ,दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी: मार्कराम क शर्मा बो मोहम्मद सिराज 106, एल्गर क कोहली बो मुकेश कुमार 12,डिजोर्जी क राहुल बो मुकेश कुमार 01,स्टब्स क राहुल बो बुमराह 01, बेडिंघम क राहुल बो बुमराह 11,वेरेयने क मोहम्मद सिराज बो बुमराह 09, यानसेन क एवं बो बुमराह 11,महाराज क अय्यर बो बुमराह 03,रबाडा क शर्मा बो प्रसिद्ध कृष्णा 02,बर्गर नाबाद 06, एनगिडी क जायसवाल बो बुमराह 08,**अतिरिक्त :** (बाई।, नोबॉल 5) 6,**कुल :** 36.5 ओवर में 176 रन पर सभी आउट ,**विकेट पतन :** 1-37, 2-41, 3-45, 4-66, 5-85, 6-103, 7-111, 8-162, 9-162, **गेंदबाजी :** बुमराह 13.5-0-61-6,सिराज 9-3-31-1, कृष्णा 10-2-56-2,कुमार 4-1-27-1।

भारत दूसरी पारी: जायसवाल क स्टब्स बो बर्गर 28,रोहित नाबाद 17, गिल बो रबाडा 10,कोहली क वेरेयने बो यानसेन 12,अय्यर नाबाद 04, **अतिरिक्त :** (बाई।, लेगबाई।, नोबॉल।, वाइड 6) 9,**कुल :** 12 ओवर में तीन विकेट पर 80 रन ,**विकेट पतन :** 1-44, 2-57, 3-75,**गेंदबाजी :** रबाडा 6-0-34-1,बर्गर 4-0-29-1, यानसेन 2-0-15-1।

आईसीसी ने किया स्टंपिंग, कन्कशन सब्स्टीट्यूट के नियमों में संशोधन

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने खेल की स्थितियों में उल्लेखनीय बदलाव किया है, जिसके अनुसार अंपायर अब निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) रेफरल के दौरान विकेट के पीछे कैच पर विचार किए बिना स्टंपिंग के लिए केवल साइड ऑन रीप्ले का आकलन करेंगे। नियमों में यह संशोधन 12 दिसंबर 2023 से लागू हो गया है। इसके अनुसार यदि कोई टीम स्टंप आउट की जांच के दौरान विकेट के पीछे कैच के लिए भी रेफरल लेना चाहती है तो उसे अलग से डीआरएस का विकल्प चुनना होगा। पिछले साल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने टीम के डीआरएस का उपयोग किए बिना स्टंपिंग के बाद विकेट के पीछे कैच के लिए भी रेफरल का इस्तेमाल किया था। लेकिन अब नए नियम लागू होने के बाद स्टंपिंग के लिए की गई अपील में केवल साइड ऑन कैमरे की छवि को ही दिखाया जाएगा और अंपायर केवल उसी पर गौर करेंगे। वह इसकी जांच नहीं करेंगे कि गेंद बल्ले को छूकर गई है या नहीं। आईसीसी ने कन्कशन (सिर में चोट लगने के कारण हल्की बेहोशी की स्थिति) के लिए स्थानापन खिलाड़ी (सब्स्टीट्यूट) लेने को लेकर भी नियमों को स्पष्ट किया है। अब स्थानापन खिलाड़ी को तभी गेंदबाजी करने की अनुमति दी जाएगी जबकि मूल खिलाड़ी को गेंदबाजी करते समय कन्कशन के कारण हटना पड़ा हो।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए एसडी प्रज्जवल देव भारतीय डेविस कप टीम में

बेंगलुरू। प्रतिभावान खिलाड़ी एसडी प्रज्जवल देव को गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में भारत की राष्ट्रीय टेनिस टीम में शामिल किया गया। प्रज्जवल को इस्लामाबाद मे तीन और चार फरवरी को होने वाले इस विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ मुकाबले के लिए शुरुआत मे भारतीय टीम मे जगह नही मिली थी लेकिन रिजर्व खिलाड़ी दिग्विजय सिंह के हटने के बाद उन्हें टीम में शामिल किया गया। प्रज्जवल ने पीटीआई से कहा, मै पिछले दो सत्र से भारत और विदेश मे आईटीएफ टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। मै इस अवसर को अपनी निरंतरता के इनाम के रूप मे देखता हूं और मै डेविस कप मे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए काफी उत्साहित हूं। हाल ही में गोवा मे आयोजित राष्ट्रीय खेलो में कर्नाटक का नेतृत्व करने वाले 27 वर्षीय प्रज्जवल ने कहा, मै कोर्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और भारत के सफल अभियान मे योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख हॉक्ले ने कहा, टेस्ट श्रृंखला कम से कम तीन मैच की होनी चाहिए

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख निक हॉक्ले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजने के बाद सभी को सतर्क हो जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट श्रृंखला मे कम से कम तीन मैचो का आयोजन करने की वकालत की। दक्षिण अफ्रीका ने अपने घरेलू टी20 लीग को प्राथमिकता देते हुए न्यूजीलैंड में होने वाले दो टेस्ट मैच के लिए दूसरी श्रेणी की टीम का चयन किया है जिसमे सात खिलाड़ी ऐसे है जिन्होने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नही खेला है। हॉक्ले ने एसईएन से कहा, यह सभी के लिए एक चेतावनी है। बच्चों और नए लोगों को इस खेल से जोड़ने में टी20 की भूमिका को कम करके नही आंका जा सकता। हमारा विश्वास है कि यह दोनो प्रारूप एक साथ चल सकते है।

ऑल इंडिया मीडिया प्रीमियर लीग आज से

लखनऊ। पिछले संस्करण की विजेता मेजबान लखनऊ की ऑल इंडिया मीडिया प्रीमियर लीग-एआईएमपीएल के उद्घाटन मैच में 5 जनवरी को खिताब की प्रबल दावेदार प्रयागराज से टक्कर होगी। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर यह मुकाबला शुक्रवार सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। दूसरी ओर दिन के दूसरे लीग मैच में पिछली उपविजेता चंडीगढ़ और कानपुर के बीच दोपहर 12.30 बजे से मुकाबला खेला जाएगा। इस बारे में आयोजन सचिव गुलशन द्विवेदी ने जानकारी दी कि तीन दिवसीस इस मीडिया खेल महोत्सव के दौरान क्रिकेट के अलावा फुटबॉल किकिंग और गोल्फपटिंग के भी मुकाबले आयोजित होंगे। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अजय कुमार सेठी 5 जनवरी को सुबह नौ बजे लीग का उद्घाटन करेंगे वहीं लीग के 7 जनवरी को अपराह्न 3 बजे होने वाले समापन व पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार होंगे।

अजारेंका, ओस्टापेंको क्वार्टरफाइनल में

ब्रिस्बेन। विक्टोरिया अजारेंका ने गुरुवार को यहां सीधे सेटो मे जीत दर्ज करके ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश किया जहां उनका सामना एलेना ओस्टापेंको से होगा। इस टूर्नामेंट का 2009 मे जब पहली बार आयोजन किया गया था तब अजारेंका चैंपियन बनी थी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन मे दो बार की चैंपियन इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रांस की क्लारा बुरेल को 7-5, 6-2 से हराकर पांचवी बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई। एक अन्य मैच मे फ्रेंच ओपन 2017 की चैंपियन ओस्टापेंको ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल मे तीन बार की विजेता कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। पुरुष वर्ग मे 2017 के चैंपियन ग्रिगोर दिमित्रोव ने डैनियल अल्टमायर को आसानी से 6-1, 6-2 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाटा से होगा, जिन्होने चेक गणराज्य के क्वालीफायर टॉमस मचाक को 5-7, 6-2, 7-6 (4) से हराया।

वार्नर ने बनाए 34 रन, ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान मैच में बारिश का खलल

सिडनी। डेविड वार्नर अपने विदाई टेस्ट मैच की पहली पारी में 34 रन बनाकर आउट हुए जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच मे गुरुवार को यहां खराब रोशनी और बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 116 रन बनाए। खराब रोशनी और बारिश के कारण दूसरे दिन केवल 46 ओवर का खेल ही संभव हो पाया। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी मे 313 रन बनाए थे और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया अभी उससे 197 रन पीछे है। जब अंपायरो ने दूसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया तब मार्नस लाबुशेन 23 और स्टीव स्मिथ 6 रन पर खेल रहे थे। दूसरे सत्र मे पहले खराब रोशनी के कारण खेल रोका गया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर दूधिया रोशनी का प्रकाश था लेकिन इसके बावजूद खेल रोक दिया गया जो दर्शको को नागवार गुजरा। कुछ पूर्व खिलाड़ियो ने भी इस फैसले की आलोचना की। स्टेडियम मे

दक्षिण अफ्रीका से मैच चुनौती भरा, प्रदर्शन पर गर्व : रोहित

केपटाउन। रोहित शर्मा के चेहरे पर भारत के दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला नहीं जीत पाने का दर्द साफ झलक रहा था लेकिन कप्तान ने कहा कि वे गुरुवार को यहां दूसरे टेस्ट में मिली सात विकेट की जीत पर गर्व महसूस करेंगे। भारत ने सेंचुरियन में श्रृंखला के शुरूआती मैच में पारी और 32 रन से हार के बाद शानदार वापसी की और पांच सत्र के अंदर दूसरे टेस्ट में जीत से दो मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई। रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, जब आप दुनिया के इस हिस्से में आते हो तो यहां हमेशा ही मुश्किल होती है लेकिन भारत के बाहर हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है। दक्षिण अफ्रीका हमेशा हमारे लिए चुनौती पेश करता है और यहां आकर जीत हासिल करके हम गर्व महसूस कर सकते हैं। हम श्रृंखला जीतना पसंद करते। हमने बहुत अच्छी वापसी की, विशेषकर हमारे गेंदबाजों ने। हमारी कुछ योजनाएं थीं और खिलाड़ियों को इनका फायदा मिला। हम जानते थे कि यह मैच छोटा होगा, हम जानते थे कि रन मायने रखेंगे इसलिए पहली पारी की बढ़त हासिल करना बहुत ही महत्वपूर्ण था। सेंचुरियन में खराब प्रदर्शन के बाद शानदार वापसी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, निश्चित रूप से यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन हमने जो गलतियां की हैं, उनसे सीख लेनी होगी। गेंदबाजों को गेंद को सही लाइन एवं लेंथ पर ही डालनी होगी और गेंदबाजों को इसका फायदा मिला। हमने 100 रन की बढ़त हासिल की लेकिन अंतिम छह विकेट (बिना रन जोड़े) गंवाना अच्छा नहीं था। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 15 रन देकर छह विकेट झटककर पहले दिन के पहले सत्र में दक्षिण अफ्रीका को 55 रन पर ढेर कर दिया जिससे श्रृंखला बराबर करने वाली जीत की लय बनी।, सिराज का स्पैल ऐसा था जो आपको अकसर देखने को नहीं मिलता। हमने इसे सरल रखा और पिच ने हमारे लिए बाकी काम कर दिया। सिराज और बुमराह को श्रेय दिया जाना चाहिए और मुकेश और प्रसिद्ध को भी जिन्होंने जितना हो सके, उनका सहयोग किया।

न्यूलैंड्स का हमेशा एक विशेष स्थान रहेगाः बुमराह

केपटाउन। न्यूलैंड्स में छह साल पहले अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस स्थल को लेकर काफी भावुक है और सोने पर सुहागा यह रहा कि गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका पर श्रृंखला बराबर करने वाली जीत दर्ज करने के बाद उन्हे श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। यहां 2018 में टेस्ट क्रिकेट मे पदार्पण करने वाले बुमराह ने दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए जिससे भारत ने 642 गेंद तक चले टेस्ट इतिहास के सबसे छोटे मैच मे दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हरा दिया। दो मैच की श्रृंखला मे 12 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे बुमराह ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा, इस मैदान का हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहेगा। यहां 2018 में सफर की शुरुआत हुई, हमेशा सुखद यादे रही। बहुत खुशी है कि आज सब अच्छा रहा। हमारी गेंदबाजी इकाई अनुभवी थी और हम प्रभाव डालना चाहते थे। मुझे उम्मीद नही थी कि खेल इतनी तेजी से आगे बढ़ेगा। मैच के पहले दिन 23 विकेट गिरे और भारत को दो मैच की श्रृंखला बराबर करने के लिए 79 रन का मामूली लक्ष्य मिला। भारत ने दूसरे दिन दूसरे सत्र मे 12 ओवर मे लक्ष्य हासिल कर लिया जिससे यह टेस्ट इतिहास का अब तक का सबसे छोटा टेस्ट बन गया।

बुमराह को लगातार सही लाइन एवं लेंथ से फायदा मिलाः तेंदुलकर

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला बराबर करने वाली सात विकेट की जीत के लिए जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी को श्रेय देते हुए कहा कि इस तेज गेंदबाज को लगातार सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी करने का फायदा मिला। यह इस स्टेडियम में सात प्रयासों में उसकी पहली जीत है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की, जिन्होंने हमें दिखाया कि इस तरह के विकेट पर लगातार सही लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी करना कितना जरूरी है। तेंदुलकर ने साथ ही दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज ऐडन मार्कराम की भी प्रशंसा की। तेंदुलकर ने लिखा, मार्कराम का जज्बा शानदार था क्योंकि इस तरह की पिच पर रक्षात्मक होना ही सर्वश्रेष्ठ आक्रमण होता है।

महिला बधिर प्रीमियर लीग टी10 टूर्नामेंट आठ जनवरी से

मुंबई। महिला बधिर प्रीमियर लीग टी10 के पहले टूर्नामेंट का आयोजन यहां आठ से 11 जनवरी तक किया जाएगा जिसमें छह टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ के अनुसार पंजाब लायंस, यूपी वारियर्स, मुंबई स्टार्स, दिल्ली बुल्स, हैदराबाद ईगल्स और बेंगलोर बादशाहज की टीम 12 मैच की इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट के विजेता को एक लाख रुपए की इनामी राशि दी जाएगी जबकि उप विजेता को 50 हजार रुपए मिलेंगे। सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

ओलंपिक क्वालीफायर उत्कृष्टता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता हैः टिर्की

रांची। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने गुरुवार को कहा कि आगामी महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर खेल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के प्रयास का प्रमाण है। मेजबान भारत सहित आठ देश यहां मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम मे 13 से 19 जनवरी तक होने वाले क्वालीफायर में पोडियम पर जगह बनाकर जुलाई-अगस्त मे होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे।टिर्की ने कहा, रांची मे एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर खेल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता हासिल करने के हमारे निरंतर प्रयास का प्रमाण है।

रियाल मैड्रिड और गिरोना का अजेय अभियान जारी

मैड्रिड। रियाल मैड्रिड और गिरोना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा मे शीर्ष दो स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। इन दोनों टीम ने बुधवार को अपने-अपने मैच जीते। इससे उनके 19 मैच मे 48 अंक हो गए है जबकि तीसरे स्थान की टीम एटलेटिको मैड्रिड के उनसे 10 अंक कम है। रियाल मैड्रिड गोल अंतर मे गिरोना से आगे शीर्ष पर काबिज है। रियाल मैड्रिड ने एंटोनियो रुडिगर के अंतिम क्षणो में किए गए गोल की मदद से अपने घरेलू मैदान पर मलोर्का को।-0 से हराया। वीनीसीयस जूनियर ने चोट से उबरकर इस मैच मे वापसी की। इस सत्र मे स्पेनिश फुटबॉल लीग मे शानदार प्रदर्शन करने वाली गिरोना की टीम ने इवान मार्टिन के इंजरी टाइम मे किए गए गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड को 4-3 से हराया। एटलेटिको की तरफ से तीनो गोल अलवारो मोराता ने किए।

एमबापे ने फिर गोल दागा, पेरिस सेंट जर्मेन ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती

पेरिस। किलियन एमबापे और ली कांग के गोल की मदद से फ्रेंच लीग चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच कप विजेता टूलूज़ को 2-0 से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। ली ने तीसरे मिनट मे ही ओसुमाने डेम्बले की मदद से गोल करके पीएसजी को बढ़त दिला दी थी। टूलूज़ के पास 18वें मिनट मे बराबरी का गोल करने का मौका था लेकिन गेब्रियल सुआजो गोल करने से चूक गए। एमबापे ने 44वें मिनट में गोल करके पीएसजी की जीत सुनिश्चित की। यह उनका इस सत्र में 23 मैच में 22वां गोल था। वह 2017 मे पीएसजी से जुड़ने के बाद इस क्लब के लिए 234 गोल कर चुके है जो एक रिकॉर्ड है।

रणजी ट्रॉफी : चमक बिखेरने की कोशिश करेंगे नए और पुराने खिलाड़ी

भाषा। नई दिल्ली

देश के विभिन्न स्थानों पर शुक्रवार से शुरू होने वाली रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में जहां नए खिलाड़ी अपना प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे वहीं कुछ पुराने खिलाड़ी अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए जीजान लगाएंगे। भारत की टेस्ट टीम में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में खिलाड़ी लगभग तय हैं ऐसे में देश की प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिता में कोई असाधारण प्रदर्शन ही चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित कर पाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के आखिर में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में बहुत अधिक बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी सीमित ओवरों की क्रिकेट में ही व्यस्त रहेंगे जिसमें आईपीएल और जून में होने वाला टी20 विश्व कप भी शामिल है। रणजी ट्रॉफी में सभी की निगाह अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा पर टिकी रहेगी जो अभी भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। यह दोनों खिलाड़ी बड़े स्कोर बनाकर अपनी दावेदारी बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। रहाणे 41 बार के चैंपियन मुंबई की अगुवाई भी करेंगे। इसी तरह से पिछले सत्र में सर्वाधिक 990 रन बनाने वाले कर्नाटक के मयंक अग्रवाल भी बड़ी पारियां खेल कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए अपना दावा मजबूत करने की कोशिश करेंगे। अभी रोहित शर्मा के साथ युवा यशस्वी जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से पारी का आगाज कर रहे हैं। टीम में सलामी बल्लेबाज के दावेदारों में अग्रवाल के अलावा अभिमन्यु ईश्वरन भी शामिल हैं जो रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण अभी टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका में है।

रणजी ट्रॉफी ग्रुप

एलीट ग्रुप एः सौराष्ट्र, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, विदर्भ, हरियाणा, सर्विसेज, मणिपुर।एलीट ग्रुप बीः बंगाल, आंध्र, मुंबई, केरल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, असम, बिहार।एलीट ग्रुप सीः कर्नाटक, पंजाब, रेलवे, तमिलनाडु, गोवा, गुजरात, त्रिपुरा, चंडीगढ़।एलीट ग्रुप डीः मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, बड़ौदा, दिल्ली, ओडिशा, पांडिचेरी, जम्मू और कश्मीर।प्लेट ग्रुपः नागालैंड, हैदराबाद, मेघालय, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश।

अगले हफ्ते निलंबन को चुनौती देगा डब्ल्यूएफआई

16 जनवरी को कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) खेल मंत्रालय द्वारा लगाए निलंबन को अगले हफ्ते अदालत में चुनौती देगा और आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए उसने 16 जनवरी को यहां कार्यकारी समिति की बैठक भी बुलाई है। सरकार ने राष्ट्रीय खेल संहिता और डब्ल्यूएफआई संविधान के उल्लंघन का हवाला देते हुए 24 दिसंबर को नवनिर्वाचित संस्था को महासंघ के चुनाव के तीन दिन बाद निलंबित कर दिया था। डब्ल्यूएफआई कह चुका है कि वह न तो निलंबन को स्वीकार करता है और न ही कुश्ती का कामकाज देखने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ पैनल को मान्यता देता है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने पीटीआई से कहा, हमें सुचारू रूप से काम करने वाले महासंघ की जरूरत है। हम इस मामले को अगले हफ्ते अदालत में ले जा रहे हैं। हमें यह निलंबन स्वीकार्य नहीं है क्योंकि हमारा चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुआ था। हमने 16 जनवरी को कार्यकारी समिति की बैठक भी बुलाई है। वाराणसी के संजय सिंह ने बताया कि तदर्थ पैनल मुश्किल की घड़ी में काम करने के लिए किस तरह ठीक नहीं था। आपने देखा होगा कि जगरेब ओपन के लिए किस तरह टीम की घोषणा की गई थी। पांच वजन वर्गों में प्रतिनिधित्व ही नहीं था। उचित महासंघ के बिना ऐसा ही होगा।

भारतीय महिलाओं को पूरी ताक से खेलना होगा

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला आज

भाषा। नवी मुंबई

इस साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भारतीय महिला क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में खेल के हर विभाग में सुधार करने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम में काफी सुधार की जरूरत है क्योंकि उसने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक दिवसीय श्रृंखला 0-3 से गंवाई थी जबकि इंग्लैंड ने भी उसे तीन मैच की टी20 श्रृंखला में हराया था। भारत ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच जीते लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में अभी टीम को काफी कुछ करने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा था और उसे तीन रन से हार का सामना करना पड़ा था जबकि तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट पर 338 रन के जवाब में भारतीय बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और पूरी टीम 148 रन पर आउट हो गई। जहां तक पहले वनडे की बात है तो उसमें गेंदबाज नहीं चल पाए थे। भारतीय टीम ने अंतिम दो वनडे में कम से कम आठ कैच छोड़े थे। इसके अलावा निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) को लेकर किए गए उसके फैसले भी सही नहीं रहे। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत की फॉर्म भी चिंता का विषय है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे में केवल 17 रन बना पाई थी। जेमिमा और रिचा घोष ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन अन्य प्रमुख बल्लेबाज नहीं चल पाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना लगातार अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रही है। मंधाना के साथ वनडे श्रृंखला में यास्तिका भटिया ने पारी का आगाज किया था। यह देखना होगा की टीम प्रबंधन भाटिया पर भरोसा बनाए रखता है या फिर उनकी जगह शेफाली वर्मा को मौका देता है।

फिटनेस और क्षेत्ररक्षण की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं: हरमनप्रीत

नवी मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि क्षेत्ररक्षण और फिटनेस विभाग में त्वरित सुधार संभव नही है लेकिन उनकी टीम हाल ही मे नियुक्त पूर्णकालिक सहयोगी स्टाफ की मदद से उन कमियों को दूर कर लेगी। टीम लंबे समय से क्षेत्ररक्षण और फिटनेस की समस्या से जूझ रही है। भारतीय टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला मे ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने की तैयारी कर रही है और ध्यान इस बात पर है कि नौ मैच में से छह में दोहरे अंक में पहुंचने मे नाकाम रही हरमनप्रीत इससे कैसे उबरती है। इसके अलावा भारत ने ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला मे 0-3 की हार के दौरान अंतिम दो मैच मे कुल आठ कैच छोड़े जिसमे से सात दूसरे मैच मे टपकाए।

नडाल ब्रिस्बेन के क्वार्टर फाइनल में

ब्रिस्बेन। कूल्हे की चोट के कारण एक साल बाद वापसी कर रहे रफेल नडाल ने गुरुवार को यहां जेसन कुब्लर के खिलाफ 6-1, 6-2 की आसान जीत के साथ ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बाइस बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नडाल की विश्व रैंकिंग 600 से अधिक हो गई है जिसके कारण वह यहां वाइल्ड कार्ड धारक के रूप में खेल रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले जरूरी मैच अभ्यास हासिल करना चाहते हैं। पिछले साल जनवरी के बाद नडाल ने अपना पहला प्रतिस्पर्धी मुकाबला मंगलवार को 2020 के अमेरिकी ओपन चैंपियन और दुनिया के तीसरे नंबर के पूर्व खिलाड़ी डोमीनिक थीम के खिलाफ खेला था। नडाल ने कहा, यह मेरे लिए काफी मायने रखता है। पेशेवर टूर पर लंबे समय तक बाहर रहने के बाद दो जीत हासिल करके अच्छा महसूस कर रहा हूं और खुश हूं। नडाल सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोर्डन थॉम्पसन से भिड़ेंगे। बीमारी के कारण ह्यूगो हम्बर्ट के हटने पर जोर्डन को वाकओवर मिला। इससे पहले महिला एकल में विक्टोरिया अजारेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना एलेना ओस्टापेंको से होगा। इस टूर्नामेंट का 2009 में जब पहली बार आयोजन किया गया था तब अजारेंका चैंपियन बनी थी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दो बार की चैंपियन इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने फ्रांस की क्लारा बुरेल को 7-5, 6-2 से हराकर पांचवीं बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एक अन्य मैच में फ्रेंच ओपन 2017 की चैंपियन ओस्टापेंको ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में तीन बार की विजेता कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया।

गॉफ ऑकलैंड टेनिस क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में

ऑकलैंड। अमेरिकी ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने गुरुवार को यहां चेक गणराज्य की किशोरी बारबरा फ्रुहविर्टोवा को 6-3, 6-0 से पराजित करके ऑकलैंड टेनिस क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।चेक गणराज्य की 16 वर्षीय खिलाड़ी ने गॉफ को शुरुआत मे चुनौती दी लेकिन अमेरिका की अनुभवी खिलाड़ी ने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बनाकर सीधे सेटो मे जीत दर्ज की। गॉफ क्वार्टर फाइनल मे फ्रांस की आठवी वरीयता प्राप्त वरवारा ग्रेचेवा से भिड़ेंगी। ग्रेचेवा ने स्विट्जरलैंड की लुलु सुन को 6-3, 6-4 से हराया। एक अन्य मैच मे सातवी वरीयता प्राप्त पेट्रा मार्टिच ने छह ऐस लगाए और नौ मे से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाकर चीन की युआन यू को 6-2, 6-2 से हराया। क्वार्टर फाइनल मे मार्टिच का मुकाबला अमेरिका की एम्मा नवारो से होगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।